

৩০  
দিনে

আধুনিক পদ্ধতিতে

# হিন্দি ভাষা শিক্ষা

হিন্দি ভাষা  
সহজভাবে  
বলা ও শেখার  
সহজ উপায়





# হিন্দী বংগলা স্বরবর্ণ

## হিন্দী বাংলা স্বরবর্ণ

अ	आ	इ	ई
अ	आ	इ	ई
उ	ऊ	ऋ	ॠ
उ	ऊ	ऋ	ॠ
ए	ऐ	ओ	औ
ए	ऐ	ओ	औ
	अं	अः	
	अं	अः	

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় (৯) এবং (৯)-এর ব্যবহার নাই।



হিন্দী বাংলা ব্যঞ্জনবর্ণ

হিন্দী বাংলা ব্যঞ্জনবর্ণ

ক	খ	গ	ঘ	ঙ
ক	খ	গ	ঘ	ঙ
চ	ছ	জ	झ	ञ
চ	ছ	জ	झ	ञ
ট	ঠ	ড	ढ	ण
ট	ঠ	ড	ढ	ण
ত	থ	দ	ध	न
ত	থ	দ	ध	न



प	फ	ब	भ	म
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
य	र	ल	व	श
ष	स	ह	ड	ढ
ष	स	ह	ड	ढ
॰	॰	॰	क्ष	ज्ञ
॰	॰	॰	म्	ञ

মনে রাখবে—হিন্দী ভাষায় 'য়'-এর ব্যবহার নাই।



## অতিরিক্ত বর্ণ (অতিরিক্ত বর্ণ)

क्ष      ल      त्र      ड      ढ  
 ऋ      ॠ      ऌ      ॡ      ऴ

মনে রাখবে—উপরোক্ত বর্ণগুলিকে হিন্দীতে অতিরিক্ত বর্ণ বলা হয়।

## स्वरवर्ण की परीक्षा (সওর ওয়ারডঁ কী পরীক্ষা)

उ    ए    आ    ओ    इ    लृ    ऊ  
 उ    ए    आ    ओ    इ    लृ    ऊ  
 ऋ    ई    औ    अ    ऐ    अं    अः  
 ऋ    ई    औ    अ    ऐ    अं    अः

## व्यंजनवर्ण की परीक्षा (ওয়্যানজন ওয়র্ডঁ কী পরীক্ষা)

ड    ङ    त    क    ध    द    ठ  
 ड    ङ    त    क    ध    द    ठ



ज	व	झ	र	भ	फ	घ
ज	ब	बा	र	भ	फ	घ
ष	थ	ड	ढ	ख	ग	प
ष	थ	ड	ढ	ख	ग	प
ड	ढ	ण	ल	अ	श	छ
ड	ढ	ण	ल	अ	श	छ
ट	म	व	ड	स	च	प
ट	म	व	ड	स	च	प
	क्ष			:		
	म्फ		९	०		

## [स्वरवर्णों का मात्रा (स्वरवर्णের मात्रা)]

आ = ॐ	इ = ि	ई = ी	उ = ु	ऊ = ू
आ = ॐ	इ = २	ई = ी	उ = ु	ऊ = ू
अ = ॐ	ए = े	ऐ = ै	ओ = ो	औ = ौ
अ = ॐ	এ = ে	ঐ = ৈ	ও = ো	ঔ = ৌ



## হিন্দী-উচ্চারণ

হিন্দীতে অ, ই, উ, ঋ—এই স্বরবর্ণগুলির উচ্চারণ হ্রস্ব।

আ, ঈ, ঊ, লৃ, এ, ঐ, ও, ঔ ইত্যাদির উচ্চারণ দীর্ঘ।

হিন্দীতে অ-এর উচ্চারণ অনেকটা বাংলা ‘আ’-এর মতো। যথা—অব (আব) হম (হাম) ইত্যাদি।

হিন্দীতে ‘ঐ’-এর উচ্চারণ বাংলা ঐ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ ‘আয়’-এর মত। যথা—হৈ (হায়), মৈ (ম্যায়), কৈসা (ক্যায়সা), জৈসা (জ্যায়সা) ইত্যাদি।

হিন্দীতে ‘ঔ’-কারের উচ্চারণ বাংলা ঔ-কারের মতো নয়। হিন্দীতে এর উচ্চারণ অনেকটা ‘অও’-এর মতো। যথা—ঔর (আওর), কৌন (কওন), কৌবা (কওয়া), পৌধা (পওয়া) ইত্যাদি।

হিন্দীতে ‘জ’-এর উচ্চারণ বাংলা ‘জ’-এর মতো। কিন্তু ‘য’-এর উচ্চারণ ‘ইয়’-এর মতো। যেমন—যহ (ইয়হ), যহাঁ (ইয়হাঁ) ইত্যাদি।

হিন্দীতে পেট কাটা ‘ব’-এর উচ্চারণ বাংলা ‘ব’ মতো, কিন্তু পেট কাটা ‘ব’ না হলে, অর্থাৎ অন্তস্থ ‘ব’ হলে তার উচ্চারণ ‘উও’ এর মতো। যেমন—বহ (উওহ), বহাঁ (উওহাঁ)।

হিন্দীতে ‘য’ যদি শব্দের মধ্যে বা পদের শেষে থাকে, তবে তার উচ্চারণ হবে বাংলা ‘য়’ মতো বা য-ফলা (।) এর মতো। যথা—নয়ন (নয়ন), সময় (সময়) ইত্যাদি।



হিন্দীতে 'য' বা (i)-ফলা কোনও অক্ষরের সঙ্গে যুক্ত হলে তার উচ্চারণ 'ইয়'-এর মতো হয়। যেমন—কন্যা (কন্ইয়া), গদ্য (গদ্ইয়), অম্যাস (অভ্ইয়াস)-ইত্যাদি।

হিন্দীতে 'শ' ও 'ষ' এর উচ্চারণ বাংলা 'শ' ও 'ষ'-এর মতোই, কিন্তু 'ষ' যদি 'ক'-এর সঙ্গে যুক্ত হয়। তাহলে বাংলা উচ্চারণ 'ক্ষ' কিন্তু হিন্দীতে এর উচ্চারণ হবে 'ক্ষ'-এর মতো হয়। যেমন—পরীক্ষা (পরীক্ষা)। অপেক্ষা (অপেক্ষা) ইত্যাদি।

## ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে স্বরমাত্রার যোগ

### বারহরবড়ীয়াঁ

ক	কা	কি	কী	কু	কূ	কৃ	কে	কৈ	কো	কৌ	কং	কঃ
ক	কা	কি	কী	কু	কূ	কৃ	কে	কৈ	কো	কৌ	কং	কঃ
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	खे	खै	खो	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	गे	गै	गो	गौ	गं	गः
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घृ	घे	घै	घो	घौ	घं	घः
घ	घा	घि	घী	घु	घू	घृ	घে	घै	घো	घौ	घं	घः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
च	चा	चि	ची	चु	चू	चृ	चे	चै	चो	चौ	चं	चः
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छृ	छे	छै	छो	छौ	छं	छः
छ	छा	छি	छী	छु	छू	छृ	छে	छै	छো	छौ	छं	छः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जे	जै	जो	जौ	जं	जः
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जृ	जे	जै	जो	जौ	जं	जः



अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ॠ	ऌ	ॡ	अं	अः
ख	ख़	बि	बी	बु	बू	बृ	ब्र	बै	बौ	बं	बः
ट	टा	टि	टी	टु	टू	टृ	ट्र	टै	टौ	टं	टः
ठ	ठा	ठि	ठी	ठु	ठू	ठृ	ठ्र	ठै	ठौ	ठं	ठः
ड	डा	डि	डी	डु	डू	डृ	ड्र	डै	डौ	डं	डः
ढ	ढा	ढि	ढी	ढु	ढू	ढृ	ढ्र	ढै	ढौ	ढं	ढः
क	का	कि	की	कु	कू	कृ	क्र	कै	कौ	कं	कः
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खृ	ख्र	खै	खौ	खं	खः
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गृ	ग्र	गै	गौ	गं	गः
त	ता	ति	ती	तु	तू	तृ	त्र	तै	तौ	तं	तः
थ	था	थि	थी	थु	थू	थृ	थ्र	थै	थौ	थं	थः
द	दा	दि	दी	दु	दू	दृ	द्र	दै	दौ	दं	दः
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धृ	ध्र	धै	धौ	धं	धः
न	ना	नि	नी	नु	नू	नृ	न्र	नै	नौ	नं	नः
प	पा	पि	पी	पु	पू	पृ	प्र	पै	पौ	पं	पः
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फृ	फ्र	फै	फौ	फं	फः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बृ	ब्र	बै	बौ	बं	बः



व	वा	वि	वी	वु	वू	वृ	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बृ	बे	बै	बो	बौ	बं	बः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
म	मा	मि	मी	मु	मू	मृ	मे	मै	मो	मौ	मं	मः
य	या	यि	यी	यु	यू	यृ	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
य	या	यि	यी	यु	यू	यृ	ये	यै	यो	यौ	यं	यः
र	रा	रि	री	रु	रू	रृ	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
र	रा	रि	री	रु	रू	रृ	रे	रै	रो	रौ	रं	रः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	लृ	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
ल	ला	लि	ली	लु	लू	लृ	ले	लै	लो	लौ	लं	लः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वृ	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
व	वा	वि	वी	वु	वू	वृ	वे	वै	वो	वौ	वं	वः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शृ	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
श	शा	शि	शी	शु	शू	शृ	शे	शै	शो	शौ	शं	शः
ष	षा	षि	षी	षु	षू	षृ	षे	षै	षो	षौ	षं	षः
ष	षা	ষি	ষী	ষু	ষূ	ষৃ	ষে	ষৈ	ষো	ষৌ	ষং	ষঃ
स	सा	सि	सी	सु	सू	सृ	से	सै	सो	सौ	सं	सः
स	সা	সি	সী	সু	সূ	সৃ	সে	সৈ	সো	সৌ	সং	সঃ
ह	हा	हि	ही	हु	हू	हृ	हे	है	हो	हौ	हं	हः
ह	হা	হি	হী	হু	হূ	হৃ	হে	হৈ	হো	হৌ	হং	হঃ
क्ष	क्षा	क्षि	क्षी	क्षु	क्षू	क्षृ	क्षे	क्षै	क्षो	क्षौ	क्षं	क्षः
ক্ষ	ক্ষা	ক্ষি	ক্ষী	ক্ষু	ক্ষূ	ক্ষৃ	ক্ষে	ক্ষৈ	ক্ষো	ক্ষৌ	ক্ষং	ক্ষঃ
ज्ञ	ज्ञा	ज्ञि	ज्ञी	ज्ञु	ज्ञू	ज्ञृ	ज्ञे	ज्ञै	ज्ञो	ज्ञौ	ज्ञं	ज्ञः
ज्ञ	জ্ঞা	জ্ঞি	জ্ঞী	জ্ঞু	জ্ঞূ	জ্ঞৃ	জ্ঞে	জ্ঞৈ	জ্ঞো	জ্ঞৌ	জ্ঞং	জ্ঞঃ



## পাঠ—১ (পাঠ—১)

## দুই অক্ষরों का मेल (দুই অক্ষরের মিলন)

अव (অব)—এখন।	कव (কব)—কখন	तव (তব)—তখন।
जव (জব)—যখন	कह (কহ)—বল	रख (রখ)—রাখ।
मत (মত)—না	वन (বন)—হও	फल (ফল)—ফল।
दस (দস)—দশ	चल (চল)—চলা	हल (হল)—লাঙ্গল।
डर (ডর)—ভয়	छत (ছত)—ছাদ	पर (পর)—উপরে।

## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

फल चख । (ফল চখ)। — ফল খাও। घर चल । (ঘর চল) — ঘরে চল।  
 रस रख । (রস রখ)। — রস রাখো। अब चल । (অব চল) — এখন চলো।  
 डर मत कर । (ডর মত কর)। — ভয় করিও না।  
 छत पर मत चढ़ । (ছত পর মত চড়)। — ছাদের ওপর চড়িও না।

## तीन अक्षरों का मेल (তিন অক্ষরের মিলন)

अलग (অলগ)—পৃথক	सबक (সবক)—পাঠ	सड़क (সড়ক)—পথ
डगर (ডগর)—খাল	कमल (কমল)—পদ্ম	मगर (মগর)—কিছু
बहन (বহন)—বোন	शरम (শরম)—লজ্জা	रबड़ (রবড়)—রবার
बढ़ई (বড়ই)—ছুতার	खबर (খবর)—সংবাদ	मदद (মদদ)—সাহায্য

## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

नमक रख । (নমক রখ)। — লবণ রাখ।  
 सड़क पर चल । (সড়ক পর চল)। — পথের উপর চলো।  
 नगर चल । (নগর চল)। — শহরে চলো।  
 अब डगर पर चल । (অব ডগর পর চল)। — এখন খালে চল।  
 कमल पकड़ । (কমল পকড়)। — পদ্মফুল ধরো।  
 शरम मत कर । (শরম মত কর)। — লজ্জা করিও না।

## चार अक्षरों का मेल (চার অক্ষরের মিলন)

खटमल (খটমল) — ছারপোকা। नटखट (নটখট) — দুষ্ট



বরগদ (বরগদ্) — বটগাছ

লগভগ (লগ্ভগ) — প্রায়

বচপন (বচ্‌পন্) — বাল্যকাল

কটহল (কট্‌হল্) — কাঁঠাল

পলটন (পল্‌টন্) — সৈন্য

কসরত (কস্‌রত্) — ব্যায়াম

বরতন (বর্‌তন্) — বাসন

দ্বাটপট (ব্‌ট্‌পট্) — তাড়াতাড়ি

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

দ্বাটপট চল । (ব্‌ট্‌পট্ চল্) — তাড়াতাড়ি চলো ।

বরগদ পর মত চড় । (বরগদ্ পর্‌ মত্‌ চড়্) — বটগাছে চড়িও না ।

নটখট মত বন । (নট্‌খট্ মত্‌ বন্) — দুষ্ট হইও না ।

খটমল মত পকড় । (খট্‌মল্ মত্‌ পকড়্) — ছারপোকা ধরিও না ।

কটহল চখ । (কট্‌হল্ চখ্) — কাঁঠাল খাও ।

পলটন বস । (পল্‌টন্ বন্) — সৈনিক হও ।

শালগম রখ । (শল্‌গম্ রখ্) — শালগম রাখো ।

অব কসরত কর । (অব্‌ কসরত্‌ কর্) — এখন ব্যায়াম করো ।

মান্নার্থোঁ কা প্রয়োগ (মান্নার্থোঁ কা প্রয়োগ)

আ-কা মেল (অ-কার যোগ)

আ = অ ক + আ = কা (কা)

নয়া (নয়া) - নতুন

আগ (আগ) - আগুন

ইয়াদ (ইয়াদ) - স্মরণ

কাম (কাম) - কাজ

আপ (আপ) - আপনি

বড়া (বড়া) - বড়া

আম (আম) - আম

পকা (পকা) - পাকা

সড়া (সড়া) - পচা

দবা (দওয়া) - ঔষধ

চাচা (চাচা) - কাকা

নানা (নানা) - দাদামশায়

তলাস (তলাস) - সন্ধান

বহুড়া (বহুড়া) - বাছুর

আপকা (আপকা) - আপনার

অনার (অনার) - ডালিম

কপড়া (কপড়া) - কাপড়

কলাই (কলাই) - কব্জী

জবড়া (জবড়া) - চোয়াল

খরহা (খরহা) - খরগোস

চমড়া (চমড়া) - চামড়া

সামান (সামান) - জিনিসপত্র

তাকতবর (তাকতবর) - শক্তিমান

নমকহারাম (নমকহারাম) - অকৃতজ্ঞ

টমাটর (টমাটর) - টমাটো

নাসপাতি (নাসপাতি) - ন্যাসপাতি



## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

नया कपड़ा पहन । (नया कपड़ा पहन।) — नतून कापड़ পরো।  
 आप कहाँ था ? (आप कहाँ था?) — আপনি কোথায় ছিলেন?  
 आग मत जाल । (आग मत जाल।) — আগুন জ্বেলো না।  
 सामान ला । (सामान ला।) — জিনিসপত্র আন।  
 दवा खा । (दवा खा।) — ঔষধ খাও।  
 चाचा आया । (चाचा आया।) — কাকা এসেছেন।  
 नाना आया था । (नाना आया था।) — দাদামশাই এসেছিলেন।  
 लड़का चला गया । (लड़का चला गया।) — ছেলেটি চলে গেছে।  
 सवाल मत कर । (सवाल मत कर।) — প্রশ্ন করিও না।  
 सवाल का जवाब दिया । (सवाल का जवाब दिया।) — প্রশ্নের উত্তর দিয়েছে।

## इ-का मेल (ই-কার যোগ)

इ = ि क + इ = कि (কি)

सिर (सिर) - মাথা	फिर फिर) - আবার	दिल (दिल) - হৃদয়
हारिज (हारिज) - উপস্থিত	चिड़िया (चिड़िया) - পাখী।	
किताब (किताब) - বই	तकिया (तकिया) बालिश	
सितार (सितार) - সেতার	सितारा (सितारा) - নক্ষত্র	
दिमाग (दिमाग) - মস্তিষ্ক	किसान (किसान) - কৃষক	
किधर (किधर) - কোনদিকে	नाविक (नाविक) - মাঝি	
गिरगिट (गिरगिट) - গিরগিটি	सरिता (सरिता) - নদী	
मालकिन (मालकिन) - প্রভুপত্নী	नावालिग (नावालिग) - নাবালিকা	
तबियत (तबियत) - শরীর।	नारियल (नारियल) - নারকেল	

## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

तालाव छिछला था । (तालाव छिछला था।) — পুকুরটি গভীর ছিল।  
 दिल लगाकर पढ़ । (दिल लगाकर पढ़।) — মন দিয়ে পড়ো।  
 लिफाफा ला । (लिफाफा ला।) — খাম আনো।  
 नारियल खा । (नारियल खा।) — নারকেল খাও।



কিসান জাতা থা । (কিসান জাতা থা)।—কৃষকটি যাচ্ছিল।  
 বহুড়া বহাঁ থা । (বহুড়া ওয়হাঁ থা)।—বাছুরটি ওখানে ছিল।  
 চতপর চিড়িয়া থা । (ছতপর্ চিড়িয়া থা)।—ছাদের ওপর পাখী ছিল।  
 আবাজ মত কর । (আওয়াজ মত কর)।—শব্দ করিও না।  
 মিটা কমরা সাফ কর । (মিটা কমরা সাফ কর)।—মিটা ঘর পরিষ্কার কর।

### ই-কা মেল (ঈ-কার যোগ)

দীপ (দীপ)	বাতি	খীরা (খীরা)	শশা	মালী (মালী)	মালী
হাথী (হাথী)	হাতী	পানী (পানী)	জল	তীস (তীস)	ত্রিশ
সম্মী (সম্মী)	সমস্ত	কম্মী (কম্মী)	কখনও	দহী (দহী)	দৈ
বিমারী (বিমারী)	অসুস্থ	জবানী (জওয়ানী)	যুবতী		
গীদড় (গীদড়)	শকুন	বকরী (বকরী)	ছাগী		
পপীহা (পপীহা)	পাপিয়া	তিতলী (তিতলী)	প্রজাপতি		
পপীতা (পপীতা)	পেঁপে	কড়াহী (কড়াহী)	কড়াই		
জানকী (জানকী)	সীতা	চিপকলী (চিপকলী)	টিকটিকি		
নজদীক (নজদীক)	নিকটে	মজহবী (মজহবী)	ধার্মিক		
সুনহলী (সুনহলী)	সোনালী	গাড়ীবান (গাড়ীওয়ান)	গাড়োয়ান		

### বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

খীরা লা । (খীরা লা)।—শশা আনো। পানী পী । (পানী পী)।—জল খা।  
 লড়কী গানা গাতী থী । (লড়কী গানা গাতী থী)।—মেয়েটি গান গাইছিল।  
 তিতলী উড়তী থী । (তিতলী উড়তী থী)।—প্রজাপতি উড়ছিল।  
 বীণা বিমারী থী । (ওয়িড়াঁ বিমারী থী)।—বীণা অসুস্থ ছিল।  
 জীবন বাবু মজহবী আদমী থা । (জীওয়ন্ বাবু মজহবী আদমী থা)।—জীবন বাবু ধার্মিক লোক ছিলেন।  
 পপীহা নজদীক উড়তী থী । (পপীহা নজদীক উড়তী থী)।—পাপিয়া কাছেই উড়ছিল।

গাড়ীবান গাড়ী চলাতা থা । (গাড়ীওয়ান গাড়ী চলাতা থা)।—গাড়োয়ান গাড়ী চালাচ্ছিল।

রীনা পপীতা খরিদা থা । (রীনা পপীতা খরিদা থা)।—রীনা পেঁপে কিনেছিল।



## উ-কা মেল (উ-কার যোগ)

$$उ = ॐ क + उ = कु$$

कुछ (কুছ)—কিছু	खुद (খুদ)—নিজে	गुफा (গুফা)—গুহা।
तुम (তুম)—তুমি	बुरा (বুরা)—মন্দ	दुम (দুম)—লেজ
बगुला (বগুলা)—বক	गुलाब (গুলাব)—গোলাপ	लुहार (লুহার)—কামার
तुम्हारा (তুম্হারা)—তোমার	सुनार (সুনার)—স্বর্ণকার (স্যাকরা)	
पुराना (পুরানা)—পুরাতন	कुहरा (কুহরা)—কুয়াশা	
सुअर (সুঅর)—শূকর।	बाबूल (ওয়াবুল)—বাবলা গাছ।	
खुरदरा (খুরদরা)—ধারালো	थकाहुआ (থকাহুআ)—পরিশ্রান্ত।	

## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

अब कुछ खा । (অব কুছ খা।)—এখন কিছু খাও।  
 बुरा काम मत कर । (বুরা কাম মত কর।)—মন্দ কাজ করো না।  
 लुहार काम करता था । (লুহার কাম করতা থা।)—কামার কাজ করছিল।  
 सुनार सड़क पर जाता था । (সুনার সড়ক পর জাতা থা।)—স্যাকরা পথের  
 ওপর দিয়ে যাচ্ছিল।  
 काल गुरुवार था । (কাল গুরুওয়ার থা।)—কাল বৃহস্পতিবার ছিল।  
 कमरा बहुत पुराना था । (কমরা বহুত পুরানা থা।)—ঘর খুব পুরাতন ছিল।  
 गुलाम सामान लाया । (গুলাম সামান লায়্যা।)—চাকর জিনিসপত্র এনেছে।  
 सुनार गहना लाया । (সুনার গহনা লায়্যা।)—স্যাকরা গয়না এনেছে।

## ऊ-का मेल (ऊ-कार योग)

$$ऊ = ॐ क + ऊ = कू$$

बूहा (হুহা)—ইদুর	जुता (জুতা)—জুতো
मूला (মূলা)—দোলনা	सूसा (সূসা)—খসুর
मूली (মূলী)—মূলো	ऊन (উন)—উল
मूरज (মূরজ)—সূর্য	कूँ (কুঁ)—তুলো
कपूर (কপূর)—কপূর	पालतू (পালতু)—পোষা ভূত (ভুখা)—কুখার্ত
दूसरा (দুসরা)—দ্বিতীয়	खजूर (খজুর)—খেজুর
	जखूर (জখুর)—অবশ্য
	वातुनी (বাতুনী)—বাচাল তু (তু)—তুই



## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

भालूवाला भालू नाचाता । (ভালুওয়ালা ভালু নাচাতা)।—ভালুকওয়ালা ভালুক নাচাচ্ছে।

चाकु मत पकड़ । (চাকু মত পকড়)।—চাকু ধরো না।

सूरज निकला । (সূরজ নিকলা)।—সূর্য উঠেছে।

कमरा में चूहा था । (কমরা ম়ে চূহা থা)।—ঘরে ইঁদুর ছিল।

दुकान ज़रूर जा । (দুকান্ জরুর জা)।—অবশ্যই দোকানে যাও।

जूता पहन । (জুতা পহন)।—জুতো পর।

किताब पढ़ना शुरू कर । (কিতাব্ পঢ়না শুরু কর)।—বই পড়তে আরম্ভ কর।

बातूनी मत बन । (বাতুনী মত বন)।—বাচাল হয়ো না।

भुन्ना आदमी खड़ा था । (ভুখা আদমী খড়া থা)।—ক্ষুধার্ত লোকটি দাঁড়িয়েছিল।

मीरा कपूर लायी । (মীরা কপূর লায়ী)।—মীরা কপূর এনেছে।

लड़की झूला झूलती थी । (লড়কী ঝুলা ঝুলতী থী)।—মেয়েটি দোলায় ঝুলছিল।

## कृ-का मेल (क-कार योग)

कृ = क + कृ = कृ

कृश (कृश)—रोगा	तृण (तृण)—घास	धृत (धृत)—धरा।
कृपा (कृपा)—दया	नृप (नृप)—राजा	मृग (मृग)—हरिण।
घृत (घृत)—घि	गृह (गृह)—घर	कृत (कृत)—करा
कृषक (कृषक)—चायी	कृपण (कृपण)—कृपण	वृषभ (वृषभ)—बाँटे
मृदंग (मृदंग)—मृदंग	पृथक (पृथक)—आलादा	सदृश (सदृश)—समान

## वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

कृषक हल चलाता था । (কৃষক হল চলাতাতা থা)।—কৃষক লাঙ্গল করছিল।

हृदय सामान लाया । (হৃদয় সামান লায়াতা থা)।—হৃদয় জিনিসপত্র এনেছে।

गरीब पर कृपा कर । (গরীব পর কৃপা কর)।—গরীবের প্রতি দয়া কর।

कृण मत कर । (কৃণ মত কর)।—ঋণ করো না।

कृपाण पकड़ । (কৃপাড় পকড়)।—তলোয়ার ধরো।

गृह बड़ा था । (গৃহ বড়া থা)।—ঘরটি বড় ছিল।



মৃগ আয়া থা । (মৃগ আয়া থা)।—হরিণ এসেছিল।

কৃপানাথ আয়া থা । (কৃপানাথ আয়া থা)।—কৃপানাথ এসেছিল।

### ए-का मेल (ए-कार योग)

ए = क + ए = के

खेत (খেত)—জমি	खेला (খেলা)—খেলা	चैला (চেলা)—শিষ্য
मेला (মেলা)—মেলা	केला (কেলা)—কলা	सेब (সেব)—আপেল
पेड़ (পেড়)—গাছ	मेरा (মেরা)—আমার	शेर (শের)—বাঘ
बेटी (বেটী)—মেয়ে	छेना (ছেনা)—ছানা	मेज (মেজ)—টেবিল
उसके (উসকে)—তার	सवेरा (সবেরা)—সকাল	सहेली (সহেলী)—সখী
हमेशा (হমেশা)—প্রায়ই	सफेद (সফেদ)—সাদা	मेढक (মেটক)—ব্যাঙ
नेवला (নেওলা)—নেউল		भेड़िया (ভেড়িয়া)—খাঁকশিয়াল
बेवकूफ (বেওকূফ)—বোকা		मेहतर (মেহতর)—মেথর।
मेहरबानी (মেহেরবানী)—কৃপা		बेईमान (বেইমান)—বিশ্বাসঘাতক

### वाक्य रचना (वाक्य रचना)

पेड़ पर अजगर था । (पेड़ पर अजगर था)।—গাছের উপর অজগর ছিল।

बाजार से कला लाया । (बाजार से कला लाया)।—বাজার থেকে কলা এনেছে।

मेज पर किताब रख । (मेज पर किताब रख)।—টেবিলের ওপর বই রাখ।

सवेरा हुआ । (सवेरा हुआ)।—সকাল হয়েছে।

हमारा चैला आम लाया । (हमारा चैला आम लाया)।—আমার শিষ্য আম এনেছে।

डेरा पर चल । (डेरा पर चल)।—বাসায় চলো।

रेल पर सफर कर । (रेल पर सफर कर)।—রেলে ভ্রমণ কর।

वह हमेशा आता है । (वह हमेशा आता है)।—সে প্রায়ই আসে।

### ऐ-का मेल (ऐ-कार योग)

ऐ = क + ऐ = कै

कैसा (কায়সা)—কৈমন	कैद (কায়দ)—জেলখানা	कैची (কায়চী)—কাঁচি
खैरी (খায়রী)—খয়েরী	गैती (গায়তী)—গাঁতি	पैर (পায়র)—পা
जैसा (জায়সা)—যেমন	वैसा (ওয়্যাসা)—ঐ রকম	



সৈর (সায়র)—ভ্রমণ

মैं (মায়)—আমি

বৈগন (বায়গন্)—বেগুন

জৈতুন (জায়তুন)—জলপাই

পৈজনী (পায়জনী)—নূপুর

বৈল (বায়ল)—বলদ

মৈনা (মায়না)—ময়না

তৈরনা (তায়রনা)—সাঁতার দেওয়া

গবৈয়া (গওয়ইয়া)—গায়ক

বৈচৈন (বেচায়ন্)—অজ্ঞান।

### वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

पैदल चल । (পায়দল্ চল।)—হেঁটে চলো।

मैदान में सैर कर । (মায়দান মৈঁ সায়র কর।)—মাঠে বেড়াও।

बैल घास खाता है । (বায়ল্ ঘাস খাতা হায়।)—বলদটি ঘাস খাচ্ছে।

शैलेन तैरता है । (শায়লেন তায়রতা হায়।)—শৈলেন সাঁতার দিচ্ছে।

कैची से काटा है । (কায়চী সে কাটা হায়।)—কাঁচি দিয়ে কেটেছে।

पेड़ पर मैना बैठी थी । (পেড় পর মায়না ব্যায়ঠী থী।)—গাছে ময়না বসেছিল।

वैगन ला । (বায়গন্ লা।)—বেগুন আনো।

दैनिक अखबार पढ़ो । (দ্যায়নিক অখ্‌বার পড়ো।)—দৈনিক সংবাদপত্র পড়।

### ओ-का मेल (ও-কার যোগ)

ओ = ओ क + ओ = को ।

ओर (ওর)—দিক

मोर (মোর)—ময়ূর

होठ (হোঁঠ)—ঠোঁট

धोबी (ধোবী)—ধোপা

ऊनको (উনকো)—তাহাকে

हमको (হমকো)—আমাকে

टोकरी (টোকরী)—ঝুড়ি

पतोहू (পতোহু)—পুত্রবধূ

रसोइया (রসেইয়া)—রাঁধুনি

लोग (লোগ)—লোক

गोह (গোহ)—গোসাপ

कोठी (কোঠী)—বাড়ি

घोड़ा (ঘোড়া)—ঘোড়া

इसको (ইসকো)—ইহাকে

भोतरा (ভোতরা)—ভোঁতা

कोहार (কোহার)—কুমার

खोपड़ी (খোপড়ী)—মাথার খুলি

डरपोक (ডরপোক)—ভীতু

राज (রোজ)—প্রত্যহ

रोटी (রোটি)—রুটি

थोड़ा (থোড়া)—অল্প

छोटा (ছোট্টা)—ছোট

### वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

धोबी कपड़ा काचता था । (ধোবী কপড়া কাচতা থা।)—ধোপা কাপড় কাচিতেছিল।



वह रोटी खाता है । (ওয়হ্ রোটি খাতা হায়।)—সে রুটি খাচ্ছে।  
 मोर नाच रहा है । (মোর নাচ রহা হায়।)—ময়ূর নাচ্ছে।  
 वहाँ एक लोमड़ी थी । (ওয়হাঁ এক লোমড়ী থী।)—ওখানে একটি খৈকশিয়াল  
 ছিল।

मोहन का छोटा भाई आया । (মোহন কা ছোটো ভাই আয়া।)—মোহনের  
 ছোট ভাই এসেছে।

चिड़िया बोल रही है । (চিড়িয়া বোল রহী হায়।)—পাখী ডাকছে।  
 एक टोकरी लाओ । (এক টোকরী লাও।)—একটি বুড়ি আনো।  
 वह कैची भोथरा था । (ওয়হ্ কায়চী ভোথরা থা।)—এ কাঁচিটি ভেঁতা ছিল।

### औ-का मेल (औ-कार योग)

औ = ॐ क + औ = कौ ।

कौन (कॊन्)—কে	कौआ (कॊआ)—কাক	और (अॊर्)—এবং
मौसा (मॊसा)—মেসো।	पौधा (पॊधा)—চারাগাছ	जौ (जॊ)—যব
नौ (नॊ)—নয়।	तौल (तॊल्)—ওজন	मौत (मॊत्)—মৃত্যু
सौत (सॊत्)—সতীন	नौका (नॊका)—নৌকা	चौक (चॊक्)—চমকানো
नौकर (नॊकर)—চাকর	औरत (अॊरत्)—স্ত্রীলোক	मौसम (मॊस्म)—ঋতু
खिलौना (खिॊन्ना)—খেলনা	दौलत (दॊल्त)—ধন-সম্পদ	
बिछौना (बिछॊन्ना)—বিছানা	सरौत (सरॊत्ता)—জাঁতি	
तौलिया (तॊलिया)—তোয়ালে	फौलाद (फॊल्दाद)—ইস্পাত।	
हथौड़ी (हथॊड़ी)—হাতুড়ি	चौदह (चॊद्दह)—চৌদ্দ	

### वाक्य रचना (वाक्य रचना)

छत पर कौआ बैठा था । (ছত পর কৌআ ব্যেঠা থা।)—ছাদে কাক বসেছিল।  
 नौका पर सैर कर । (নৌকা পর সায়র কর।)—নৌকায় ভ্রমণ কর।  
 नौकर बज़ार गया । (নৌকর বজার গয়া।)—চাকর বাজারে গেছে।  
 मौसी खिलौना लायी । (মৌসী খিলওনা লায়ী।)—মাসী খেলনা এনেছে।  
 यह बरसात का मौसम है । (ইয়হ্ বরসাত কা মওসম্ হায়।)—এটি বর্ষা  
 ঋতু।

राम चौदह तारिख को आएगा । (রাম চৌদ্দহ্ তারিখ কো আএগা।)—রাম  
 চৌদ্দ তারিখে আসবে।



কৌন দৌলতপুর गया? (কওন্ দওলতপুর गया?)—কে দৌলতপুর গেছে?  
লুহার हथौड़ी से काम करता था। (লুহার হথওড়ী সে কাম করত  
থা।)—কামার হাতুড়ি দিয়ে কাজ করছিল।

-কা মেল (१ [ अनुस्वार ] - যোগ)

—क + = कं

কঁধা (কন্ধা)—চিকুনী	নংগা (নংগা)—উলঙ্গ
ভাঁজা (ভান্জা)—ভাগ্নে	পঁজা (পন্জা)—পাঞ্জা
চীংটি (চিংটি)—পিঁপড়ে	চাঁচ (চোঁচ)—পাখীর চোঁট
শাঁখ (শন্খ)—শাঁখ	মাঁস (মান্স)—মাংস
পঁখা (পন্খা)—পাখা	গুঁগা (গুন্গা)—বোবা
গেঁড়া (গেন্ড়া)—আখ	ডঁক (ডন্ক)—দংশন
লঁগুর (লন্গুর)—বঁদর	পঁডুক (পন্ডুক)—পানকৌড়ি
জীংগুর (জিংগুর)—ঝিঁঝিপোকা	লংগড়া (লংগড়া)—খোঁড়া
অঁগুর (অন্গুর)—আঙ্গুর	অঁধেরা (অন্ধেরা)—অন্ধকার
পঁখুড়ী (পন্খুড়ী)—পাপড়ি	ডঁঠল (ডন্ঠল)—বৃত্ত
তুরঁত (তুরন্ত)—তাড়াতাড়ি	মহঁগা (মহন্গা)—দামী
শকরকঁদ (শকরকন্দ্)—রাঙাআলু	সতরঁজ (সতরন্জ)—দাবাখেলা

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

लाल रंग का फूल लाओ। (লাল রংগ কা ফুল লাও।)—লাল রঙের ফুল  
আনো।

गेंदा पीला रंग का होता है। (গেন্দা পীলা রংগ কা হোতা হায়।)—গাঁদা  
হলদে রঙের হয়।

जंगल में गेंडा था। (জন্গল্ মেঁ গ্যায়ন্ডা থা।)—জঙ্গলে গণ্ডার ছিল।

लंगड़ा आदमी खड़ा था। (লংগড়া আদমী খড়া থা।)—খোঁড়া লোকটি  
দাঁড়িয়েছিল।

दंगा मत कर। (দন্গা মত্ কর।)—দাঙ্গা কোর না।

कल मंगलवार था। (কল্ মন্গল্ওয়ার থা।)—কাল মঙ্গলবার ছিল।

गुलाब का पंखुड़ी लाल था। (গুলাব কা পন্খুড়ী লাল থা।)—গোলাপের  
পাপড়ি লাল ছিল।



अंधेरा हुआ । (অন্ধেরা হুয়া)।—অন্ধকার হয়েছে।

तुरंत सामान रख । (তুরন্ত সামান রখ)।—তাড়াতাড়ি জিনিসপত্র রাখো।

हंस सफेद होता है । (হন্স সফেদ হোতা হায়)।—হাঁস সাদা হয়।

°-का मेल (°[छविन्दु] - যোগ)

—क + ° = कै

आँख (আঁখ) — চক্ষু	कहाँ (কহাঁ) — কোথায়	आँधी (আঁধী) — ঝড়
वहाँ (ওয়হাঁ) — সেখানে	मुँह (মুঁহ) — মুখ	भाँह (ভাঁহ) — জ্বা
गेहूँ (গেহুঁ) — গম।	जाँघ (জাঁঘ) — জানু	साँढ़ (সাঁঢ়) — ষাঁড়
गाँव (গাঁও) — গ্রাম	ऊँट (উঁট) — উট	साँफ (সাঁফ) — মৌরী
कुआँ (কুআঁ) — কুয়া	साँझ (সাঁঝ) — সন্ধ্যা	ताँवा (তাঁওয়া) — তামা
कुआरी (কুআরী) — কুমারী		गँवार (গঁওয়ার) — গঁওয়ার
हंसुआ (হঁসুআ) — কাটারি		भूँकना (ভুঁকনা) — কুকুরের ডাক
आठवाँ (আঠওয়াঁ) — অষ্টম		काँपल (কৌপল) — মুকুল
गेहूँअन् (গেহুঁঅন) — গোথরো সাপ		एँचाताना (এঁয়াচাতানা) — টেরা

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

आप कहाँ से आया ? (আপু কহাঁ সে আয়া?) — আপনি কোথা থেকে এলেন?

वहाँ एक लड़की बैठी थी । (ওয়হাঁ এক লড়কী ব্যায়ঠী থী)। — সেখানে একটি মেয়ে বসেছিল।

ताँवा एक धातु है । (তাঁবা এক ধাতু হায়)। — তামা একটি ধাতু।

चाँद निकला है । (চাঁদ নিকলা হায়)। — চাঁদ উঠেছে।

झाड़ी में गेहूँअन् साँप है । (ঝাড়ী মৈঁ গেহুঁঅন সাঁপ হায়)। — ঝোপে গোথরো সাপ আছে।

आठवाँ पाठ पढ़ो । (আঠওয়াঁ পাঠ পড়ো)। — অষ্টম পাঠ পড়।

रामू एक गँवार आदमी है । (রামু এক গঁওয়ার আদমী হায়)। — রামু একটি গঁওয়ার লোক।

दूकान से साँफ लाओ । (দুকান্ সে সাঁফ লাও)। — দোকান থেকে মৌরী আনো।

आम का काँपल आया । (আম কা কৌপল্ আয়া)। — আমের মুকুল এসেছে।



:—কা মেল (ঃ[বিসর্গ] - যোগ)

: — ক + : = ক:

छः (ছহ্)—छय अतः (অতহ্)—अतएव पुनः (পুনহ্)—आबार  
तपः (তপহ্)—तपस्या नमः (নমহ্)—प्रणाम अधः (অধহ্)—निम्नदिक्  
दुःखी (দুহখী)—दुःखी दुःसह (দুহসহ)—दुःसह  
दःशासन (দুহশাসন)—दुःशासन निःसहाय (নিহসহায়)—सहायहीन

वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

दरवाजे पर दुःखी आदमी खड़ा है । (दरवाजे पर दुहखी आदमी खड़ा है।)—दरवाजे दुःखी लोकटि दाँड़िये आछे।

एक बात पुनः पुनः मत बोलो । (एक बात पुनह पुनह मत बोलो।)—एक एक बार बार बोलो ना।

दुःख में धीरज रखो । (दुहख में धीरज रखो।)—दुःखे धैर्य धरो।

कल छः तारीख है । (कल छह तारिख है।)—कल छय तारिख।

दुःशासन कौरव थे । (दुहशसन कौरव थे।)—दुःशासन कौरव छिलेन।

योगी तपः करता था । (योगी तपह करता था।)—योगी तपस्या करछिलेन।

अतः तुम कल आना । (अतह तुम् कल आना।)—अतएव तूमि कल आसबे।

पाठ—२ (পাঠ—২)

छोटे छोटे वाक्य (ছোট ছোট বাক্য)

मैं अभी आ रहा हूँ । (মায় অভী আ রহা হুঁ।)—আমি এখনই আসছি।

जैसी आपकी मर्जी । (জায়সী আপকী মর্জী।)—যেমন আপনার ইচ্ছা।

और कुछ? (অওর্ কুছ?)—আর কিছু?

नहीं, कभी नहीं । (নহী, কভী নহী।)—না, কখনও নয়।

इसे आपनी चीज ही समझें । (ইসে আপনী চীজ্ হী সমঝেঁ।)—একে নি জর জিনিস বলেই মনে করবেন।

साफ कीजिए, मुझे देर हो गई । (সাফ কীজিএ, মুঝে দের হো গঈ।)—সাফ করুন, আমার দেরী হয়ে গেছে।



अपने काम में मेरी मदद ले लीजिए । (आपने काम में मेरी मदद ले लीजिए ।) — আপনার কাজে আমার সাহায্য নিন ।

आप थोड़ा खिसकेंगे ? (आप थोड़ा खिसकेंगे ?) — আপনি একটু সরবেন ?  
बड़े दुःख का समाचार । (बड़े दुःख का समाचार ।) — খুবই দুঃখের সংবাদ ।  
फटाफट करिए । (फटाफट करिए ।) — তাড়াতাড়ি করুন ।

कितने अपमान की बात है । (कितने आपमान की बात है ।) — কি

অপমানের কথা ।

उसकी इतनी हिम्मत ? (उसकी इतनी हिम्मत ?) — তার এতো সাহস ?

भगवान को लाख शुक्र है । (भगवान को लाख शुक्र है ।) — ভগবানকে

লক্ষবার ধন্যবাদ ।

इधर आओ । (इधर आओ ।) — এদিকে এসো ।

उधर देखो । (उधर देखो ।) — ওদিকে দেখ ।

पास आओ । (पास आओ ।) — কাছে এসো ।

उपर जाओ । (उपर जाओ ।) — ওপরে যাও ।

धीरे चलो । (धीरे चलो ।) — ধীরে হাঁটো ।

तुरंत आओ । (तुरंत आओ ।) — তাড়াতাড়ি এসো ।

तैयार हो जाओ । (तैयार हो जाओ ।) — প্রস্তুত হয়ে পড়ো ।

मत भूलो । (मत भूलो ।) — ভুলো না ।

मुझे मत सताओ । (मुझे मत सताओ ।) — আমাকে কষ্ট দিও না ।

फिर कोशिश करो । (फिर कोशिश करो ।) — আবার চেষ্টা কর ।

वह कभी कभी यहाँ आता है । (वह कभी कभी यहाँ आता है ।) — সে

কখনও কখনও এখানে আসে ।

यही किताब मुझे चाहिए । (यही किताब मुझे चाहिए ।) — এই বই আমার চাই ।

रमला उसी किताब को पढ़ रही है ? (रमला उसी किताब को पढ़ रही है ?) — রমলা ঐ বইটিই পড়ে ?

नहीं, वह दूसरी किताब है । (नहीं, वह दूसरी किताब है ।) — না, ওটা অন্য বই ।

राम कल आएगा । (राम कल आएगा ।) — রাম কাল আসবে ।



তুমি कहाँ जाओगे ? (তুমি कहाँ जाओगे?)—তুমি কোথায় যাবে?  
आज मैं हंगली जाऊंगा । (আজ मैं हंगली जाऊंगा।)—আজ আমি হংলী  
যাবো।

तुम भी हमारा साथ जाओगे ? (তুমি भी हमारा साथ जाओगे?)—তুমিও  
আমার সঙ্গে যাবে?

पतोहू कब आयी ? (पतोहू कब आयी?)—পূর্ববধূ কবে এসেছে?  
अब अंधेरा हो गयी । (अब अंधेरा हो गयी।)—এখন অন্ধকার হয়ে গেছে।  
स्वपन सुबह उठता है । (स्वपन सुबह उठता है।)—স্বপন সকালে ওঠে।  
नरेश पिताजी का बात मानता है । (नरेश पिताजी का बात मानता है।)—नरेश बाबा की बात मानता है । (नरेश बाबा की बात मानता है।)—नरेश बाबा की बात मानता है ।

शीला माताजी की बात मानती है । (शीला माताजी की बात मानती है।)—शीला माताजी की बात मानती है ।

### पाठ — ३ (पाठ—३)

युक्ताक्षर (युक्ताक्षर)

हिन्दी वर्णमालার ব্যঞ্জনবর্ণগুলিকে তিনটি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। (১) শেষে  
দাঁড়ি যুক্ত বর্ণ, (২) মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ এবং (৩) দাঁড়ি বিহীন। এদের মধ্যে শেষে  
দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো—ख, ग, न ইত্যাদি।

মাঝে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলি হলো—क, झ এবং फ ।

দাঁড়িবিহীন বর্ণগুলি হলো—छ, ट, व ।

हिन्दी वर्णमालায় শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণ হলো মোট একশটি। যেমন—ख, ग, घ, च,  
ज, झ, ध, ण, ल, थ, न, प, ब, भ, म, य, र, व, श, ष এবং स ।

উপরোক্ত শেষে দাঁড়িযুক্ত বর্ণগুলির সঙ্গে অপর কোনও বর্ণ যুক্ত করতে হলে,  
শেষের দাঁড়ি তুলে দিয়ে অন্য বর্ণ যুক্ত করতে হয়। যেমন—ख + त = खत, ग +  
म = गम, च + च = चच, ज + छ = जछ, ण + ड = णड ইত্যাদি।

আবার যে সব ব্যঞ্জনবর্ণের মাঝে দাঁড়ি আছে, তাদের সংখ্যা মাত্র তিনটি; সে কথা  
আগেই বলা হয়েছে। এর মধ্যে ‘झ’-এর কোনও যুক্তাক্ষর হয় না। কেবলমাত্র ‘छ’



ক

এবং 'ফ'-এর যুক্তাক্ষর হয়। আবার 'ক'-এর মাত্র একটি, তাও আবার নিজের সঙ্গে যুক্ত হয়। এই দুটি ব্যঞ্জনবর্ণের শেষাংশ বাদ দিয়ে যুক্তাক্ষর করতে হয়। যেমন—  
ক+ক = ক্ক, = পকা (পকা)—পাকা।

ক + য = ক্য — ক্যা (ক্যায়া)—কি

কয়ারী (কেয়ারী)—আল, সাজানো।

ক + ল = কল—কলেশ (ক্লেশ)—কষ্ট কল্যাস (ক্লাস)—শ্রেণী।

ক + শ = কশ—নবশা (নকশা)—মানচিত্র।

ক + স = কস—নুকস (নুঙ্গ)—ক্রটি।

ফ + ত = ফত—দফতর (দফতর)—অফিস।

দাঁড়ি বিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ হলো, মোট—নয়টি। যেমন—ক, ক্ত, ট, (ব), ভ, ত, দ, হ এবং র।

এর মধ্যে 'র' ব্যঞ্জনবর্ণটি অন্যভাবে যুক্ত হয়ে থাকে। যেমন—'র' (র) যদি প্রথম বর্ণ হয়, তাহলে (ʳ) রেফ আকারে পরিবর্তিত হয়ে পরবর্তী বর্ণের মাথায় বসে। যেমন—

র + ক = র্ক—তর্ক (তর্ক)—তর্ক

ফর্ক (ফর্ক)—তফাৎ

র + প = র্প—সর্প (সর্প)—সাপ।

অর্পণ (অর্পণ)—দান করা।

র + ম = র্ম—শর্ম (শর্ম)—লজ্জা।

পর্ব (পর্ব)—পর্ব।

র + ব = র্ব—সর্ব (সর্ব)—সব

গর্ব (গর্ব)—গর্ব।

আবার 'র' (র) দ্বিতীয় বর্ণ হলে শেষ ব্যঞ্জনবর্ণের নীচে (^) র-ফলা হয়ে যুক্ত হয়। এই র-ফলা দাঁড়িযুক্ত বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—

ক + র = ক্র—চক্র (চক্র)—চাকা

ম + র = ম্র—উম্র (উম্র)—বয়স

ব + র = ব্র—ব্রত (ব্রত)—ব্রত

প + র = প্র—প্রাণ (প্রাণ)—প্রাণ

আবার এই র-ফলা দাঁড়িহীন ব্যঞ্জনবর্ণের সঙ্গে তীরের ফলার মতো নিচে যুক্ত হয়। যেমন—

দ + র = দ্র—ভদ্র (ভদ্র)—ভদ্র

ট + র = ট্র—ট্রাম (ট্রাম)—ট্রামগাড়ী

আবার 'র' (র) আটটি দাঁড়িবিহীন ব্যঞ্জনবর্ণ অন্যান্য বর্ণের সঙ্গে নিম্নরূপে যুক্ত হয়। যেমন—  
ব্যক্তি (অন্যান্য)



ড + ক = ড় = অঙ্ক (অঙ্ক)      ড + খ = ড় = ড় (শঙ্খ)  
 ড + গ = ড় = গড় (গড়া)      চ + চ = চ্চ = অচ্চ (অচ্চা) — ভালো  
 ট + ট = ট্ = পটী (পটী) — পটি      খট্টা (খট্টা) — টক  
 ট + ঠ = ট্ = চিটী (চিটী) — চিঠি      ড + ড = ড় = গুড়ী (গুড়ী) — ঘুড়ি  
 ড + ড = ড় = বুড়ী (বুড়ী) — বুড়া      ট + য = টয় = নাটয় (নাটয়) — নাটক  
 ঠ + য = ঠয় = পাঠয় (পাঠা) — পাঠ      দ + দ = দ্ = গদী (গদী) — গদী  
 দ + ব = দ্ব = দ্বার (দ্বার) — দরজা      দ + ধ = দ্ধ = যুদ্ধ (ইয়ুদ্ধ) — যুদ্ধ  
 ল + য = ল্য = মাল্য (মাল্য) — মালা      দ + ভ = দ্ব = উদ্ভব (উদ্ভব) — উদ্ভব  
 হ + ম = হ্ম = ব্রাহ্মণ (ব্রাহ্মণ) — ব্রাহ্মণহি + ব = হ্ = জিহ্বা (জিহ্বা) — জিহ্বা  
 হ + র = হ্র = হাস (হাস)      হ + য = হ্য = লেহ্য (লেহ্য) — লেহ

আবার কতকগুলি যুক্তাক্ষর নিম্নরূপে লেখা হয়। যেমন—

ক + ষ = ক্‌ষ = পক্ষ (পক্ষ) — পক্ষ      কক্ষা (কক্ষা) — শ্রেণী  
 জ + ঞ = জ্ঞ = জ্ঞান (গেয়ান) — জ্ঞান বিজ্ঞান (ওয়িগ্যান) — বিজ্ঞান  
 ত + র = ত্র = পাত্র (পাত্র) — পাত্র      ছাত্র (ছাত্র) — ছাত্র  
 শ + র = শ্র = শ্রমিক (শ্রমিক) — শ্রমিক      শ্রীমান (শ্রীমান) — শ্রীমান  
 যদি তিনটি ব্যঞ্জনবর্ণ একসঙ্গে যুক্ত হয়। তাদের যুক্তরূপ হয় নিম্ন প্রকার।

যেমন—

ঘ + ড + য = ড্‌য় = উল্‌ড্‌য় (উল্‌ড্‌য়)।  
 জ + জ + ব = জ্‌ব = উজ্‌ব (উজ্‌ব)  
 ন + ধ + য = ন্‌ধ্য = সন্‌ধ্যা (সন্‌ধ্যা) — সন্ধ্যা  
 ন + ত + র = ন্‌ত্র = যন্‌ত্র (ইয়ন্‌ত্র) — যন্ত্র      সম্‌শ্রম (সম্‌শ্রম) — সম্ভ্রম  
 ষ + ট + র = ষ্‌ট্র = রাষ্ট্র (রাষ্ট্র) — রাষ্ট্র  
 স + ত + র = স্‌ত্র = অস্‌ত্র (অস্‌ত্র)

### পাঠ—৪ (পাঠ—৪)

ব্যবহারিক শব্দাবলী (ব্যবহার্য শব্দসমূহ)

আত্মীয় (আত্মীয়)

পিতা (পিতা) — বাবা

মাতা (মাতা) — মা

ভাই (ভাই) — ভাই

বোন (বোন) — বোন



ছোট্টা ভাই (ছোট্টা ভাই)—ছোট ভাই	
ছোট্টা বহন (ছোট্টা বহন)—ছোট বোন	
বেটা (বেটা)—ছেলে	বেটি (বেটি)—মেয়ে
চাচা (চাচা)—কাকা	চাচী (চাচী)—কাকী
দাদা (দাদা)—ঠাকুরদা	দাদী (দাদী)—ঠাকুরমা।
তাऊ (তাউ)—জ্যেঠা	তাই (তাই)—জ্যেঠাইমা
বড় ভাই (বড় ভাই)—বড় দাদা	ভাभी (ভাভী)—বৌদি
বড়ী বহন (বড়ী বহন)—বড় বোন	জীজাজী (জীজাজী)—বড় ভগ্নীপতি
নানা (নানা)—দাদামশায়	নানী (নানী)—দিদিমা
মৌসা (মওসা)—মেসো	মৌসী (মওসী)—মাসী
ফুফা (ফুফা)—পিসে	ফুফী (ফুফী)—পিসি
ভানজা (ভানজা)—ভাগনা	ভানজী (ভানজী)—ভাগ্নী
শশুর (শশুর)—শশুর	সাস (সাস)—শাশুড়ী
সাল্লা (সাল্লা)—শালক	দামাদ (দামাদ)—জামাই
পোতা (পোতা)—নাতি, পৌত্র, দৌহিত্র	
পোতী (পোতী)—নাতনী, পৌত্রী, দৌহিত্রী	
পতোহু (পতোহু)—পুত্রবধূ	রিস্তেদার (রিস্তেদার)—আত্মীয়-স্বজন

## शरीर के अंग (শরীর কে অংগ)

দেহের অঙ্গ-প্রত্যঙ্গ

বদন (বদন)—শরীর	সির (সির)—মাথা
গরদন (গরদন)—গলা	খোপড়ী (খোপড়ী)—মাথার খুলি
দিমাগ (দিমাগ)—মস্তিষ্ক	আঁখ (আঁখ)—চক্ষু
ভৌহ (ভৌহ)—জ	বাল (বাল)—চুল
নাক (নাক)—নাক	কান (কান)—কান
গাল (গাল)—গাল	হাঁঠ (হাঁঠ)—ঠোঁট
কন্ধ্যা (কন্ধ্যা)—কাঁধ	ছাতী (ছাতী)—বুক
স্তন (স্তন)—স্তন	ফেফড়া (ফেফড়া)—ফুসফুস



হৃদয় (হৃদয়)—হৃদয়  
 বাঁহ (বাঁহ)—বাহ (সম্পূর্ণ হাত)  
 হথেলী (হথেলী)—হাতের তালু  
 কুহনী (কুহনী)—কনুই  
 পেট (পেট)—পেট, উদর  
 জাঁঘ (জাঁঘ)—উরু  
 কমর (কমর)—কোমর  
 হড্ডী (হড্ডী)—হাড়  
 নাখুন (নাখুন)—নখ  
 এড়ী (এড়ী)—গোড়ালী

রোড় (রীড়)—মেরুদণ্ড  
 হাথ (হাথ)—হাত।  
 কলাই (কলাই)—হাতের কব্জী  
 ঙ্গলী (উংগলী)—আঙুল  
 পৈর (পায়র)—সমস্ত পা।  
 ঘুটনা (ঘুটনা)—হাঁটু  
 নিতম্ব (নিতম্ব)—পাছা  
 নস (নস)—নাড়ি  
 পলক (পলক)—চোখের পাতা  
 খুন (খুন)—রক্ত

ফল (ফল)—ফল

আম (আম)—আম  
 আঁবলা (আঁওয়লা)—আমলকী  
 কেলা (কেলা)—কলা  
 কটহল (কট্‌হল)—কাঁঠাল  
 খজুর (খজুর)—খেজুর  
 জৈতুন (জায়তুন)—জলপাই  
 পপীতা (পপীতা)—পেঁপে  
 নীঁবু (নীঁবু)—লেবু  
 সন্তরা (সন্তরা)—কমলালেবু  
 সব্দা (সওয়েদা)—সবেদা  
 খীরা (খীরা)—শসা

অংগুর (অংগুর)—আঙুর  
 অমরুদ (অমরুদ)—পেয়ারা  
 কিসমিস (কিস্মিস)—কিস্মিস  
 খরবুজা (খরবুজা)—খরমুজ  
 জামুন (জামুন)—জাম  
 তরবুজ (তরবুজ)—তরমুজ  
 নাসপাতি (নাসপাতি)—নাসপাতি  
 সেব (সেব)—আপেল  
 সীতাফল (সীতাফল)—আতা  
 লীচু (লীচু)—লিচু  
 গেণ্ডা (গেণ্ডা)—আখ

ফুল (ফুল)—ফুল

গুলাব (গুলাব)—গোলাপ  
 কনের (কনের)—করবী  
 চম্পা (চম্পা)—চাঁপা  
 কোপল (কোঁপল)—মুকুল, কলি

কমল (কমল)—পদ্ম  
 জুহী (জুহী)—যুঁই  
 গেণ্ডা (গেণ্ডা)—গাঁদা  
 পংখুডী (পনখুডী)—পাপড়ি



## গাছ (গাছ)—গাছ

পেড় (পেড়)—বড় গাছ

পৌধা (পওধা)—চারাগাছ

ডাল (ডাল)—শাখা

পত্ता (পত্ता)—পাতা

জড় (জড়)—শিকড়

পিপল (পিপল)—অশ্বথ গাছ

বরগদ (বরগদ)—বটগাছ

বাবুল (ওয়াবুল)—বাবলা গাছ

তাড় কা পেড় (তাড় কা পেড়)—তালগাছ।

চায় কা পৌধা (চায় কা পওধা)—চা গাছ।

নারিয়ল কা পেড় (নারিয়ল কা পেড়)—নারিকেল গাছ।

## জানবর (জানওয়ার)—জানোয়ার

গায় (গায়)—গাই গরু

বৈল (বায়ল)—বলদ

বল্লেড়া (বলেড়া)—বাছুর

বকরী (বকরী)—ছাগী

ভেড়িয়া (ভেড়িয়া)—ভেড়া, মেঘ।

ভৈস (ভায়স)—মহিষ

বকরা (বকরা)—ছাগ

ঘোড়া (ঘোড়া)—ঘোড়া

কুত্তা (কুত্তা)—কুকুর

কুতিয়া (কুতিয়া)—কুকুরী

বিল্লী (বিল্লী)—বেড়াল

গদহা (গদহা)—গাধা

সুআর (সুওর)—শূকর

উঁট (উঁট)—উট

হিরণ (হিরণ)—হরিণ

হাথী (হাথী)—হাতী

খরহা (খরহা)—খরগোষ

নেবলা (নেওয়লা)—নেউল

সিয়ার (সিয়ার)—শিয়াল

লোমড়ী (লোমড়ী)—খেকশিয়াল

শর (শের)—বাঘ

ভালু (ভালু)—ভালুক

গৈন্ডা (গায়ন্ডা)—গণ্ডার

লংগুর (লংগুর)—বাঁদর

চুহা (চুহা)—বড় ইঁদুর

মুসা (মুসা)—নেংটি ইঁদুর

## সরীসৃপ (সরীসৃপ)—সরীসৃপ

সাঁপ (সাঁপ)—সাপ

কেচুআ (কেঁচুআ)—কেঁচো

গিরগিট (গিরগিট)—গিরগিটি

ছিপকিলী (ছিপকিলী)—টিকটিকি

গোহ (গোহ)—গোসাপ

কছুআ (কছুআ)—কচ্ছপ

মেটক (মেটক)—ব্যাঙ

বিচ্ছু (বিচ্ছু)—বিছা



পঁচী (পন্থী)—পাখী

পঁচী, চিড়িয়া (পন্থী, চিড়িয়া)—পাখী	কবুতর (কবুতর)—পায়রা
কোয়ল (কোয়ল)—কোকিল	কৌআ (কওয়া)—কাক
কঠফোড়বা (কঠফোড়ওয়া)—কাঠঠোকরা	
বক্তক (বক্তক)—হাঁস	বক্তকী (বক্তকী)—হংসী
চমগাদড় (চমগাদড়)—চামচিকা	গীধ (গীধ)—শকুন
মোর (মোর)—ময়ূর	মোরনী (মোরনী)—ময়ূরী
বগুলা (বগুলা)—বক	মৈনা (মায়না)—ময়না
সুগা (সুগা)—টিয়া	তোতা (তোতা)—তোতা
পাপীহা (পাপীহা)—পাপিয়া	মচ্ছরগা (মচ্ছরগা)—মাছরাঙা

রং (রংগ)—বর্ণ

সফেদ (সফেদ)—সাদা	কাল (কাল)—কালো
লাল (লাল)—লাল	গুলাবী (গুলাবী)—গোলাপী
নারংগী (নারংগী)—কমলা	নীলা (নীলা)—নীল
ধূরা (ধূরা)—খাকী	পীলা (পীলা)—হলদে
হরা (হরা)—সবুজ	সুনহলা (সুনহলা)—সোনালী
বৈগনী (বায়গনী)—বেগুনী	বিবিধ বর্ণ (ওয়িবিধ ওয়রঙ)—বিবিধ বর্ণ

স্বাদ (সওয়াদ)—আশাদ

মীঠা (মিঠা)—মিষ্ট।	খট্টা (খট্টা)—টক
চটপটা (চটপটা)—খাল	তীখা (তীখা)—তীক্ষ্ণ
খারা, নমকীন (খারা, নমকীন)—নোনতা	কড়ুয়া (কড়ুয়া)—তিক্ত, কটু

কীড়ে-মক্কোড়ে (কীড়ে-মক্কোড়ে)—কীট-পতঙ্গ

চীটি (চিটি)—পিঁপড়া	মচ্ছর (মচ্ছর)—মশা
খটমল (খটমল)—ছারপোকা	তেলচিট্টা (তেলচিট্টা)—আরশুলা
জীগুর (জীনগুর)—বিবীপোকা	জুগনু (জুগনু)—জোনাকী
তিতলী (তিতলী)—প্রজাপতি	মকখী (মকখী)—মাছি



मकड़ा (मकड़ा)—मकड़सा  
फतिंगा (फतिंगा)—फड़िङ

भौरा (भँउरा)—भमर  
मधु मक्खी (मधु-मक्खी)—मोमाहि

### तरकारियां (तरकारियाँ)—शाक-सब्जी

आलू (आलू)—आलू  
बैंगन (बायंगन)—बेगुन  
चचीड़ा (चचीड़ा)—चिचिस्त्रा  
भीण्डि (भीड़ुंडि)—ट्यांडस  
घिया (घिया)—लाउ  
टमाटर (टमाटर)—टमाटो  
फुलगोभी (फुलगोभी)—फुलकपि  
कुंडहा (कुँडहा)—कुमड़ा  
प्याज (प्याज)—पैय़ाज  
अदरक (अदरक)—आदा  
छिम्मी (छिम्मी)—सिया

परवल (परवलय)—पटल  
मूली (मूली)—मूलो  
गाजर (गाजर)—गाजर  
करेला (करेला)—करला  
पेठा (पेठा)—चालकुमड़ा  
शलगम (शलंगम)—शालगम  
बंदगोभी (बन्दगोभी)—बांधाकपि  
सैजन (सायजन)—सजिना  
लहसुन (लहसुन)—रसुन  
इमली (इमली)—टेंडुल  
शकरकन्द (शकरकन्द)—रांडाआलू

### मसाल्ला (मसाल्ला)—मसाला

अरहर दाल (अरहर दाल)—अड़हर डाल  
उड़द दाल (उड़द दाल)—बिरि डाल  
मुंग दाल (मुंग दाल)—मुग डाल  
चना (चना)—छेला  
सरसों (सरसों)—सरबे  
सौंफ (सँउफ़)—मौरी  
तिल (तिल)—तिन  
साबुदाना (साबुदाना)—साबू  
नमक (नमक)—नवग  
शहद (शहद)—मधु  
अज्वायन (अज्वायन)—जुयान  
कड़ैया तेल (कड़ैया तेल)—सरसैर तेल  
मिट्टी का तेल (मिट्टी का तेल)—केरोसिन

हल्दी (हल्दी)—हलूद  
धनिया (धनिया)—धने  
मुंगफली (मुंगफली)—चीनावानाम  
मेथी (मेथी)—मेथी  
मिर्च (मिर्च)—मरिच  
इलायची (इलायची)—एलाच  
लौंग (लौंग)—लवङ्ग  
सुखा मिर्चा (सुखा-मिर्चा)—शुक्नो लक्का  
गुड़ (गुड़)—गुड़  
खैर (खायर)—खैर

## खाने पीने की चीजें (खाने पीने की चीजें)

बादाबस्तु समूह

चावल (चावल)—चाल	भात (भात)—भात	गेहूँ (गेहूँ)—गम
रोटी (रोटी)—रुटि	चपाती (चपाती)—रुटि	पुरी (पुरी)—लुटि
दाल (दाल)—डाल	भाजी (भाजी)—भाजा	सब्जी (सब्जी)—तरकारी
दही (दही)—दही	चटनी (चटनी)—चाटनी	मक्खन (मक्खन)—माखन
मट्ठा (मट्ठा)—घोल	दुध (दुध)—दुध	छैना (छैना)—छाना
खीर (खीर)—पायस	खिचड़ी (खिचड़ी)—खिचुड़ि	
पुलाव (पुलाव)—पोलाव		
मछली (मछली)—माछ	मांस (मांस)—मांस	अंडा (अंडा)—डिम
अचार (अचार)—आचार	मिठाई (मिठाई)—मिठाई	
रसगुल्ला (रसगुल्ला)—रसगोला		

बीमारियाँ (बीमारियाँ)—बायिसमूह

बुखार (बुखार)—झर	जुकाम (जुकाम)—सर्दि
खाँसी (खाँसी)—काशि	छाजन (छाजन)—चर्मरोग
अजीर्ण (अजीर्ण)—बदहजम	दमा (दमा)—हाँपानी
बवासीर (बवासीर)—अर्ष	अतिसार (अतिसार)—उदरामय
काली खाँसी (काली खाँसी)—शुकनो काशि	फुंसी (फुंसी)—ब्रण
कृमि (कृमि)—कृमि	लु-लगाना (लु-लगाना)—लु-लागा
खूजली (खूजली)—चुलकानी	बमन (बमन)—बमि
चाँट (चाँट)—आघात	चक्रर आना (चक्रर आना)—माथाघोरा
अपस्मार (अपस्मार)—गुगी	आँख दुखना (आँख दुखना)—चक्षुरोग
लकवा (लकवा)—पक्षाघात	कोड़ (कोड़)—कुष्ठ
विषमन्त्र (विषमन्त्र)—म्यानेरिया	पेचिस (पेचिस)—आमाशय
हैजा (हैजा)—कलेरा	चेचक (चेचक)—बसन्त
मधुमेह (मधुमेह)—बहमूर	केंचुआ (केंचुआ)—कृमि
बमन (बमन)—बमि	आँख आना (आँख आना)—चक्षु उठा

जाति विषयक (जाति विषयक)—जाति समूह

हिन्दु (हिन्दु)—हिन्दू	मुसलमान (मुसलमान)—मुसलमान
------------------------	---------------------------



কিসান (কিসান)—কৃষক  
 কুম্হার (কুম্হার)—কুম্ভার  
 ঠঠেরা (ঠঠেরা)—কাঁসারী  
 জুলাহা (জুলাহা)—তাঁতী  
 সৈনিক (সায়নিক)—সৈনিক  
 ধোবী (ধোবী)—ধোপা  
 চঁডাল (চন্ডল)—চাঁড়াল

লোহার (লোহার)—কামার  
 সুনার (সুনার)—স্বর্ণকার  
 বড়ই (বড়ই)—ছুতার  
 মল্লুআ (মল্লুআ)—জেলে  
 নাই (নাই)—নাপিত  
 চমার (চমার)—মুচি  
 ভাংগী (ভাংগী)—মেথর

### ঘর কা সামান (ঘর কা সামান) গৃহস্থালীর দ্রব্য

ঘর (ঘর)—ঘর  
 ইমারত (ইমারত)—পাকা বাড়ী  
 দীবার (দীওয়ার)—দেওয়াল  
 ছত (ছত)—ছাদ

গুসলখানা (গুসলখানা)—শ্রানের ঘর

ভঁডার (ভন্ডার)—ভাঁড়ার শোনে কা কমরা (শোনে কা কমরা)—শয়নঘর

টটী (টটী)—পায়খানা

খিড়কী (খিড়কী)—জানালা

কিরায়ে কা মকান (কিরায়ে কা মকান)—ভাড়াটে বাড়ি

অংগীঠী (অনগীঠী)—উনুন

দিয়া (দিয়া)—প্রদীপ

ঢকন (ঢকন)—ঢাকনা

মুলা (মূলা)—দোলনা

পলংগ (পলংগ)—পালঙ্ক

তকিয়া (তকিয়া)—বালিশ

চটাই (চটাই)—মাদুর

আইনা (আইনা)—আয়না

প্যালা (প্যালা)—পেয়ালা

খিলৌনা (খিলুনা)—খেলনা

আরাম কুর্সী (আরাম কুর্সী)—আরাম কেদারা

কিলা (কিলা)—দুর্গ

ছোঁপড়ী (ছোঁপড়ী)—কুঁড়েঘর

কমরা (কমরা)—কক্ষ

রসোইখানা (রসোইখানা)—রান্নাঘর

গোদাম (গোদাম)—গুদাম

দরওয়াজা (দরওয়াজা)—দরজা

বগীচা (বগীচা)—বাগান

কড়াহী (কড়াহী)—কড়াই

চলনী (চলনী)—চালুনী

কীল (কীল)—পেরেক

খাট (খাট)—খাট

বিছৌনা (বিছুনা)—বিছানা

দরি (দরি)—সতরঞ্চি

চারপাই (চারপাই)—খটিয়া

কন্ধী (কন্ধী)—চিরুনী

রস্‌সী (রস্‌সী)—দড়ি

গুড়িয়া (গুড়িয়া)—পুতুল

কুর্সী (কুর্সী)—চেয়ার  
মেজ (মেজ)—টেবিল  
পংখ (পনখ)—পাখা  
झाड़ु (ঝাড়ু)—ঝাড়ু, ঝাঁটা  
बरतन (বরতন)—বাসন  
थाली (থালী)—থাল  
कटोरा (কটোরা)—বাটি  
चक्की (চক্কী)—যাঁতা  
सन्दुक (সন্দুক)—সিন্দুক  
गद्दा (গদ্দা)—গদি  
चद्दर (চদ্দর)—চাদর  
धोती (ধোতী)—ধুতি  
परदा (পরদা)—পরদা  
टोपी (টোপী)—টুপী  
चुला (চুলা)—উনুন  
कीचड़ (কীচড়)—কাদা  
पुआल (পুআল)—খড়

तसवीर (তস্‌ওরী)—ছবি  
चाभी (চাভী)—চাবি, কুন্‌জী  
कंगी (কান্‌গী)—কঙ্কন  
तशतरी (তশ্‌তরী)—রেকাব  
गिलास (গিলাস)—গেলাস  
केतली (কেতলী)—কেটলী  
पेटी (পেটী)—ট্রাংক  
तौलिया (তওলিয়া)—তোয়ালে  
रजाई (রজাই)—লেপ  
कामिज (কামিজ)—জামা  
साड़ी (সাড়ী)—শাড়ি  
चप्पल (চপ্পল)—চটি জুতা  
मच्छरदान (মচ্ছরদান)—মশারী  
बालू (বালু)—বালি  
खपरैल (খপ্‌রায়ান)—টালি  
कुँआ (কুঁআ)—কুয়া

### शिक्षा विषयक (शिक्षा णयिक) — शिक्षा विषयक

किताब (কিতাব)—বই  
कलम (কলম)—কলম  
दवात (দওয়াত)—দোয়াত  
कक्षा (কক্‌ষা)—শ্রেণী  
बंगला (বংগলা)—বাংলা  
अंग्रेजी (অংগ্রেজী)—ইংরাজী  
इतिहास (ইতিহাস)—ইতিহাস  
गणित (গণিত)—অঙ্ক  
हस्ताक्षर (হস্তাক্ষর)—হস্তাক্ষর  
शिक्षक (শিক্‌ষক)—শিক্ষক

कापी (কাপী)—খাতা  
पेंसिल (পেন্সিল)—পেন্সিল  
स्याही (সয়াহী)—কালি  
विद्यालय (ওয়িদইয়ালয়)—বিদ্যালয়  
हिन्दी (হিন্দী)—হিন্দী  
विज्ञान (ওয়িজ্ঞান)—বিজ্ঞান  
भूगोल (ভূগোল)—ভূগোল  
हिसाब (হিসাব)—হিসাব  
छुट्टी (ছুট্টী)—ছুটি  
अखबार (অখ্‌ওয়ার)—সংবাদপত্র



## যান-বাহন (ইয়ান-বাহন)—যান-বাহন

বৈলগাড়ী (বায়লগাড়ী)—গরুরগাড়ি।	ডুলী (ডোলী)—ডুলী, পালকী
টংগা (টংগা)—একাগাড়ি	সাইকল (সাইকল)—সাইকেল
মোটর (মোটর)—মোটর	বস (বস)—বাস
রিক্স (রিক্স)—রিক্সা	নাব (নাও)—নৌকা।
রেল (রেল)—রেল	জাহাজ (জাহাজ)—জাহাজ
হবাই জাহাজ (হওয়াই জাহাজ)—এরোপ্লেন	
ঘোড়া গাড়ী (ঘোড়া গাড়ী)—ঘোড়ার গাড়ী	

## মহিনों के नाम (মহিনৌ কে নাম)—মাসের নাম

বৈশাখ (ওয়ায়াশাখ)—বৈশাখ	জেঠ (জেঠ)—জ্যৈষ্ঠ
অষাঢ় (অষাঢ়)—আষাঢ়	শ্রাবন (শ্রাবন)—শ্রাবণ
ভাদ্রা (ভাদ্রা)—ভাদ্র	ক্যার (কওয়ার)—আশ্বিন
কার্তিক (কার্তিক)—কার্তিক	অগ্রহণ (অগ্রহণ)—অগ্রহায়ণ
পুষ (পুষ)—পৌষ	মাঘ (মাঘ)—মাঘ
ফাল্গুন (ফাল্গুন)—ফাল্গুন	চৈত (চায়ত)—চৈত্র

## अंग्रेजी महिनों के नाम (অংগ্রেজী মহিনৌ কে নাম) ইংরাজী মাসের নাম

জানবরী (জানওয়ারী)—জানুয়ারী	ফরবরী (ফরওয়ারী)—ফেব্রুয়ারী
মার্চ (মার্চ)—মার্চ	অপ্রিল (অপ্রায়ল)—এপ্রিল
মই (মই)—মে	জুন (জুন)—জুন
জুলাই (জুলাই)—জুলাই	অগস্ট (অগস্ট)—আগস্ট
সিতম্বর (সিতম্বর)—সেপ্টেম্বর	অক্টবর (অকটুবর)—অক্টোবর
নবম্বর (নওম্বর)—নভেম্বর	দিসম্বর (দিসম্বর)—ডিসেম্বর

## वार का नाम (বার কা নাম)—বারের নাম

এতবার (এতওয়ার)—রবিবার	সোমবার (সোমওয়ার)—সোমবার
মংলবার (মংলওয়ার)—মঙ্গলবার	বুধবার (বুধওয়ার)—বুধবার
গুরুবার (গুরুওয়ার)—বৃহস্পতিবার	শুক্ৰবার (শুক্ৰওয়ার)—শুক্রবার
শনিবার (শনিচর)—শনিবার	

পাঠ—৭ (পাঠ—৫)

বিবিধ শব্দ (ওয়িবিধ শব্দ)—বিবিধ শব্দ

অন্দর (অন্দর)—ভিতরে	বাহর (বাহর)—বাইরে
নজদীক (নজদীক)—নিকটে	দূর (দূর)—দূরে
झील (ঝীল)—সরোবর	तालाब (তালাব)—পুকুর
संख्या (সংখ্যা)—সংখ্যা	शोर (শোর)—গোলমাল
याद (ইয়াদ)—স্মরণ	दुकान (দুকান)—দোকান
उधार (উদার)—ধার, ঋণ	आँसू (আঁসু)—চোখের জল
कबल (কবল)—কম্বল	बजार (বজার)—বাজার
थालि (থালি)—থানা	झादी (ঝাদী)—বিয়ে
पत्थर (পত্থর)—পাথর	झूट (ঝুট)—মিথ্যা
सच (সচ্)—সত্য	खिलौना (খিলওনা)—খেলনা
गुड़िया (গুড়িয়া)—পুতুল	कटोरा (কটোরা)—বাটি
हवा (হওয়া)—বাতাস	जेब (জেব)—পকেট
बटन (বটন)—বোতাম	पता (পতা)—ঠিকানা
बुझा (বুজা)—বুড়ো	बुझी (বুজী)—বুড়ি
अंधा (অন্ধা)—অন্ধ	लंगड़ा (লংগড়া)—খোঁড়া
गुंगा (গুংগা)—বোবা	बौना (বওনা)—বধির
नाटा (নাটা)—বেঁটে	दोस्त (দোস্ত)—বন্ধু
दुश्मन (দুশমন)—শত্রু	सुराही (সুরাহী)—কুঁজো
किसान (কিসান)—কৃষক	खेतीबारी (খেতীবারী)—কৃষিকার্য
लम्बाई (লম্বাই)—লম্বা	चौड़ाई (চওড়াই)—চওড়া
हत्या (হত্ইয়া)—হত্যা	हत्यारा (হত্ইয়ারা)—হত্যাকারী
अच्छा (অচ্ছা)—ভালো	बुरा (বুরা)—মন্দ
ताजा (তাজা)—টটকা	सड़ा (সড়া)—পচা
डाकाईती (ডাকাইতী)—ডাকাতি	चोरी (চোরী)—চুরি
घोख (ঘোখ)—প্রভারণা করা	लूटमारना (লুটমারনা)—লুটপাট করা
मंडी (মন্ডী)—বাজার	मार्ग (মার্গ)—পথ



রেজগারী (রেজগারী)—রেজকী  
 সোনা (সোনা)—সোনা  
 তাঁবা (তাঁবা)—তামা  
 সবাল (সওয়াল)—প্রশ্ন  
 পানী (পানী)—জল  
 মৌত (মওত)—মৃত্যু।  
 শশুরাল (শশুরাল)—শশুরবাড়ি  
 আগ (আগ)—আগুন  
 দবা (দওয়া)—ঔষধ  
 ভরা (ভরা)—ভর্তি  
 দাহিনা (দাহিনা)—দক্ষিণ  
 আগে (আগে)—সামনে  
 প্যাস (প্যাস)—পিপাসা  
 ওর (ওর)—দিক  
 বহুত (বহুত)—অনেক  
 শুখা (শুখা)—শুকনো  
 অব (অব)—এখন  
 শর্ম (শর্ম)—লজ্জা  
 আজ (আজ)—আজ  
 বননা (বননা)—তৈরী হওয়া  
 অঁধেরা (অঁধেরা)—অন্ধকার  
 দাগা (দাগা)—আঘাত করা  
 পতলা (পতলা)—পাতলা  
 দুবলা (দুবলা)—রোগা  
 আধা (আধা)—অর্ধ  
 শায়দ (শায়দ)—হয়ত  
 শহর (শহর)—শহর  
 রুপैया (রুপায়্যা)—টাকা

কড়াই (কড়াই)—কঠোর  
 चाँदी (চাঁদী)—রূপা  
 অমরক (অমরক)—অত্র  
 জনাব (জওয়াব)—উত্তর  
 জিন্দগী (জিন্দগী)—জীবন  
 সরদী (সরদী)—শীত  
 মৈকা (মায়কা)—বাপের বাড়ি  
 চামড়া (চমড়া)—চমড়া  
 গোলী (গোলী)—ট্যাবলেট  
 বুঁদ (বুঁদ)—বিন্দু  
 বাঁয়া (বাঁয়া)—বাম  
 পিছে (পিছে)—পিছনে  
 ভুখা (ভুখা)—ক্ষুধার্ত  
 পেশা (পেশা)—বৃত্তি  
 খোড়া (খোড়া)—অল্প  
 ভীগা (ভীগা)—ভিজ়ে  
 जब (জব)—যখন  
 हररोज (হররোজ)—হরদিন  
 कल (কল)—কাল  
 बनाना (বনানা)—তৈরী করা  
 चाँदनी (চাঁদনী)—জ্যোৎস্না  
 सीधा (সীধা)—সোজা  
 मोटा (মোটো)—মোটো  
 ताकतवर (তাকতওয়ার)—শক্তিমান  
 पुरा (পুরা)—সব  
 अचानक (অচানক)—হঠাৎ  
 गाँव (গাঁও)—গ্রাম  
 पैसा (পৈসা)—পাশা

চৌঅন্নী (চওঅন্নী)—সিকি	অঠন্নী (অঠন্নী)—আধুলী
নযে পैसे (নয়ে পায়সে)—নয়া পয়সা	পপ্পড় (পপ্পড়)—পাঁগর
বীমারী (বীমারী)—রোগ	অচার (অচার)—আচার
নৌকর (নওকর)—চাকর	নৌকরানী (নওকরানী)—চাকরানী
গোদ (গোদ)—কোল	কাঁখ (কাঁখ)—কাঁথ
বাদ মেঁ (বাদে মেঁ)—বাদে	বারে মেঁ (বারে মেঁ)—সম্পর্কে
মর্দ (মর্দ)—পুরুষ	জেনানা (জেনানা)—স্ত্রীলোক
ডর (ডর)—ভয়	মচ্ছলী (মচ্ছলী)—মাছ
বাদল (বাদল)—মেঘ	লড়াই (লড়াই)—যুদ্ধ
জংল (জঙ্গল)—বন, অরণ্য	খেত (খেত)—জমি
ऊम (উম)—বয়স	লকীর (লকীর)—রেখা
दुल्हा (দুল্হা)—বর	दुल्हिन (দুল্হিন)—কনে
पूँछ (পুঁছ)—লেজ	पसीना (পসীনা)—স্রোত
खूबसूरत (খুবসূরত)—সুন্দর	इजाजत (ইজাজত)—আদেশ
दर्द (দর্দ)—ব্যথা, বেদনা	जल्दी (জল্দী)—তাড়াতাড়ি
धीरे से (ধীরে সে)—আন্তে	औरत (অওরত)—নারী
मालिक (মালিক)—প্রভু	मालकिन (মালকিন)—প্রভুপত্নী

डाक और तार (ডাক অওর তার)—ডাক এবং তার

डाकखाना (ডাকখানা)—পোস্টাফিস	
पोस्ट मास्टर (পোস্ট মাস্টার)—পোস্ট মাস্টার	
चिट्ठी (চিট্ঠী)—চিঠি	लेफाफा (লেফাফা)—খাম
तार (তার)—টেলিগ্রাম	किराया (কিরায়্য)—ভাড়া
डाकिया (ডাকিয়া)—ডাক পিওন	महशुल (মহশুল)—মাশুল

पाठ—६ (পাঠ—৬)

व्याकरण (ব্যাাকরণ)

যে কোনও ভাষা ভালোভাবে শিক্ষা করতে হলে, সেই ভাষায় ব্যাকরণ



সম্পর্কে জ্ঞান অর্জন করতে হয়, তা না হলে ভাষা শুদ্ধভাবে বলা ও লেখা যায় না। বাংলা ভাষার মতই হিন্দী ভাষার ব্যাকরণ। তবে কিছু কিছু ক্ষেত্রে এর তফাৎ দেখা যায়। এগুলি ভালভাবে জেনে রাখা দরকার। যেমন—সর্বনাম।

বাংলা ভাষায় সর্বনামের লিঙ্গ ভেদ হয় না। স্ত্রীলিঙ্গ ও পুংলিঙ্গ একই প্রকার থাকে। হিন্দীতে কিন্তু তা নয়। হিন্দী ভাষায় সর্বনাম পুংলিঙ্গ এবং স্ত্রীলিঙ্গ ভেদে ভিন্নরূপে ব্যবহৃত হয়।

(ক) হিন্দীতে প্রথমা বিভক্তিতে কর্তার সঙ্গে 'নি' (নে)-প্রত্যয় যুক্ত হয়। যেমন—আমি খেয়েছি—মैंने खाया' (মায়নে খায়া)। তুমি খেয়েছ—तुमने खाया' (তুমনে খায়া) ইত্যাদি।

(খ) বাংলায় 'এর' বিভক্তির স্থলে হিন্দীতে 'কা' (কা), 'কে' (কে), 'কী' (কী) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—বিমলের ঘর—विमल का घर (ওয়িমল কা ঘর)। আপনার ঘর—आपके घर (আপকে ঘর), শীলার ঘর—शीला की घर (শীলা কী ঘর)। গ্রামের ছেলে—गाँव का लड़का (গাঁও কা লড়কা)। ঘরের বলদ—घर का बैल (ঘর কা ব্যাল)।

(গ) কোনও কিছুর ওপরে বুঝতে হিন্দীতে 'পর' যুক্ত হয়। যেমন—টেবিলের ওপর—मेज पर (মেজ পর)। বিছানার ওপর—बिस्तरा पर (বিস্তরা পর)। ছাদের ওপর—छत पर (ছত পর)। চেয়ারের ওপর—कुर्सी पर (কুর্সী পর)। গাছের ওপর—पेड़ पर (পেড় পর)। ইত্যাদি।

(ঘ) বাংলায় 'এ' 'তে' বিভক্তি স্থলে হিন্দীতে 'মিঁ' (মৈঁ) বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—পথে—सड़क में (সড়ক মৈঁ)। ঘরে—घर में (ঘর মৈঁ)। দোকানে—दुकान में (দুকান মৈঁ)।

(ঙ) বাংলায় 'ইহঁতে' স্থলে হিন্দীতে 'সে' (সে) যুক্ত হয়। যেমন—গাছ থেকে—पेड़ से (পেড় সে)। তোমার নিকট ইহঁতে—तुम से (তুম সে), তাহার নিকট ইহঁতে—उस से (উস সে)।

### সর্বনাম (সর্বনাম)

বাংলার মত হিন্দীতে দুটি বচন আছে। যেমন—একবচন (একবচন) ও বহুবচন (ওয়বচন)। একটি সংখ্যা বোঝাতে একবচন এবং একের অধিক বোঝাতে বহুবচন ব্যবহৃত হয়। হিন্দীতে সর্বনামগুলি একবচন ও বহুবচনে কি

ভাবে পরিবর্তন হয়, নিচে তার আলোচনা করা হলো।

एकवचन (একবচন)

बहुवचन (ওয়বচন)

मैं (মায়)—আমি

हम (হম)—আমরা

तु (তু)—তুই

तु सब (তু সব)—তোরা

तुम (তুম)—তুমি

तुमलोग (তুমলোগ)—তোমরা

आप (আপ)—আপনি

आपलोग (আপলোগ)—আপনারা

वह (ওয়হ)—সে

वे (ওয়ে)—তারা, তাঁরা, তিনি

मेरा (মেরা)—আমার

हमारा (হমারা)—আমাদের

तेरा (তেরা)—তোর

तु सबका (তু সবকা)—তোদের

तुम्हारा (তুম্হারা)—তোমার

तुमलोगों का (তুমলোগৌঁ কা)—তোমাদের

आपका (আপকা)—আপনার

आपलोगों का (আপলোগৌঁ কা)—আপনাদের

उसका (উসকা)—তাহার

उनका (উনকা)—তাঁহার, তাঁদের

उनलोगों का (উনলোগৌঁ কা)—উহাদের, তাহাদের

मुझका, मुझे (মুঝকো, মুঝে)—আমাকে

तुझका, तुझे (তুঝকো, তুঝে)—তোকে

तुमका, तुम्हें (তুমকো, তুম্হে)—তোমাকে

आपका (আপকো)—আপনাকে

उनको, उनहें (উনকো, উন্হে)—তাঁহাকে

उसको, उसे (উসকো, উসে)—তাহাকে

हमका, हमें (হমকো, হম্ে)—আমাদিগকে

तु सबको (তু সবকো)—তোমাদের সকলকে

तुमलोगोंको (তুমলোগৌঁকো)—তোমাদিগকে

आपलोगोंको (আপলোগৌঁকো)—আপনাদিগকে

उनको, उन्हें (উনকো, উন্হে)—তাঁহাদিগকে (গৌরবার্থে)

उसको, उन्हें (উসকো, উস্হে)—তাহাদের

### क्रिया (ক্রিয়া)

বাংলা ভাষার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়া আছে এবং ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে।

বাংলা ভাষায় বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয় না। কিন্তু



হিন্দীতে বচন ও লিঙ্গভেদে ক্রিয়ার রূপের পরিবর্তন হয়।

বাংলার মতো হিন্দীতেও ক্রিয়ার তিনটি কাল আছে। যেমন—(১) বর্তমান (ওয়রতমান), (২) অতীত (অতীত) এবং भविष्य (ভওয়িষ্যইয়)। হিন্দীতে এই তিনটি কাল, লিঙ্গ, বচন অনুসারে ক্রিয়ার ব্যবহার হয়। এ সম্পর্কে বেশ ভালভাবে জ্ঞান লাভ করতে হলে সর্বনামগুলি সম্পর্কে ভালভাবে জানতে হবে। এজন্য প্রথমে সর্বনামগুলির অলোচনা করা হয়েছে।

### বর্তমান কাল (ওয়রতমান কাল)

হিন্দীতে বর্তমান কালে—হুঁ, হৈ, হৈঁ, হৌ বিভক্তি যুক্ত করা হয়। নিচে তার উদাহরণ দেওয়া হলো। যেমন—

একবচন (একবচন)

मैं हूँ (মায় হুঁ)—আমি হই।

तु है (তু হায়)—তুই হস।

आप हैं (আপ হায়)—আপনি হন। आपलोग हैं (আপলোগ

वह है (ওয়হ হায়)—সে হয়।

वे हैं (ওয়ে হায়)—তঁরা বা তিনি হন।

বহুবচন (ওয়হবচন)

हम हैं (হম হায়)—আমরা হই।

तुम हो (তুম হো)—তুমি হও।

हैं (হায়)—আপনারা হন।

### অতীত কাল (অতীত কাল)

হিন্দীতে অতীত কালে লিঙ্গ ও বচন অনুসারে—থা, থে, থী, থো' বিভক্তি যুক্ত হয়।

একবচন (একবচন)

मैं था (মায় থা)—আমি ছিলাম।

तु था (তু থা)—তুই ছিলি।

आप थे (আপ থে)—আপনি

ছিলেন।

वह था (ওয়হ থা)—সে ছিল।

বহুবচন (ওয়হবচন)

हम थे (হম থে)—আমরা ছিলাম।

तुम थे (তুম থে)—তুমি ছিলে।

आपलोग थे (আপলোগ

थे)—আপনারা ছিলেন।

वे थे (ওয়ে থে)—তাহারা ছিল।

তিনি ছিলেন। তাঁরা ছিলেন।

### भविष्य কাল (ভওয়িষ্যইত কাল)

হিন্দীতে ভবিষ্যৎ কালে লিঙ্গ ও বচন অনুযায়ী—হুঁগা, হোগা, হোগে,

হাংগি বিভক্তি যুক্ত হয়। যেমন—

एकवचन (एकवचन)      बहुवचन (बहुवचन)  
 मैं हूँगा । (मैं हूँगा)।—आमि हईब। हम होंगे । (हम होंगे)।—आमरा  
 हईब।  
 तू होगा । (तू होगा)।—तुई हबि। तुम होंगे । (तुम होंगे)।—तुमि  
 हबे।

आप होंगे । (आप होंगे।) — आपनि हबेन।

आपलोग होंगे । (आपलोग होएंगे।)—आपनारा हबेन।

বহু হোগা । (ওয়ে হোগা)।—সে হবে। বে হাংগে । (ওয়ে হাংগে)।—তিনি  
হবেন।

এতক্ষণ সর্বনামের সঙ্গে বর্তমান, অতীত ও ভবিষ্যৎ কালের বিভক্তিগুলি লিঙ্গ ও বচন অনুসারে দেখানো হলো। এখানে কয়েকটি ক্রিয়া লিঙ্গ ও বচন অনুসারে কিভাবে পরিবর্তিত হয়, তার আলোচনা করা হচ্ছে।

জানা (জানা)—যাওয়া—বর্তমান কাল

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं जाता हूँ । (माँय जाता हूँ) —आमि याच्छि।

তুমি জাতি হই । (তুমি জাতি হায়।)—তুমি যাচ্ছ।

তু জাতা হৈ । (তু জাতা হায়।)—তুই যাচ্ছিস।

বহু জাতি হৈ । (ওয়হু জাতি হয়।)—সে যাচ্ছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम जाते हैं । (हम जाते हैं।) —आमरा यাই।

तूम जाते हो । (तूम जाते हो) — तूमि याओ ।

বাজতে হাঁ। (ওয়ে জাতে হাঁ।) — তাঁরা যান বা তাঁরা যায়।

এবার উপরোক্ত 'জানা' ক্রিয়াটি স্ত্রীলিঙ্গ 'জাতা' স্থলে 'জাতী' হবে।

ସମ୍ମାନ—

स्त्रीलिङ्ग एकवचन—मैं जाती हूँ । (माँय जाती हूँ)।—आमि यাই इत्यादि।

क्षीलिन्न बह्वचन—हम जाती हैं । (हम जाती हूँ।) —आमरा याई।

খানা (খানা)—খাওয়া

(বর্তমান কাল—পুংলিঙ্গ)

যদি প্রথমা বিভক্তিতে 'নে' প্রত্যয় যুক্ত হয়, তাহলে বাক্যগুলি নিম্নরূপ হবে।



যেমন—

মैंने खाया । (মায়নে খায়া।)—আমি খেলায়।

तुने खाया । (তুনে খায়া।)—তুই খেলি।

उसने खाया । (উসনে খায়া।)—সে খেল।

हमने खाया । (হম্নে খায়া।)—আমরা খেলায়।

तुमने खाया । (তুম্নে খায়া।)—তোমরা খেলে।

उन्होंने खाया । (উনহোঁনে খায়া।)—তঁারা বা তারা খেলেন।

विः द्वः—स्त्रीलिङ्गे 'खाया' স্থলে 'खायी' (খায়ী)—হবে।

অতীত কাল

হিন্দীতে অতীতকাল বোঝাতে পুংলিঙ্গ একবচনে—থা (থা) বিভক্তি, পুংলিঙ্গ বহুবচনে থে (থে) যুক্ত হয়। যেমন—

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

हम खाया था । (হম্ খায়া থা।)—আমি খেয়েছি।

तुने खाया था । (তুনে খায়া থা।)—তুই খেয়েছিস।

उसने खाया था । (উসনে খায়া থা।)—সে খেয়েছে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हमने खाये थे । (হম্নে খায়ে থে।)—আমরা খেয়েছি।

तुमने खाये थे । (তুম্নে খায়ে থে।)—তোমরা খেয়েছ।

तुने खाये थे । (তুনে খায়ে থে।)—তারা খেয়েছিস।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—খায়ী থী (খায়ী থী) এবং বহুবচনে—খায়ী থী (খায়ী থী) হবে।

ভবিষ্যৎ কাল

(একবচন—পুংলিঙ্গ)

मैं खाऊंगा । (মায় খাউংগা।)—আমি খাব।

तुम खायोगे । (তুম খায়োগে।)—তুমি খাবে।

(বহুবচন—পুংলিঙ্গ)

हम खायेंगे । (হম্ খায়েঙ্গে।)—আমরা খাব।

वे खायेंगे । (ওয়ে খায়েঙ্গে।)—তারা খাবে।

পাঠ—৩ (পাঠ—৭)

পদ পরিচয় (পদ পরিচয়)

बिमल के पास कलम है । (ওয়িমল্ কে পাস কলম্ হায়।)—বিমলের কাছে কলম আছে।

मिता अच्छी लड़की है । (মিতা অচ্ছী লড়কী হায়।)—মিতা ভালো মেয়ে।

अनिल और सुनील जल्दी आता है । (অনিল অওর সুনীল্ জল্দী আতা হায়।)—অনিল ও সুনীল তাড়াতাড়ি আসছে।

आह, मुझे जाने दो । (আহ্, মুঝে জানে দো।)—আঃ, আমাকে যেতে দাও।

উপরে চারটি বাক্য দেওয়া হয়েছে। এর মধ্যে প্রথম বাক্যটিতে—বিমল কোনও ব্যক্তির নাম এবং কলম একটি বস্তুর নাম বোঝাচ্ছে।

द्वितीय बাক्ये—अच्छा शब्दটি স্ত্রীলিঙ্গে অচ্ছী হয়েছে এবং लड़की শব্দের গুণ বোঝাচ্ছে।

तृतीय बাক्ये—जल्दी 'शब्दটি আতা' ক্রিয়ার অবস্থা বোঝাচ্ছে। और 'शब्दটি अनिल ও सुनील দুটি বাক্যকে যুক্ত করেছে। जाती है 'शब्दটি দ্বারা যাওয়া বোঝাচ্ছে।

चतुर्थ बাক्ये—आह 'शब्दটি দ্বারা মনের আবেগ বা দুঃখ প্রকাশ করছে।

वाक्य में व्यवहृत प्रत्येक शब्द को 'पद' कहते हैं (ওয়াক্‌ইয় মে ওয়্যহৃত প্রত্‌ইয়েক শব্দ কো পদ কহতে হাঁয়।)—বাক্যে ব্যবহৃত প্রত্যেক শব্দকে পদ বলে।

हिन्दी एवं বাংলা উভয় ভাষাতেই পদ পাঁচ প্রকার। যেমন—

১. संज्ञा (সংজ্ঞা)—বিশেষ্য। ২. विशेषण (ওয়িশেষণ্)—বিশেষণ।
৩. सर्वनाम (সর্বওয়নাম্)—সর্বনাম। ৪. क्रिया (ক্রিয়া)—ক্রিয়া।
৫. अव्यय (অব্‌ইয়য়)—অব্যয়।

संज्ञा (संज्ञा)—विशेष्य

বাংলার মতোই হিন্দীতে (संज्ञा) বিশেষ্য পাঁচ প্রকার। যেমন—(১) व्यक्तिवाचक (ওয়ক্তিওয়াচক্), (২) जातिवाचक (জাতিওয়াচক্)—জাতিবাচক। (৩) समुहवाचक (সমূহওয়াচক্), (৪) द्रव्यवाचक (দ্রব্‌ইয়ওয়াচক্) (৫) भाववाचक (ভাবওয়াচক্)।



১. ব্যক্তিবাচক (ওয়ক্তিওয়াচক)—যে বিশেষ্য দ্বারা কোনও ব্যক্তি, বস্তু বা স্থানের নাম বুঝায়। তাকে বলা হয় ব্যক্তিবাচক সংজ্ঞা (ওয়ক্তিওয়াচক সংজ্ঞা)। যেমন—হেরেন (হেরেন), এক ব্যক্তির নাম। গংগা (গংগা)—একটি নদীর নাম। কিতাব (কিতাব) পুস্তক। একটি বস্তুর নাম। কলকত্তা (কলকত্তা)—কলিকাতা, একটি স্থানের নাম। সোনা (সোনা) একটি ধাতুর নাম ইত্যাদি।

২. জাতিবাচক (জাতিওয়াচক)—এই বিশেষ্য বা 'সংজ্ঞা' দ্বারা এক জাতীয় সব প্রাণী বা বস্তুকে বোঝায়। যেমন—মনুষ্য (মনুষ্যইয়)—মানুষ। শের (শের)—বাঘ। কুত্তা (কুত্তা)—কুকুর। পৌধা (পৌধা)—চারাগাছ।

৩. সমূহবাচক (সমূহওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা এক জাতীয় বহু বস্তুকে একটির মতো বোঝায়।

৪. দ্রব্যবাচক (দ্রব্যইয়ওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা যে কোনও দ্রব্যকে বোঝায়।

৫. ভাববাচক (ভাবওয়াচক)—এই বিশেষ্য দ্বারা হর্ষ, বিবাদ, ভয় প্রভৃতি মনের ভাব বোঝায়।

### বিশেষণ (ওয়িশেষণ্ড)—বিশেষণ

যে পদের দ্বারা বিশেষ্য পদের দোষ, গুণ, অবস্থা, পরিমাণ বা সংখ্যা বোঝায়, তাকে বিশেষণ বলে।

সংজ্ঞা বা সর্বনাম কী বিশেষতা বতানেবালে শব্দোঁ কী বিশেষণ कहते हैं (সংজ্ঞা ইয়া সর্বওয়নাম কী ওয়িশেষতা, বতানেওয়ালে শব্দোঁ কো ওয়িশেষণ্ড कहते हैं।)—সংজ্ঞা বা সর্বনামের বিশেষতা বোঝানোর শব্দগুলিকে বিশেষণ বলে। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা।)—ভালো ছেলে।

বুরা লড়কা । (বুরা লড়কা।)—খারাপ ছেলে।

অচ্ছী লড়কী । (অচ্ছী লড়কী।)—ভালো মেয়ে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে 'অচ্ছা' এবং 'বুরা' শব্দ দুটির দ্বারা লড়কা বিশেষ্য পদের দোষ গুণ বোঝা যাচ্ছে। অতএব 'অচ্ছা' ও 'বুরা' শব্দ দুটি বিশেষণ।

আবার দেখা যাচ্ছে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ লিপ্সভেদে পরিবর্তন হয় না।  
আবার অ-কারান্ত বিশেষণ না হলে বিশেষ্যের লিপ্স, বচন অনুসারে বিশেষণের  
পরিবর্তন হয়। যেমন—

অচ্ছা লড়কা । (অচ্ছা লড়কা)।—ভালো ছেলে। (একবচন)

অচ্ছা লড়কী । (অচ্ছা লড়কী)।—ভালো মেয়ে। (একবচন)

অচ্ছ লড়কে । (অচ্ছ লড়কে)।—ভাল ছেলেগুলি। (বহুবচন)

অচ্ছী লড়কিয়াঁ । (অচ্ছী লড়কিয়াঁ)।—ভাল মেয়েগুলি। (বহুবচন)

বাংলা ভাষায় যেমন অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়।  
সেই রকম হিন্দীতেও অনেক সময় বিশেষ্যের পরে বিশেষণ ব্যবহৃত হয়।  
যেমন—

যহ কমরা ছোটা হৈ । (ইয়হ্ কমরা ছোটা হ্যায়)।—এই ঘরটি ছোট।

বহ গুলাব লাল হৈ । (ওয়হ্ গুলাব লাল হ্যায়)।—এ গোলাপটি লাল।

উপরের বাক্য দু'টিতে দেখা যায় 'কমরা' বিশেষ্য পদের পরে 'ছোটা'  
বিশেষণ এবং 'গুলাব' বিশেষ্য পদের শেষে 'লাল' বিশেষণ বসেছে।

পুংলিপ্স বহুবচন হলে—অ-কারান্ত বিশেষণ পদ এ-কারান্ত হয় এবং স্ত্রীলিপ্স  
উভয় বচনেই ঈ-কারান্ত হয়। যেমন—

ছোটা লড়কা । (ছোটা লড়কা)।—ছোট ছেলে। (পুং-একবচন)

বড় লড়কে । (বড়ে লড়কে)।—বড় ছেলেরা। (পুং-বহুবচন)

বড়ী লড়কী । (বড়ী লড়কী)।—বড় মেয়ে। (স্ত্রী-একবচন)

বড়ী লড়কিয়াঁ । (বড়ী লড়কিয়াঁ)।—বড় মেয়েরা। (স্ত্রী-বহুবচন)

### সর্বনাম সরওয়নাম—সর্বনাম

সংজ্ঞা বা বিশেষ্য পদের পরিবর্তে যে পদ ব্যবহার করা হয়, তাকে সর্বনাম  
(সরওয়নাম)—সর্বনাম পদ বলে। সর্বনামের উদাহরণ আগেই দেওয়া হয়েছে।  
এখানেও কয়েকটি উদাহরণ দেওয়া হলো—মैं, हम, तु, तुम, आप, यह,  
वह, वे, ये क्या, कौन ইত্যাদি।

হিন্দীতে সর্বনাম ছয় প্রকার। যেমন—পুরুষবাচক (পুরুষওয়াচক),  
নিশ্চয়বাচক (নিশ্চয়ওয়াচক), অনিশ্চয়বাচক (অনিশ্চয়ওয়াচক), প্রশ্নবাচক  
(প্রশ্নওয়াচক), সম্বন্ধবাচক (সম্বন্ধওয়াচক) ও নিজবাচক (নিজওয়াচক)।



উপরোক্ত ছয়টি সর্বনামের মধ্যে পুরুষবাচক সর্বনামটিই বেশী ব্যবহৃত হয়।  
এজনা এখানে পুরুষবাচক সর্বনামের আলোচনা করা হলো।

পুরুষবাচক সর্বনাম (পুরুষওয়াচক সর্বনাম)—তিন ভাগে বিভক্ত।  
যেমন—(১) উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ) (২) মধ্যমপুরুষ (মধ্যম-পুরুষ) ও  
(৩) অন্যপুরুষ (অন্য-পুরুষ)।

উত্তমপুরুষ (উত্তম-পুরুষ)—একবচন

মैं (মায়)—আমি। मेरी (মেরী)—আমার। मुझे (মুঝে)—আমাকে।

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

मैं निर्धारित समय पर नहीं आ सका। (মায় নির্ধারিত সময় পর  
নহী আ सकা।)—আমি ঠিক সময়ে আসতে পারিনি।

मेरी ओर से क्षमा माँग लीजिए। (মেরী ওর সে ছমা মাঁগ  
লিজিএ।)—আমার দিক থেকে ক্ষমা চেয়ে নেবেন।

मुझे बड़ा खेद है। (মুঝে বড়া খেদ হায়।)—আমি অত্যন্ত দুঃখিত।

मैं अभी आ रहा हूँ। (মায় অভী আ রহা হুঁ।)—আমি এখনি আসছি।

মধ্যমপুরুষ (মধ্যম-পুরুষ)—একবচন

तुम (তুম)—তুমি

तू (তু)—তুই

तुम्हें (তুম্হে)—তোমাকে

तुझे (তুঝে)—তোকে

বাক্য রচনা (বাক্য রচনা)

तुम उसके घर गये थे ? (তুম উস্কে ঘর গয়ে থে?)—তুমি ওদের  
বাড়ি গিয়েছিলে?

तुम हिन्दी पढ़ते हो ? (তুম হিন্দী পড়তে হো?)—তুমি হিন্দী পড়ছো?

तु कब गया ? (তু কব গয়া?)—তুই কবে গিয়েছিলি।

तुम कहाँ जाते हो ? (তুম কহাঁ জাতে হো?)—তুমি কোথায় যাচ্ছ?

অন্যপুরুষ (অন্য-পুরুষ)—একবচন

वह (ওয়হ)—সে।

यह (ইয়হ)—এই, ইয়া।

कौन (কওন)—কে। কোন।

जो (জো)—যে।

### वाक्य रचना (বাক্য রচনা)

वह रोज अंग्रेजी पढ़ता है । (ওয়হ রোজ অংগ্রেজী পড়তা হায়।)—সে প্রতিদিন ইংরাজী পড়ে।

यह मेरा किताब है । (ইয়হ্ মেরা কিতাব্ হায়।)—এটি আমার বই।  
कौन आया था ? (কওন্ আয়া থা?)—কে এসেছিল?

### उत्तमपुरुष (উত্তম-পুরুষ)

बख़बचन—हम कल गया था । (হম্ কল্ গয়া থা।)—আমরা কাল গিয়েছিলাম।

### मध्यमपुरुष (মধ্যম-পুরুষ)

बख़बचन—तुमलोग कब गया था ? (তুমলোগ্ কব্ গয়া থা?)—তোমরা কবে গিয়েছিলে?

### अन्यपुरुष (অন্য-পুরুষ)

बख़बचन—वे हररोज यहाँ आता हैं । (ওয়ে হররোজ ইয়হাঁ আতা হাঁথ।)—তারা প্রতিদিন এখানে আসে।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যায়, পুংলিঙ্গে অ-কারান্ত ক্রিয়ার পরিবর্তন হয় না। কিন্তু স্ত্রীলিঙ্গে উত্তমপুরুষ, মধ্যমপুরুষ ও অন্যপুরুষে ক্রিয়ার পরিবর্তন হয়—যেমন—  
मैं गयी थी (মায়্ গয়ী থী)—আমি গিয়াছিলাম।  
तुम गयी थी (তুম্ গয়ী থী)—তুমি গিয়েছিলে।  
वह गयी थी (ওয়হ্ গয়ী থী)—সে গিয়াছিল।

### क्रिया (ক্রিয়া)—क्रिया Verb

বাংলার মতো হিন্দীতে ক্রিয়াপদ আছে। সে কথা আগেই আলোচনা করা হয়েছে। ক্রিয়া তিনভাগে বিভক্ত অর্থাৎ তিনটি কালে বিভক্ত। যেমন বর্তমান (ওয়বর্তমান), অতীত (অতীত), भविष्यत (ভওয়িষ্যত)।

তাছাড়াও ক্রিয়া দুটি শ্রেণীতে বিভক্ত। যেমন—सकर्मक (সকর্মক), এবং अकर्मक (অকর্মক)।

१. सकर्मक क्रिया (সকর্মক ক্রিয়া)—যে ক্রিয়ার কর্ম থাকে, তাকে বলা হয় সকর্মক ক্রিয়া। যেমন—



রাম কিতাব পড়তা হৈ । (রাম কিতাব পড়তা হায়)।—রাম বই পড়ে।  
 মীরা তাস খেলতী হৈ । (মীরা তাস খেলতী হায়)।—মীরা তাস  
 খেলছে।

পিতাজী ভাত খাতা হৈ । (পিতাজী ভাত খাতা হায়)।—বাবা ভাত  
 খাচ্ছেন।

মাঁ রোटी খাতী হৈ । (মাঁ রোটি খাতী হায়)।—মা রুটি খাচ্ছেন।

মैं काम करता हूँ । (মায় কাম করতা হুঁ)।—আমি কাজ করছি।

वे काम करते हैं । (ওয়ে কাম কর্তে হায়)।—তারা কাজ করছে।

উপরের বাক্যগুলিতে—পড়তা, খেলতী, খাতা, খাতী, করতা, কর্তে  
 প্রভৃতি ক্রিয়াগুলির কর্ম হলো—কিতাব, তাস, ভাত, রোটি, কাম প্রভৃতি  
 কর্ম বর্তমান। অতএব এগুলি সক্রমক ক্রিয়া।

जिस क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस  
 क्रिया में कर्म होता है उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं)।—যে ক্রিয়ার কর্ম  
 আছে তাকে সক্রমক ক্রিয়া বলে।

अकर्मक क्रिया (अकर्मक क्रिया)—जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे  
 अकर्मक क्रिया कहते हैं । (जिस क्रिया में कर्म नहीं है उसे अकर्मक  
 क्रिया कहते हैं)।—যে ক্রিয়ার কর্ম নাই, তাকে অক্রমক ক্রিয়া বলে।  
 যেমন—

वह खाता है । (ওয়হ্ খাতা হায়)।—সে খায়।

हम करता है । (হম করতা হায়)।—আমরা করছি।

উপরের প্রথম বাক্যে বলা হয়েছে—খাতা হৈ অর্থাৎ খাচ্ছে, কিন্তু কি  
 খাচ্ছে তা বলা হয় নি। এজন্য বাক্যটি অক্রমক।

আবার দ্বিতীয় বাক্যে বলা হয়েছে—করতা হৈ (করতা হায়)—করছে। কিন্তু  
 কি করছে, তা বলা হয়নি। এজন্য ক্রিয়াটি অক্রমক।

আবার কর্মের সমাপ্তি বা অসমাপ্তি ভেদে ক্রিয়া দু'ভাগে বিভক্ত। যেমন—

১. সমাপিকা ক্রিয়া (समापिका क्रिया) এবং ২. অসমাপিকা ক্রিয়া  
 (असमापिका क्रिया)।

১. সমাপিকা ক্রিয়া (समापिका क्रिया)—যে ক্রিয়ার সাহায্যে কর্মের শেষ  
 বোঝা যায়, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

হিন্দী ব্যাকরণে বলা হয়েছে—জিস ক্রিয়া সে ক্রিয়া কী পূর্ণতা প্রকট হোতী হৈ, उसे समापिका क्रिया कहते हैं। (জিস ক্রিয়া সে ক্রিয়া কী পূর্ণতা প্রকট হোতী হায়, উসে সমাপিকা ক্রিয়া কহতে হাঁয়।) যেমন—

अनिल खाया (অনিল খায়া)—অনিল খেয়েছে।

सुनील गया (সুনীল গয়া)—সুনীল গিয়াছে।

উপরোক্ত বাক্য দুটিতে 'खाया' এবং 'गया' এই দুটি ক্রিয়াপদের দ্বারা अनिलের খাওয়া কর্মটি ও सुनीলের খাওয়া কর্মটি সমাপ্ত হয়েছে বোঝা যায়। অতএব ঐ দুটি বাক্য সমাপিকা। এই রকম যে সব কাজ শেষ হয়েছে বোঝা যায়, তাকে সমাপিকা ক্রিয়া বলে।

২. असमापिका क्रिया (অসমাপিকা ক্রিয়া)—জিস ক্রিয়া সে ক্রিয়া কী অপূর্ণতা প্রকট হোতী হৈ, उसे असमापिका क्रिया कहते हैं। (জিস ক্রিয়া সে ক্রিয়া কী অপূর্ণতা প্রকট হোতী হায়, উসে অসমাপিকা ক্রিয়া কহতে হাঁয়)—যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্মের অপূর্ণতা প্রকাশ পায়, তাকে অসমাপিকা ক্রিয়া বলা হয়। যেমন—

चाय पीकर आओ। (চায় পীকর্ আও।)—চা খেয়ে এসো।

भात खाकर जाओ। (ভাত খাকর্ জাও।)—ভাত খেয়ে যাও।

উপরের বাক্য দুটিতে পীকর (পান করে), খাকর (খাকর)—খেয়ে, ক্রিয়া দুটির দ্বারা কর্মের সমাপ্তি বুঝাচ্ছে না। সেজন্য এই বাক্য দুটিকে অসমাপিকা ক্রিয়া (অসমাপিকা ক্রিয়া) বলে।

হিন্দীতে ক্রিয়ার সঙ্গে 'ना' যোগ করা হয়। যেমন—जाना (জানা)—যাওয়া, खाना (খানা)—খাওয়া, उठना (উঠনা)—ওঠা, बैठना (বৈঠনা (ওয়্যায়ঠনা)—বসা প্রভৃতি।

क्रियाएं (ক্রিয়ায়ৈ)—ক্রিয়াবাচক শব্দসমূহ

बैठना (বায়ঠনা)—বসা

ऊठना (উঠনা)—উঠা

खाना (খানা)—খাওয়া

आना (আনা)—আসা

जाना (জানা)—যাওয়া

झुलापा (জুলাপা)—শোয়ানো

उतारना (উতারনা)—নামানো

उड़ना (উড়না)—উড়া

उठाना (উঠানা)—জাগানো

चबाना (চবানা)—চিবানো



পড়না (পঢ়না)—পড়া	উঠানা (উঠানা)—উঠানো
পীটনা (পীটনা)—মারা	কহনা (কহনা)—বলা
করনা (করনা)—করা	পীনা (পীনা)—পান করা
কমানা (কমানা)—উপার্জন করা	কাঁপনা (কাঁপনা)—কাঁপা
নহানা (নহানা)—স্নান করা	ঘুমনা (ঘুমনা)—ঘোরা
গিননা (গিননা)—গণনা করা	জীনা (জীনা)—বাঁচা
ढোনা (ढোনা)—বহন করা	কুদনা (কুদনা)—লাফানো
গানা (গানা)—গান করা	জাননা (জাননা)—জানা
তোড়না (তোড়না)—ভাঙ্গা	চাহনা (চাহনা)—চাওয়া
তৈরনা (তায়রনা)—সাঁতার দেওয়া	छिपना (छिपना)—লুকানো
ढकना (ढकना)—ঢাকা দেওয়া	खींचना (खींचना)—টানা
খেলনা (খেলনা)—খেলা	पकड़ना (पकड़ना)—ধরা
डुबना (डुबना)—ডোবা	दौड़ना (दौड़ना)—দৌড়ানো
खलना (खलना)—খেলা	निकलना (निकलना)—বাহির হওয়া
टूटना (टूटना)—ভাঙ্গা	सैरना (सैरना)—বেড়ানো
नफरत करना (नफरत करना)—ঘৃণা করা	
घबड़ाना (घबड़ाना)—উদ্বিগ্ন হওয়া।	
धोना (धोना)—ধোওয়া	खीना (खीना)—হারানো
तौलना (तौलना)—ওজন করা	चुराना (चुराना)—চুরি করা
ढुँढ़ना (ढुँढ़ना)—খোঁজা	चलना (चलना)—যাওয়া
ठहरना (ठहरना)—থামা	छापना (छापना)—ছাপা
जलना (जलना)—জ্বলা	छोड़ना (छोड़ना)—হাড়া
जाँचना (जाँचना)—চাওয়া	देना (देना)—দেওয়া
पालना (पालना)—পোষা	पहुँचना (पहुँचना)—পৌছানো
पढ़ना (पढ़ना)—পড়া	सीना (सीना)—সেলাই করা
पहनना (पहनना)—পরা	सोना (सोना)—শোওয়া
पकाना (पकाना)—রান্না করা	लेटना (लेटना)—শোওয়া
पीसना (पीसना)—পেসাই করা	पुकारना (पुकारना)—ডাকা
पहचानना (पहचानना)—চেনা	फेंकना (फेंकना)—ছুঁড়ে ফেলা

मानना (मान्ना)—शुद्धा करा	सीखना (सीख्ना)—शेखा
समझाना (समझ्ना)—बोखा	सहना (सह्ना)—सह कर
बचना (बच्ना)—बाँचा	बेचना (बेच्ना)—बिक्री करा
बोलना (बोल्ना)—बला	सकना (सक्ना)—पारा
सजाना (सजाना)—साजानो	बुलाना (बुलाना)—डाका
लौटना (लौट्ना)—फिरे आसा	भागना (भाग्ना)—पालानो
लेना (लेना)—नेওয়া	भूलना (भूल्ना)—भूल करा
लूटना (लूट्ना)—लूठ करा	भेजना (भेज्ना)—पाठानो
मरना (मरना)—मरा	मिलना (मिल्ना)—देखा हওয়া
लिखना (लिख्ना)—लेखा	रहना (रह्ना)—थाका

## पाठ—८ (पाठ—८)

### क्रिया का काल (क्रिया का काल) क्रियार काल

क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं। (क्रिया के जिस रूप से उसके व्यापार के समय का ज्ञान होता है, उसे काल कहते हैं।) क्रियार के रूपों में साहाय्य क्रिया समयों के ज्ञान है, तাকে क्रियार काल बला है।

बाङ्ला भाषार में हिन्दी में क्रियार के तीन काल हैं। १। वर्तमान काल (वर्तमान काल), २। भूत काल (भूत काल)—अतीत काल (हिन्दी में अतीत काल के भूत काल के बला है।) ३। भविष्य काल (भविष्य काल)।

१. वर्तमान काल (वर्तमान काल)—वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है। (वर्तमान काल की क्रिया से इस समय होनेवाले काम का बोध होता है।) वर्तमान काल की क्रिया में क्रियार का काल एतन् शेष है। तাকে बला है वर्तमान काल। येमन—



স্বপন খাতা হৈ । (সওপন্ খাতা হায়।)—স্বপন খাচ্ছে।

তপন পড়তা হৈ । (তপন পড়তা হায়।)—তপন পড়ছে।

মীনা সৈর করতী হৈ । (মীনা সায়র করতী হায়।)—মীনা বেড়াচ্ছে।

উপরোক্ত তিনটি বাক্যে যথাক্রমে—খাতা হৈ, পড়তা হৈ, সৈর করতী হৈ । ক্রিয়াপদগুলির দ্বারা খাচ্ছে, পড়ছে, বেড়াচ্ছে বোঝা যাচ্ছে, কিন্তু খাওয়া, পড়া ও বেড়ানো এখনও চলছে, শেষ হয়নি। সেজন্য এগুলি বর্তমান কাল।

হিন্দীতে বর্তমান কাল তিনভাগে বিভক্ত। যেমন—১. সামান্য বর্তমান, (সামান্‌ইয় ওয়র্তমান)—সামান্য বর্তমান। ২. তাৎকালিক বা অপূর্ণ বর্তমান (তাৎকালিক ইয়া অপূর্‌উ ওয়র্তমান)—ঘটমান বর্তমান এবং ৩. পূর্ণ বর্তমান (পূর্‌উ ওয়র্তমান)—পূর্ণ বর্তমান কাল।

১. সামান্য বর্তমান (সামান্‌ইয় ওয়র্তমান)—সামান্য বর্তমান কাল—সামান্য বর্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ বর্তমান কাল মেন্‌ হুআ হৈ, यह बोध होता है । (সামান্‌ইয় ওয়র্তমান কাল সে ব্যাপার কা আরম্ভ ওয়র্তমান কাল মেন্‌ হুআ হায়, ইয়হ্‌ বোধ হোতা হায়।)—সামান্য বর্তমান কালের সাহায্যে কাজটি বর্তমান কালে শুরু হয়েছে এই ধারণা জন্মে। আবার যে বর্তমান কালের ক্রিয়াপদের সাহায্যে বর্তমান কালের সামান্যতা পরিলক্ষিত হয়, তাকে সামান্য বর্তমান কাল বলে।

उदाहरण (উদাহরণ)

मैं खाता हूँ । (মায় খাতা হাঁ।)—আমি খাচ্ছি।

हम खाते हैं । (হম খাতে হাঁয়।)—আমরা খাচ্ছি।

तु खाता है । (তু খাতা হায়।)—তুই খাচ্ছিস।

तुम खाता है । (তুম খাতা হায়।)—তুমি খাচ্ছ।

वह खाता है । (ওয়হ খাতা হায়।)—সে খাচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি সামান্য বর্তমান কাল। এই বাক্যগুলিতে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'তা', বহুবচনে 'তে' এবং 'হায়' প্রত্যয় একবচনে ও 'হাঁয়' বহুবচনে যুক্ত হয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গে ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' যুক্ত হয়। তায় কিন্তু একই প্রকার থাকে। যেমন—

মैं खाती हूँ । (মায় খাতী হুঁ)।—আমি খাচ্ছি।  
 हम खाती हैं । (হম্ খাতী হ্যায়)।—আমরা খাচ্ছি।  
 तू खाती है । (তু খাতী হ্যায়)।—তুই খাচ্ছিস।  
 तुम खाती हो । (তুম্ খাতী হো)।—তুমি খাচ্ছ।  
 वह खाती है । (ওয়হ্ খাতী হ্যায়)।—সে খাচ্ছে।  
 वे खाती हैं । (ওয়ে খাতী হ্যায়)।—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

উপরের বাক্যগুলি লক্ষ্য করলেই দেখা যাবে, ক্রিয়ার মূল ধাতুর সঙ্গে 'তী' এবং 'ই', 'হ্যায়' ও 'হ্যায়' যুক্ত হয়েছে।

## ২. তাত্কালিক বর্তমান কাল (তাৎকালিক ওয়বর্তমান কাল)

ঘটমান বর্তমান কাল

ক্রিয়া কে जिस रूप से उसका वर्तमान काल में जारी रहना प्रकट हो, उसे तात्कालिक वर्तमान काल कहते हैं । (ক্রিয়া কে जिस रूप से উস্কা ওয়বর্তমান কাল মেঁ জারী রহনা প্রকট হো, উসে তাৎকালিক ওবর্তমান কাল कहते ह्यায়)।—ক্রিয়ার যে রূপের দ্বারা বর্তমান কালে যখন কোনও কাজ চলছে বা শেষ হচ্ছে বোঝায়, তাকে তাৎকালিক বর্তমান বলে। যেমন—

मैं जा रहा हूँ । (মায় জা রহা হুঁ)।—আমি চলিতেছি।  
 कमल जा रहा है । (কমল্ জা রহা হ্যায়)।—কমল যাচ্ছে।  
 तुम जा रहे हो । (তুম্ জা রহে হো)।—তুমি যাচ্ছ।  
 हम जा रहे हैं । (হম্ জা রহে হ্যায়)।—আমরা যাচ্ছি।  
 वह जा रहा है । (ওয়হ্ জা রহা হ্যায়)।—সে যাচ্ছে।  
 वे जा रहे हैं । (ওয়ে জা রহে হ্যায়)।—তারা (তাহারা) যাচ্ছে।  
 तू जा रहा है । (তু জা রহা হ্যায়)।—তুই যাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলিতে দেখা যাচ্ছে, চলা ক্রিয়াটি আরম্ভ হয়েছে বটে, কিন্তু এখনও শেষ হয়নি। কাজটি চলছে। এই রকম ক্রিয়াকে ঘটমান বর্তমান বা তাত্কালিক বর্তমান (তাৎকালিক ওয়বর্তমান) বলা হয়।

তাৎকালিক বর্তমানে ক্রিয়ার সঙ্গে পুংলিঙ্গ একবচনে 'রহা' (রহা) পুংলিঙ্গ বহুবচনে 'রহে' (রহে) যুক্ত হয় এবং স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনেই 'রহী' (রহী) যুক্ত



হয়। সাহায্যকারী ক্রিয়া বচন অনুসারে ব্যবহৃত হয়। যেমন—

একবচনে—হুঁ (হঁ), হৈ (হ্যায়), হী (হো) ব্যবহৃত হয়।

বহুবচনে—হৈঁ (হাঁয়) ব্যবহৃত হয়।

### ৩. পূর্ণ বর্তমান কাল (পূরুড় ওয়রত্‌মান কাল)

#### পূর্ণ বর্তমান কাল

কোনও কাজ পূর্বে আরম্ভ হয়েছে এবং সবেমাত্র শেষ হয়েছে, তখনো তার রেশ চলছে, ক্রিয়ার এই কালকে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে। যেমন—

मैं खाता हूँ । (মায় খাতা হাঁ)।—আমি খাচ্ছি।

हम खाते हैं । (হম খাতে হাঁয়)।—আমরা খাচ্ছি।

वह खाता है । (ওয়হ্ খাতা হ্যায়)।—সে খাচ্ছে।

वे खाते हैं । (ওয়ে খাতে হাঁয়)।—তারা (তাহারা) খাচ্ছে।

तु खाता है । (তু খাতা হ্যায়)।—তুই খাচ্ছিস।

উপরের বাক্যগুলি দ্বারা বোঝা যায় খাওয়া কাজটি সবেমাত্র শেষ হয়েছে বটে, তার রেশ এখনও চলছে। এজন্য একে পূর্ণ বর্তমান কাল বলে।

#### ভূত কাল (ভূত কাল)—অতীত কাল

ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতি হুয় সময় কা বোধ হোতা হৈ । (ভূত কাল কী ক্রিয়া সে বীতে হুএ সময় কা বোধ হোতা হ্যায়)।—ভূত কালের ক্রিয়ার দ্বারা কাজটি শেষ হয়েছে বোঝায়। অর্থাৎ যে ক্রিয়া আগেই শেষ হয়ে গেছে বোঝায়, তাকে ক্রিয়ার ভূত কাল বলে। যেমন—

राम कल चला गया । (রাম কল্ চলা গয়া)।—রাম কাল চলে গেছে।

भारत स्वाधीन हो गया । (ভারত্‌ সওয়াধীন হো গয়া)।—ভারত স্বাধীন হয়ে গেছে।

এখানে প্রথম বাক্যে রামের যাওয়া কাজটি কালই শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। দ্বিতীয় বাক্যে ভারত আগেই স্বাধীন হয়ে গেছে বোঝাচ্ছে। অতএব বাক্যগুলি ভূত কাল বা অতীত কাল।

हिन्दी में भूत काल को छः वर्ग में बांटा हुआ । (হিন্দী মেঁ ভূত কাল কো ছহ্ ওয়বর্গ মেঁ বাঁটা হুআ)।—হিন্দীতে ভূত কালকে ছয়টি শ্রেণীতে ভাগ করা হয়েছে। যেমন— ১. सामान्य भूत काल (সামান্য ভূত কাল)—সামান্য অতীত কাল। ২. आसन्न भूत काल (আসন্ন ভূত

কাল) — আসন্ন অতীত কাল। ৩. পূর্ণ ভূত কাল (পূরটু ভূত কাল) — পূর্ণ অতীত। ৪. সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল) — সন্দিগ্ধ অতীত কাল।

৫. তাত্কালিক ভূত কাল (তাৎকালিক ভূত কাল) — ঘটমান অতীত কাল।

হেতু হেতুমদ ভূত কাল (হেতু হেতুমদ ভূত কাল) — শর্তসাপেক্ষ অতীত কাল।

সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল) — যে ক্রিয়ার দ্বারা কর্তার যাবার ধারণা জন্মে, তাকে সামান্য ভূত কাল বলে। যেমন—

বহ চলো (ওয়েহ চলো) — সে চলল। হম চলো (হম চলো) — আমরা যাই।

তুম চলো (তুম চলো) — তুমি চললে। মৈঁ জাতো (ম্যৈঁ জাতো) — আমি যাই।

ব চলো (ওয়ে চলো) — তারা চলল।

সামান্য ভূতকালে ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে 'আ' যুক্ত করতে হয়। অর্থাৎ ক্রিয়ার ধাতুর সঙ্গে পুংলিঙ্গে 'আ' যুক্ত করলে এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করলে, সামান্য ভূত কাল হয়। যেমন—

পুংলিঙ্গ

স্ত্রীলিঙ্গ

বোল+আ = বোলা (বলল) বোল+ই = বোলী (বলল)

চল+আ = চলা (চলল) চল+ই = চলী (চলল)

দেখ+আ = দেখা (দেখল) দেখ+ই = দেখী (দেখল)

উপরোক্ত অ-কারান্ত (অ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে এইভাবে পুংলিঙ্গে—'আ' এবং স্ত্রীলিঙ্গে 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালের ক্রিয়ায় পরিণত করা হয়।

কিন্তু যে সব ধাতুর সঙ্গে 'আ-কার' যুক্ত থাকে, অর্থাৎ আ-কারান্ত (আ-কারান্তে) ধাতুর সঙ্গে 'খী' বা 'ই' যুক্ত করে সামান্য ভূত কালে রূপান্তরিত করা হয়।

আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত কাল)

ক্রিয়া কে जिस रूपसे उस के पूरा होने का समय निकट में ही सखझा जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं। (क्रियाके जिस रूपसे उसके पूरा होने का समय निकट में ही समझा जाता है, उसे आसन्न भूत काल कहते हैं।) — क्रियार ये रूपेय द्वारा कार्य सम्पन्न हवार् समय खुब निकटवर्ती जाना याय वा बोखा याय, ताकेई आसन्न भूत काल বলে।

যেমন—

মৈঁ खा चुका हूँ। (ম্যৈঁ খা চুকা হুঁ) — আমি খেয়েছি।



हम खा चुका हैं । (हम खा चुका हूँ।) —आमरा खेयेछि।

উপরোক্ত বাক্য দুটির দ্বারা বোঝা যায় 'খাওয়া' ক্রিয়াটি চলছে বা শুরু হতে চলেছে। এজন্য এগুলি আসন্ন ভূত কাল।

### पूर्ण भूत काल (पूर्ण ভূত কাল)

এই ক্রিয়ার বাক্যগুলি অতীত কালের মতো শোনালোও প্রকৃতপক্ষে এই সব বাক্য পূর্ণ ভূত কালের। যেমন—

मैं खाया था । (मैं खाय था।) —আমি খেয়েছিলাম।

हम खाये थे । (हम खाये थे।) —আমরা খেয়েছিলাম।

तु खाया था । (तु खाया था।) —তুই খেয়েছিস।

উপরোক্ত বাক্যগুলিতে 'খাওয়া' ক্রিয়াটি শেষ হয়েছে বোঝা যাচ্ছে। অর্থাৎ এখানে ক্রিয়া কার্য সম্পূর্ণ হয়েছে জানা যাচ্ছে। এজন্য এগুলি পূর্ণ ভূত কাল।

### सन्दिग्ध भूत काल (সন্দ্বিগ্ধ ভূত কাল)

जिस भूत काल की क्रिया के होने में, सन्देह हो उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं । (जिस भूतकाल की क्रिया के होने में सन्देह हो, उसे सन्दिग्ध भूत काल कहते हैं।) —যে সকল ভূত কালের ক্রিয়ায় সন্দেহ হয়, তাকে সন্দ্বিগ্ধ ভূত কাল বলে। যেমন—

मैंने देखा होगा । (मैंने देखा होगा।) —আমি হয়তো দেখেছিলাম।

हमने देखे होंगे । (हमने देखे होंगे।) —আমরা হয়তো দেখেছিলাম।

উপরোক্ত বাক্য দুটিতে দেখা ক্রিয়াটিতে সন্দেহ আছে। এজন্য একে বলা হয় সন্দ্বিগ্ধ ভূত কাল।

सन्दिग्ध भूत काले पुलिङ्ग एकवचने क्रियार सङ्गे होगी 'प्रत्यय युक्त' হয় এবং पुलिङ्ग बहुवचने—'होंगी' যুক্ত হয়। স্ত্রীলিঙ্গ উভয় বচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'ई' যুক্ত হয় ও প্রত্যয়ের সঙ্গে হোগী (হোগী) হোগী (হোগী) যুক্ত হয়। যেমন—

मैंने देखी होगी । (मैंने देखी होगी।) —আমি হয়তো দেখেছিলাম।

हमने देखी होंगी । (हमने देखी होंगी।) —আমরা হয়তো দেখেছিলাম।

### तात्कालिक भूत काल (তাত্কালিক ভূত কাল)

जिस क्रिया से यह समझ में आता है कि भूत काल के क्रिया

চল रहा है, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हैं। (जिस क्रिया से इयहू समवा में आता हाय कि भूत काल के क्रिया चल रहा हाय, उसे तात्कालिक भूत काल कहते हैं।) — ये क्रियार द्वारा এই बोঝा याय ये, भूत कालेर क्रिया चलछे, ताके तात्कालिक भूत काल बले। येमन—

मैं खा रहा था। (माँय खा रहा था।) — আমি खाছিলাম।

हम खा रहे थे। (हम् खा रहे थे।) — আমরা খাচ্ছিলাম।

উপরোক্ত বাক্য দু'টিতে 'খাওয়া' ক্রিয়াটি চলছে বোঝা যাচ্ছে, এজন্য একে তাৎকালিক ভূত কাল বলা হয়।

তাৎকালিক ভূত কালে ক্রিয়ার সঙ্গে পুংলিঙ্গ একবচনে 'থা' (থা) ও বহুবচনে 'থে' (থে) যুক্ত করে এবং সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে 'রহা' (রহা) 'রহে', (রহে) যুক্ত করতে হয়।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে 'ই' (ঈ) ও 'থী' (থী), ও বহুবচনে সাহায্যকারী ক্রিয়ার সঙ্গে 'ই' (ঈ) ও 'থী' (থী) যুক্ত করে তাৎকালিক ভূত কাল করা হয়। যেমন—

मैं खा रही थी। (মাঁয় খা রহী থী।) — আমি খাচ্ছিলাম।

हम खा रही थीं। (হম্ খা রহী থী।) — আমরা খাচ্ছিলাম।

हेतु हेतुमद भूत काल (হেতু হেতুমদ ভূত কাল)

जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं। (जिस भूत काल में एक क्रिया का होना दूसरी क्रिया अवलम्बित हो, उसे हेतु हेतुमद भूत काल कहते हैं।) — ये समस्त भूत कालेर क्रिया सम्पन्न हवार जन्म अपर क्रियार उपर निर्भर करे, ताके हेतु हेतुमद भूत काल बले। येमन—

यदि मैं खेलता। (इयदि माँय खेलता।) — यदि আমি खेलতাম।

यदि हम खेलते। (इयदि हम् खेलते।) — यदि আমরা खेलতাম।

স্ত্রীলিঙ্গে এই ক্রিয়ার রূপ হয় নিম্নরূপ—

यदि मैं खेलती। (इयदि माँय खेलती।) — यदि আমি खेलতাম।

यदि हम खेलती। (इयदि हम् खेलती।) — यदि আমরা खेलতাম।



উপরোক্ত বাক্যগুলিতে ক্রিয়া সম্পূর্ণ হয় নাই অন্য কোনও ক্রিয়ার অপেক্ষায় আছে। সেজন্য একে হেতু হেতুমদ ভূত কাল বলে। বাক্যগুলি লক্ষ্য করলে দেখা যাবে এই ক্রিয়ার পুংলিঙ্গ একবচনে ক্রিয়ার সঙ্গে 'আ' (আ) এবং বহুবচনে 'এ' (এ) যুক্ত হয়েছে। আবার স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে 'তী' (তী) ও বহুবচনে 'তী' (তী)—যুক্ত হয়েছে।

### সামান্য ভূত কাল (সামান্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—মैं, तु, तुम वह, आप, उसने एक सेब खाया । (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे, बहुत, सबों खाये (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত সেবোঁ খায়ে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम, वह, आप, उसने एक सेब खाया । (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক সেব খায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে আপনি, সে একটি আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत सबों खाया है । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত সেবোঁ খায়া হায়া।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক আপেল খেয়েছে বা খেয়েছি।

### আসন্ন ভূত কাল (আসন্ন ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम वह, आप, उसने एक खाया है। (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হায়া।)—আমি, তুই, তুমি, সে আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत सबों खाया है । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে হায়া।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तु, तुम, वह, आप, उसने एक फल खाया है । (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হায়া।)—আমি, তুই,

তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

দ্বীলিঙ্গ বহুবচনে—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলোঁ খায়া হৈ । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়া হয়।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছে বা খেয়েছি।

পূর্ণ ভূত কাল (পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—মैं, তু, তুম, वह, आप, उसने एक फल खाया था । (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী থা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছিল বা খেয়েছি।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये थे । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে, বহুত ফলোঁ খায়ে থে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছিলাম বা খেয়েছিল।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैं, तू, तুম, वह, आप, उसने एक फल खाया थी । (মায়, তু, তুম, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী থী।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये थीं । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী থী।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছিলাম।

সন্দিগ্ধ ভূত কাল (সন্দিগ্ধ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल खाया होगा । (মায়নে, তুনে, তুমনে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হোগা।)—আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছি বা খেয়েছিল।

পুংলিঙ্গ বহুবচনে—हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहूत फलों खाये होंगे । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হোগে।)—আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচনে—मैंने, तुने, तुमने, वह, आप, उसने एक फल



খায়ী होगी । (মায়নে, তুনে, তুম্নে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হোগী।) —আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, তিনি একটি ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলোঁ খায়ী होगी । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হোগী।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল হয়তো খেয়েছিল বা খেয়েছিলাম।

### সম্ভাব্য ভূত কাল (সম্ভাব্য ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচন—মৈ, তু, তুমনে, বহ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হো । (মায়, তু, তুম্নে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়া হো।) —আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

পুংলিঙ্গ বহুবচন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলোঁ খায়ে হো । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ে হো।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—মৈ, তু, তুমনে, বহ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হো । (মায়, তু, তুম্নে, ওয়হ, আপ, উসনে এক ফল খায়ী হো।) —আমি, তুই, তুমি, সে, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

স্ত্রীলিঙ্গ বহুবচন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলোঁ খায়ী হো । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়ী হো।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

### সম্ভাব্য পূর্ণ ভূত কাল (সম্ভাব্য পূর্ণ ভূত কাল)

পুংলিঙ্গ একবচন—মৈ, তু, তুম, আপ, উসনে এক ফল খায়া হোগা । (মায়, তু, তুম, আপ, উসনে ফল খায়া হোগা।) —আমি, তুই, তুমি, আপনি, সে একটি ফল খেয়েছি বা খেয়েছ।

পুংলিঙ্গ বহুবচন—হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, বে বহুত ফলোঁ খায়া হোগা । (হম, তু সব, তুমলোগ, আপলোগ, ওয়ে বহুত ফলোঁ খায়া হোগা।) —আমরা, তোরা, তোমরা, আপনারা, তারা অনেক ফল খেয়েছি বা খেয়েছে।

স্ত্রীলিঙ্গ একবচন—মৈ, তু, তুম, আপ, উসনে এক ফল খায়ী

होगी । (मैं, तू, तुम, आप, उसने फल खायी होगी)।—आमि, तूई, तूमि, आपनि, से एकटि फल खेयेछि वा खेयेछे।

स्त्रीलिङ्ग बहुवचन—हम, तु सब, तुमलोग, आपलोग, वे बहुत फलों खायी होगी । (हम, तू सब, तुमलोग, आपलोग, ओये बहुत फलों खायी होगी)।—आमरा तोरा, तोमरा, आपनारा, तारा अनेक फल खेयेछि वा खेयेछे।

सम्भाल भविष्यत (संभाव्य भविष्यत्)

मैं चलूँ । (मैं चलूँ)।—आमि चलबो। हम चलें । (हम चले)।—आमरा चलबो।

तुम चलो । (तुम चलो?)—तूमि कि चलबे?

वह चला । (वह चला?)—से कि चलबे? तु चल । (तु चल?)—तूई कि चलबि?

## पाठ—९ (पाठ—९)

क्रिया विशेषण (क्रिया विशेषण)।—क्रिया विशेषण

जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं । (जो पद क्रिया की विशेषता बताता है, उसे क्रिया विशेषण कहते हैं)।—ये अव्यय वा पद क्रिया विशेषता ज्ञापन करे, तাকে क्रिया विशेषण बले।

श्याम जल्दी आता है । (श्याम जल्दी आता है)।—श्याम ताड़ताड़ि आसे।

सीता हमेशा आती है । (सीता हमेशा आती है)।—सीता प्रायई आसे।

ऊपर के वाक्य 'जल्दी' (जल्दी) एवं 'हमेशा' (हमेशा) शब्द दुटिर द्वारा आता है (आता है) आती है (आती है) क्रिया दुटिर विशेषता प्रकाश पाछे। अर्थात् श्याम केमन भावे आसे—जल्दी (जल्दी) ताड़ताड़ि। आबार सीता केमन भावे आसे? हमेशा (हमेशा)।—प्रायई। एज्जना एके क्रिया विशेषण बला हय।

अव्यय (अव्यय)।—अव्यय

जिस शब्द में विकार नहीं होता, उसे अव्यय कहते हैं । (जिस



শব্দ মেন্ বিকার নহীঁ হোতা, উসে অব্ইয়য়্ কহুতে হাঁয়) —যে শব্দের কোন পরিবর্তন হয় না, তাকে অব্যয় বলে।

हिन्दी में अव्यय के चार भेद है । (हिन्दी में অব্ইয়য়্ কে চার ভেদ হয়।) —হিন্দীতে অব্যয় চারি প্রকার। কিছু বৈয়াকরণ ক্রিয়া বিশেষণকেও অব্যয়ের মধ্যে গণ্য করেন। সেটি ঠিক নয়। যাই হোক, অব্যয় তিন প্রকার। যথা—১. সম্বন্ধ বোধক (সম্বন্ধ বোধক), ২. সমুচ্চয় বোধক (সমুচ্চয় বোধক), ৩. বিস্ময়াদি বোধক (বিস্ময়াদি বোধক)।

১. সম্বন্ধ বোধক (সম্বন্ধ বোধক) —যে অব্যয় কোনও সংজ্ঞা বা সর্বনামের সম্বন্ধ কোনও পৃথক শব্দের দ্বারা বোঝায়, তাকে সম্বন্ধ বোধক অব্যয় বলে। যেমন—भीतर (ভীতর) —ভিতরে। बाहर (বাহর) —বাইরে। मैं (মৈ) —তো। पर (পর) —উপর ইত্যাদি।

২. সমুচ্চয় বোধক (সমুচ্চয় বোধক) —যে অব্যয় দ্বারা একটি পদ অপর একটি পদকে যুক্ত করে বা পৃথক করে। তাকে সমুচ্চয় বোধক অব্যয় বলে। যেমন—और (অওর) —এবং, आर, ও। लेकिन (লেকিন) কিন্তু, या (ইয়া) —অথবা, अगर (অগর) —যদি ইত্যাদি।

৩. বিস্ময়াদি বোধক (বিস্ময়াদি বোধক) —যে অব্যয় বাক্যের সঙ্গে কোনও সম্বন্ধ না রেখে, শুধুমাত্র—ইর্ষ, আনন্দ, শোক প্রভৃতি মনের ভাব প্রকাশ করে, তাকে বিস্ময়াদি বোধক অব্যয় বলে। যেমন—ओह (ওহ) —ওঃ, अरे (অরে) —ওরে, अहा (অহা) —আঃ, देखो (দেখো) —দেখ ইত্যাদি।

### पाठ—१० (পাঠ—১০)

वर्तमान काल के कुछ वाक्य (ওয়ার্তমান কাল কা কিছু ওয়াক্ইয়)

বর্তমান কালের কিছু বাক্য

क्या तुम हिन्दी पढ़त हो ? (क्याया तूम हिन्दी पढ़ते हो?) —তুমি কি হিন্দী পড়ছো?

हां, मैं हिन्दी पढ़ता हूँ । (हाँ, मैं हिन्दी पढ़ता हूँ।) —হ্যাঁ, আমি হিন্দী পড়ছি।

क्या रेखा तुम्हारे घर आती है ? (क्याया रेखा तुम्हारी घर आती है?) —রেখা কি তোমাদের বাড়ী আসে?

হাঁ, वह कभी कभी आती है । (হাঁ, ওয়হ্ কভী কভী আতী হায়।)—হাঁ, সে কখন কখন আসে।

क्या तुम अब दुकान नहीं जा रही हो ? (ক্যা়া তুম্ অব্ দূকান্ নহীঁ জা রহী হো?)—তুমি কি এখন দোকানে যাচ্ছ না?

नहीं मैं दुकान नहीं जा रही हूं । (নহীঁ, মায়্ দূকান্ নহীঁ জা রহী হাঁ।)—না, আমি দোকানে যাচ্ছি না।

क्या तुम्हारे पिता व्यापारी हैं ? (ক্যা়া তুম্হারে পিতা ব্যাপারী হাঁয়?)—তোমার বাবা কি ব্যবসায়ী?

नहीं, मेरे पिता सरकारी नौकरी करते हैं । (নহীঁ, মেরে পিতা সরকারী নওকরী কর্তে হাঁয়।)—না আমার পিতা সরকারী চাকরী করেন।

क्या माताजी ने तुम्हारे पत्र का उत्तर दिया है ? (ক্যা়া মাতাজী নে তুম্হারে পত্র কা উত্তর দিয়া হাঁয়।)—মা কি তোমার পত্রের উত্তর দিয়েছেন?

नहीं, उसने नहीं दिया । (নহীঁ, উস্নে নহীঁ দিয়া।)—না, তিনি দেননি।

क्या तुम उसके घर गये थे ? (ক্যা়া তুম্ উস্কে ঘর্ গয়ে থে?)—তুমি কি ওদের বাড়ী গিয়েছিলে?

नहीं, अभी मुझको जाना है । (নহীঁ, অভী মুঝকো জানা হায়।) না, এখনি আমাকে যেতে হবে।

### भूत काल (ভূত কাল)

क्या तुम कल सबेरे उठा ? (ক্যা়া তুম্ কল্ সবেরে উঠা?)—তুমি কি কাল সকালে উঠেছিলে?

हाँ, मैं कल सबेरे उठा । (হাঁ, মায়্ কল্ সবেরে উঠা।)—হাঁ, আমি কাল সকালে উঠেছিলাম।

क्या तुमने रोटी और मांस खाया ? (ক্যা়া তুম্ নে রোটি ওর মান্‌স্ খায়া?)—তুমি কি রুটি আর মাংস খেয়েছ?

हाँ, मैं रोटी और मांस खाया । (হাঁ, মায়্ রোটি অওর্ মান্‌স্ খায়া।)—হাঁ, আমি রুটি আর মাংস খেয়েছি।



क्या तुमने रात को यह कहानी लिखा ? (काया तूम्ने रात को इयत् कहानी लिखा?)—तुमि कि रात्रे एई गन्न लिखेछ?

नहीं मैंने इसे नहीं लिखा किन्तु मेरे भाई ने लिखा । (नहीं, मायूने इसे नहीं लिखा किन्तु मेरे भाई ने लिखा।)—ना, आमि लिखिनि किन्तु आमार भाई लिखेछे।

क्या तुम कल कलकत्ता गये थे ? (काया तूम् कल् कलकत्ता गये थे?)—तुमि कि काल कलकत्ता गियेछिले?

नहीं मैं श्रीरामपुर गये थे । (नहीं मायू श्रीरामपुर गये थे।)—ना आमि श्रीरामपुर गियेछिलाम।

क्या कल तुम किताब नहीं पढ़े थे ? (काया कल् तूम् किताब नहीं पढ़े थे?)—तुमि कि काल बई पढ़नि?

हां, पढ़ा था, लेकिन एक घन्टा के लिए । (हां, पढ़ा था, लेकिन एक घन्टा के लिए।)—हां, पढ़ेछिलाम, किन्तु के घन्टा के जन्य।

तुम्हारा साथ कौन था ? (तूम्हारा साथ कऊन था?)—तोमार सप्पे के छिल?

मेरा साथ गीता थी । (मेरा साथ गीता थी।)—आमार सप्पे गीता छिल।

क्या तुम्हारे घर में तुम्हारी माताजी बैठी थी ? (काया तूम्हारे घर में तूम्हारी माताजी ओयायठी थी?)—तोमार घरे कि तोमार मा बसेछिलेन?

नहीं मेरी बहन बैठी थी । (नहीं मेरी बहन ओयायठी थी।)—ना, आमार बान बसेछिल।

क्या तुमलोग इतिहास पढ़ रही हो ? (काया तूम्लोग इतिहास पढ़ रही हो?)—तोमरा कि इतिहास पढ़ेछे?

नहीं हमलोग इंगलिश पढ़ रही थी । (नहीं हमलोग इंगलिश पढ़ रही थी।)—ना, आमरा इंगलिश पढ़ेछिलाम।

क्या तुम सिनेमा नहीं गये थे ? (काया तूम् सिनेमा नहीं गये थे?)—तुमि कि सिनेमा याओनि?

नहीं, मैं सिनेमा नहीं गया था । (नहीं मायू सिनेमा नहीं गया था।)—ना, आमि सिनेमा याईनि।

ক্যা রমেন কল তক নহীঁ মিলা থা ? (ক্যায়া রমেন কল তক নহীঁ মিলা থা?)—রমেন কি কাল পর্যন্ত তোমার সঙ্গে দেখা করেনি?

নহীঁ, রমেন কল তক মূন্নে নহীঁ মিলা থা । (নহীঁ রমেন কল তক মূন্নে নহীঁ মিলা থা।)—না, রমেন কাল পর্যন্ত আমার সঙ্গে দেখা করেনি।

ক্যা তুম পড়নে गया था ? (ক্যায়া তুম পড়নে गया था?)—তুমি কি পড়তে গিয়েছিলে?

নহীঁ, मैं कल पढ़ने नहीं गया । (নহীঁ, মায় কল পড়নে নহীঁ गया।)—না, আমি কাল পড়তে যাইনি।

**भविष्यत काल (ভবিষ্যৎ কাল) ভবিষ্যৎ কাল**

ক্যা তুম जाओगे ? (ক্যায়া তুম জাওগে?)—তুমি কি যাবে?

নহীঁ मैं यहाँ रहूँगा । (নহীঁ মায় ইয়হাঁ রহুংগা।)—না, আমি এখানে থাকবো।

ক্যা তুম कल आओगे । (ক্যায়া তুম কল আওগে?)—তুমি কি কাল আসবে?

हाँ, मैं कल आऊँगा । (হাঁ, মায় কল আউংগা।)—হাঁ, আমি কাল আসবো।

क्या तुम कल रात को यहां ठहरोगे ? (ক্যায়া তুম কল রাত কো ইয়হাঁ ঠহরোগে?)—তুমি কি কাল রাত্রে এখানে থাকবে?

नहीं, कल मैं लौट जाऊँगा । (নহীঁ, কল মায় লওট্ জাউংগা।)—না, কাল আমি ফিরে যাবো।

क्या कल तुम इस समय गाड़ी में यात्रा कर सकोगे ? (ক্যায়া কল তুম ইস সময় গাড়ী মৈঁ ইয়াত্রা কর্ সকোগে?)—কাল কি তুমি এই সময় গাড়ীতে যাত্রা করতে পারবে?

नहीं, मैं कल इस समय गिरिड़ी पहुँच रहा होऊँगा । (নহীঁ, মায় কল ইস সময় গিরিড়ি পহুঁচ্ রহা হোউংগা।)—না, কাল আমি এই সময় গিরিড়ি পৌঁছে যাবো।

क्या वह जा चुकी होगी ? (ক্যায়া ওয়হ্ জা চুকী হোগী?)—ও কি যেতে পারবে?

नहीं, वह नहीं जा चुकी होगी । (নহীঁ, ওয়হ্ নহীঁ জা চুকী হোগী।)—না, সে যেতে পারবে না।



ক'য়া, চুনাও মার্চ তক হো চুকে হোঁগে ? (ক'য়া চুনাওয় মার্চ তক হো চুকে হোঁগে?)—নির্বাচন কি মার্চ মাস নাগাদ হয়ে যাবে?

হাঁ, চুনাও মার্চ তক হো চুকে হোঁগে ? (হাঁ, চুনাওয় মার্চ তক হো চুকে হোঁগে)—হাঁ, নির্বাচন মার্চ নাগাদ শেষ হয়ে যাবে।

### কুচ ম'হত্বপূর্ণ স'হায়ক ক্রিয়া

(কুহ ম'হত্বপূর্ণ স'হায়ক ক্রিয়া)—কিছু ম'হত্বপূর্ণ স'হায়ক ক্রিয়া

ক'য়া তুম গীটার বজা স'কতা হো ? (ক'য়া তুম গীটার বজা স'কতা হো?)—তুমি কি গীটার বাজাতে পারো?

হাঁ, মৈঁ গীটার বজা স'কতা হুঁ । (হাঁ, মায় গীটার বজা স'কতা হুঁ।)—হাঁ, আমি গীটার বাজাতে পারি।

ক'য়া তুম মে'রী বাচ লৌটা স'কতী হো ? (ক'য়া তুম মে'রী ওয়াচ লওটা স'কতী হো?)—তুমি কি আমার ঘড়ি ফেরৎ দিতে পার?

ন'হীঁ, মৈঁ বে অ'ভী ন'হীঁ লৌটা স'কতী । (ন'হীঁ, মায় ওয়ে অ'ভী ন'হীঁ লওটা স'কতী।)—না, সেটা এখনি ফিরিয়ে দিতে পারবো না।

ক'য়া তুম হিন্দী ভাষা প'ড় স'কতী হো ? (ক'য়া তুম হিন্দী ভাষা প'ড় স'কতী হো?)—তুমি কি হিন্দী ভাষা প'ড়তে পারো?

হাঁ, মৈঁ য'হ ভাষা প'ড় স'কতী হুঁ । (হাঁ, মায় ইয়'হ ভাষা প'ড় স'কতী হুঁ।)—হাঁ, আমি এই ভাষা প'ড়তে পারি।

ক'য়া মৈঁ অ'ন্দর আ স'কতা হুঁ ? (ক'য়া মায় অ'ন্দর আ স'কতা হুঁ?)—আমি কি ভেতরে আসতে পারি?

হাঁ, আও । (হাঁ, আও।)—হাঁ, এসো।

ক'য়া তুম য'হ কাম কর স'কে ? (ক'য়া তুম ইয়'হ কাম কর স'কে?)—তুমি কি এই কাজ করতে পারবে?

ন'হীঁ, মৈঁ ই'সে অ'কেলা ন'হীঁ কর স'কা । (ন'হীঁ, মায় ই'সে অ'কেলা ন'হীঁ কর স'কা।)—না, আমি একে একলা করতে পারবো না।

ক'য়া ব'হ সময় পর তুম'হা'রী ম'দদ কর স'কী ? (ক'য়া ওয়'হ সময় পর তুম'হা'রী ম'দদ কর স'কী?)—এ সময়ে কি তোমার সাহায্য করতে পারি?

हां, वह समय पर मेरी मदद कर सकी । (हाँ, ওয়হ্ সময় পর্ মেৰী মদদ কর্ सकी।)—हाँ, ঐ সময়ে আমায় সাহায্য করতে পারো।

शायद (শাইয়দ), अवश्य (অওয়শ্‌ইয়)

रतन ने शायद उसको सहायता की हो ? (রতন নে শাইয়দ্‌ উস্কো সহায়তা কী হো?)—সম্ভবতঃ রতন তাকে সাহায্য করেছে।

शायद रमेश यहां आया होगा । (শাইয়দ্‌ রমেশ ইয়হাঁ আয়া হোগা।)—সম্ভবতঃ রমেশ এখানে আসতে পারে।

मुझे रानीगंज अवश्य जाना चाहिए । (মুঝে রানীগঞ্জ অওয়শ্‌ইয় জানা চাইএ।)—আমাকে অবশ্যই রানীগঞ্জ যেতে হবে।

मुझे शामतक घर अवश्य पहुंच जाना चाहिए । (মুঝে শামতক্‌ ঘর অওয়শ্‌ইয় পহঁচ জানা চাইএ।)—আমাকে সন্ধ্যা নাগাদ অবশ্য ঘরে পৌঁছে যেতে হবে।

आज्ञा और प्रार्थना के वाक्य (আদেশ ও প্রার্থনা বাক্য)

गाड़ी धीरे चलाओ । (গাড়ী ধীরে চলাও।)—গাড়ী আস্তে চালাও।

आपना काम करो । (আপনা কাম করো।)—নিজের কাজ কর।

मूझे काम करने दो । (মুঝে কাম করনে দো।)—আমাকে কাজ করতে দাও।

सोच समझकर बोलो । (সোচ্‌ সমঝকর্‌ বোলো।)—বুঝে চিন্তা করে বল।

हमें जाने दीजिए । (হমঁ জানে দীজিএ।)—আমাদের যেতে দাও।

कल जरूर आना । (কল্‌ জরূর আনা।)—কাল অবশ্যই আসবে।

कभी मत भूलो । (কভী মত্‌ ভুলো।)—কখনও ভুলো না।

जरा ठहरिए । (জরা ঠহরিএ।)—একটু থামুন।

जरा उन्हें जगाइए । (জরা উনহে জগাইএ।)—ওনাকে একটু জাগান।

मूझे जाने की इजाजत दीजिए । (মুঝে জানে কী ইজাজত দীজিএ।)—আমাকে যাবার অনুমতি করুন।

जैसी आपकी मर्जी । (জ্যাসী আপকী মর্জী।)—যেমন আপনার অভিরুচি (ইচ্ছা)।



जरा और बैठिए । (जरा अंगूर ब्यागुटिए।) —आबु एकटु बसुन ।  
 असली बात पर आओ, इधर-उधर की बातें छोड़ो । (असली  
 बातपर आओ, इधर-उधर की बातें छोड़ो।) —आसल कथाय एसो । आज्ञे-  
 बाजे कथा छाड़ो ।

मेरे पीछे आओ । (मेरे पीछे आओ।) —आमार पिछने एसो ।  
 जगह खाली करो । (जगह खाली करो।) —जायगा खालि कर ।

क्या, कौन, कैसे का प्रयोग (क्या, कौन, कयासे का  
 प्रयोग) —कि, के, किरूपेर प्रयोग

तुम क्या चाहते हो ? (तुम् क्या चाहते हो?) —तुमि कि चाह्छो?  
 तुम क्या पढ़ते हो ? (तुम् क्या पढ़ते हो?) —तुमि कि पढ़्छो?  
 तुम्हारा नाम क्या है ? (तुम्हारा नाम क्या है?) —तोमार नाम  
 कि?

तुम्हारे पिताजी क्या काम करते हैं ? (तुम्हारे पिताजी क्या काम  
 करते हैं?) —तोमार बाबा कि काज करेन?

तुम इन दिनों क्या कर रहे हो ? (तुम् इन दिनों क्या कर रहे  
 हो?) —तुमि एदिन (इदानीं) कि कर्छो?

तुमने कलकत्ता में क्या देखा है ? (तुमने कलकत्ता में क्या देखा  
 है?) —तुमि कलकत्ताय कि देख्छ?

माध्यमिक परीक्षा देकर तुम क्या करोगे ? (माध्यमिक परीक्षा  
 देकर तुम् क्या करोगे?) —माध्यमिक परीक्षा दिये तुमि कि करवे?

आप कौन हैं ? (आप् कौन् हैं?) —आपनि के?

मेला में कौन जाएगा (मेला में कौन् जाएगा?) —मेलाय के यावे?

इस काम को कौन कर सकता है ? (इस् काम को कौन् कर सकता  
 है?) —एई काज्कि के करते पारवे?

इस दुकान का मालिक कौन है ? (इस् दुकान का मालिक कौन्  
 है?) —एई दोकानेर मालिक के?

वह दफ्तर कैसे जाता है ? (वह दफ्तर कयासे जातु है?) —तिनि  
 किभावे अफिसे यान?



आपके लड़का कैसे है ? (आपके लड़का क़ायसे ह़ाय?)—आपनार  
छেলে কেমন আছে?

कानपुर में आपका ख़ास्थ कैसा था ? (कानपुर में आपका सওয়াस्थ  
কায়সা था?)—कानपुरे आपनार स्वास्थ केमन छिल?

तुम मेदिनीपुर शहर में कैसे गये ? (तुम् मेदिनीपुर शहर में क़ायसे  
গয়ে?)—তুমি মেদিনীপুর শহরে কি ভাবে গেলে?

वहाँ से तुम कैसे लौटे ? (ওয়হাঁ সে তুম ক़ायसे লওটে?)—সেখান  
থেকে তুমি কি ভাবে ফিরলে?

### पाठ—११ (पाठ—११)

कुछ वाक्य रचना (कुछ ओयक्इय रचना)

किछु वाक्य रचना

कौन-सा, कब, कहाँ, क्यों-का प्रयोग

तुम कौन-सा खाना पसंद करता है ? (तुम् कওन्-सा खाना पसन्द  
করতা হায়?)—তুমি কি রকম খাদ্য পছন্দ কর?

তুম কৌন-সা কিতাব পড় रहे हो ? (तुम् कওन्-सा कित़ाब पढ़ रहे  
हो?)—তুমি কি রকম বই পড়ছো?

तुम्हारी मन पसंद अंगुठी कौन-सी थी ? (तुम्हारी मन पसन्द  
অঙ্গুঠী কওন্-সী থী?)—তোমার মন পছন্দ আংটি কি রকম ছিল?

तुम कल कौन-सी फिल्म देखोगे ? (तुम् कल् कওन्-सी फिल्म देखोगे?)  
—তুমি কাল কি রকম ফিল্ম দেখবে?

कब (कब)—कখন

तुम अपना पाठ कब दोहराते हो ? (तुम् अपना पाठ कब् दोहराते  
हो?)—তুমি নিজের পড়া কখন অভ্যাস কর?

तुम शिलगुड़ी कब जा रहे हो ? (तुम् शिलगुड़ी कब् जा रहे हो?)  
—তুমি শিলিগুড়ি কবে যাচ্ছে?



তুম মেরে সাথ কব মিলোগে ? (তুম্ মেরে সাথ্ কব্ মিলোগে?)—তুমি আমার সঙ্গে কবে দেখা করবে?

তুম্হারা কাম কব সমাপ্ত হোগা ? (তুম্হারা কাম কব্ সমাপ্ত হোগা?)  
—তোমার কাজ কবে শেষ হবে?

কहाँ (কহাঁ)—কোথায়

তুম কহাঁ কাম করতে হো ? (তুম্ কহাঁ কাম করতে হো?)—তুমি কোথায় কাজ করো?

মैं हां कां बैंक में काम करता हूं । (মায় হাং কাং বেংক্ মৈঁ কাম করতা হুঁ।)—আমি হং কং ব্যাঙ্কে কাজ করি।

आप वाच कहाँ से खरीदते है ? (আপ ওয়াচ্ কহাঁ সে খরীদতে হায়?)  
—আপনি ঘড়ি কোথা থেকে কেনেন?

मैं वाच ओमेगा कम्पनी चौरंगी कलकत्ता से खरीदता हूं । (মায় ওয়াচ্ ওমেগা কম্পনী চৌরংগী কলকত্তা সে খরীদতা হুঁ।)—আমি ঘড়ি ওমেগা কোম্পানী চৌরঙ্গী কলকাতা থেকে খরিদ করি।

आपको रिहायत कहाँ है ? (আপকো রিহায়ত কহাঁ হায়?)—আপনার নিবাস কোথায়?

मेरा निवास ग्रे स्ट्रीट कलकत्ते में है । (মেরা নিওয়াস্ গ্রে স্ট্রীট কলকত্তে মৈঁ হায়।)—আমার নিবাস গ্রে স্ট্রীট কলকাতায়।

आप किताबें कहाँ से खरीदते है ? (আপ্ কিতাবেঁ কহাঁ সে খরীদতে হায়?)—আপনি বইগুলি কোথা থেকে কেনেন?

मैं पुस्तकें अक्षय लाइब्रेरी, महात्मा गांधी रोड, कलकत्ता से खरीदता हूं । (মায় পুস্তকেঁ অক্ষয় লাইব্রেরী, মহাত্মা গান্ধী রোড, কলকত্তা সে খরীদতা হুঁ।)—আমি সব বই অক্ষয় লাইব্রেরী, মহাত্মা গান্ধী রোড, কলকাতা থেকে খরিদ করি।

तुम स्वपन से कब मिले ? (তুম্ সওপন্ সে কব্ মিলে?)—তুমি স্বপনের সঙ্গে কবে দেখা করেছিলে?

मैं उससे पिछले रविवार को मिला था, जब वह धानवाद आया था । (মায় উস্‌সে পিছলে রব্বিয়ার কো মিলা থা, জব্ ওয়হ্ ধানওয়াদ আয়া থা।)

থা।)—আমি তার সঙ্গে গত রবিবার দেখা করেছিলাম, যখন সে ধানবাদ এসেছিল।  
 अब तुम कहाँ जाओगे ? (অব তুম কহাঁ জাওগে?)—এখন তুমি কোথায়  
 যাবে?

मैंने अपना घर लौटूंगा । (মায়নে আপনা ঘর লাওটুংগা।)—আমি নিজের  
 ঘরে ফিরবো।

क्यों (কিঁউ)—কেন

आप हररोज दूध क्यों पीते है ? (আপ হররোজ দূধ কিঁউ পীতে  
 হায়?)—আপনি দুধ প্রতিদিন কেন পান করেন?

मैं आपना स्वास्थ्य ठिक रखने के लिए हररोज दूध पीता हूँ  
 (মায় আপনা সওয়াসথ্‌ইয় ঠিক রাখনে কে লিএ হররোজ দূধ পীতা হুঁ।)—আমি  
 নিজের স্বাস্থ্য ঠিক রাখার জন্য প্রতিদিন দুধ পান করি।

आप यहाँ क्यों बैठा है ? (আপ ইয়হাঁ কিঁউ ওয়্যায়্‌ঠা হায়?)—আপনি  
 এখানে কেন বসে আছেন?

मैं अमल के साथ मूलाक़ात करने के लिए यहाँ बैठा है । (মায়  
 অমল কে সাথ মূলাকাত করনে কে লিএ ইয়হাঁ ওয়্যায়্‌ঠা হায়?)—আমি অমলের  
 সঙ্গে দেখা করার জন্য এখানে বসে আছি।

तुमने अपना पिताजी को पत्र क्यों नहीं लिखा ? (তুমনে আপনা  
 পিতাজী কো পত্ৰ কিঁউ নহাঁ লিখা?)—তুমি আপনার বাবাকে পত্ৰ কেন লেখেনি?

क्यों कि मुझे समय नहीं मिला । (কিঁউ কি মুঝে সময় নহাঁ মিল।)  
 —কারণ আমার (আমি) সময় পাইনি।

पाठ—१२ (পাঠ—১২)

विविध वाक्य (ওয়িবিধ ওয়াক্‌ইয়) বিবিধ বাক্য

क्या मुखर्जी अन्दर है ? (ক্যায় মুখর্জী অন্দর হায়?)—মুখার্জী কি  
 ভিতরে আছেন?

क्या आज छुट्टी है ? (ক্যায় আজ ছুট্‌টী হায়?)—আজ কি ছুটি?



क्या मामला है ? (क्याया मामला हाय?)—कि व्यापार?

रमेश कहा गया ? (रमेश कहाँ गया?)—रमेश कोथाय गेहे?

कैसे तकलीफ की ? (क्यायसे तकलीफ की?)—केन कष्ट करलैन?

क्या आपको राय है ? (क्याया आपका राय हाय?)—आपनार मतमत

कि?

आपको मुझसे कुछ काम है ? (आपको मुझसे कुछ काम हाय?)—

आपनार सङ्गे आमार किछु काज आछे कि?

कौन आ रहा है (कउन आ रहा हाय?)—के आसछे?

यह किसका टेलीफोन नंबर है ? (इयह किसका टेलीफोन नंवर हाय?)—एटि कार टेलिफोन नम्बर?

तुमने पढ़ना क्यों छोड़ दिया ? (तुम्ने पढ़ना किँउ छोड़ दिया?)—  
तुमि लेखापड़ा केन छेड़े दिले?

एक काम करोगे ? (एक काम करोगे?)—एकटा काज करबे?

आप क्या ठूँठ रहे हैं ? (आप क्या ठूँठ रहे हाँय?)—आपनि कि  
खूँजछेन?

आपकी बच्चे कैसे हैं ? (आपकी बच्चे क्यायसे हाँय?)—आपनार छेलेरा  
केमन आछे?

आपने मेरे कामिज कहाँ रखे हैं ? (आपने मेरे कामिज कहाँ रखे  
हाँय?)—आपनि आमार जामा कोथाय रेखेछेन?

वहाँ सबसे बड़ा दुकान कौन-सी है ? (वयहाँ सबसे बड़ा दुकान  
कउन-सी हाय?)—सेखाने सब चेये बड़ दोकान कोनटि?

तुम जाओगे नहीं ? (तुम् जाओगे नहीं?)—तुमि याबे ना?

उसके पास टिकट है ? (उसके पास टिकट हाय?)—तार काछे टिकिट  
आछे?

क्या समाचार है ? (क्याया समाचार हाय?)—कि सङ्वाद?

आप हमारे यहाँ कब आएंगे (आप हमारे इयहाँ कब आएंगे?)—  
आपनि आमार एथाने कबे आसबेन?

मेरे लिए एक टैक्सी बुला लाओ । (मेरे लिए एक टैक्सी बुला

নাও।) —আমার জন্য একট ট্যাক্সী ডেকে আনো।

স্টেশন से गाड़ी कब छुटेगी ? (স্টেশন से গাড়ী কব ছুটেগী?) —স্টেশন থেকে গাড়ী কখন ছাড়বে?

आप रामसे कब मिलेंगे ? (আপ্ রামসে কব মিলেঙ্গে?) —আপনি রামের সঙ্গে কবে দেখা করবেন?

हरि आपसे कब मिलेंगे ? (হরি আপসে কব মিলেঙ্গে?) —হরি আপনার সঙ্গে কবে দেখা করবে?

आप जैसा है, मैं वैसा हूँ । (আপ্ জায়সা হায়, ম্যয় ওয়্যায়সা হ্যায়।) —আপনি যেমন, আমিও তেমনি।

कितना वक्त लगेगा ? (কিতনা ওয়ক্ত লগেগা?) —কতখানি সময় লাগবে?

यह सड़क क्यों बंद है ? (ইয়হ্ সড়ক কিঁউ বন্দ্ হায়?) —এই রাস্তা বন্ধ কেন?

### पाठ—१३ (पाठ—१३)

#### न-कारात्मक वाक्य (ন-কারাত্মক বাক্য)

मैं नहीं देखा । (ম্যয় নহীঁ দেখা।) —আমি দেখিনি।

मैं कुछ नहीं जानता । (ম্যয় কুছ্ নহীঁ জানতা।) —আমি কিছুই জানি না।

वह खीर बनाना नहीं जानती । (ওয়হ্ খীর বনানা নহীঁ জানতী।) —

সে পায়স তৈরী করতে জানে না।

आज जाड़ा नहीं है । (আজ জাড়া নহীঁ হায়।) —আজ শীত নেই।

मैं कुछ नहीं पूछता । (ম্যয় কুছ্ নহীঁ পুছতা।) —আমি কিছুই জিজ্ঞাসা করি নি।

आपने यह समाचार नहीं सुना ? (আপনে ইয়হ্ সমাচার নহীঁ সুন্য?)

—আপনি এই সংবাদ শোনেননি?

आज गीता वापस नहीं जायेंगी । (আজ গীতা ওয়াপস্ নহীঁ জায়েংগী।)

—আজ গীতা ফিরে যাবে না।

वह घर में नहीं था । (ওয়হ্ ঘরম্ নহীঁ থা।) —সে ঘরে ছিল না।



কক্ষা মেন্ অধ্যাপিকা নহীন্ থী । (কক্ষা মেন্ অধ্যাপিকা নহীন্ থী।)—ক্লাসে শিক্ষয়িত্রী ছিলেন না।

কল্ বহ ট্রেন পকড়নে নহীন্ सका । (কল্ ওয়হ্ ট্রেন পকড়নে নহীন্ सका।)—কাল্ তিনি ট্রেন ধরতে পারেননি।

আজ্ হম্ নাস্তা নহীন্ किया है । (আজ্ হম্ নাস্তা নহীন্ किया हाय।)  
—আজ্ আমরা জলযোগ করিনি।

उसके लड़की नहীন্ थী । (উসকে লড়কী নহীন্ থী।)—তার মেয়ে ছিল না।

মেন্ দিল্লী নহীন্ गया । (মাঁয় দিল্লী নহীন্ गया।)—আমি দিল্লী যাইনি।

মেন্ পত্ৰ নহীন্ लिखा । (মাঁয় পত্ৰ নহীন্ लिखा।)—আমি পত্ৰ লিখিনি।

घबराओ नहীন্, पिताजी नाराज नहীন্ होंगे । (ঘবরাও নহীন্, পিতাজী নারাজ নহীন্ হোংগে।)—ভয় পেয়ো না, বাবা রাগ করবেন না।

रमा शशुराल नहীন্ गयी । (রমা শশুরাল নহীন্ गयी।)—রমা শশুরবাড়ী যায়নি।

दामाद कल नहীন্ आया । (দামাদ্ কল্ নহীন্ आया।)—জামাই কাল আসে নি।

फुफी रविवार को नहীন্ आयी । (ফুফী রওয়িওয়ার কো নহীন্ आयी।)

—পিসিমা রবিবার দিন আসেননি।

मूझे और कुछ नहীন্ चाहिए । (মুঝে আওর্ কুছ্ নহীন্ चाहिए।)—আমার আর কিছু চাই না।

मैं गुरुवार को समय पर नहীন্ पहुंच सका । (মাঁয় গুরুওয়ার কো সময় পর্ নহীন্ পহঁচ सका।)—আমি বৃহস্পতিবারে সময় মতো পৌঁছাতে পারিনি।

यदि आपने रमा की कहा न होता, तो वह इसे नहীন্ जानती । (ইয়দি আপনে রমা কী কহ ন হোতা, তো বহ ইসে নহীন্ जानती।)

—যদি আপনি রমাকে না বলতেন, তাহলে সে জানতে পারতো না।

मेरा कल देरी नहীন্ होगी । (মেরা কল্ দেরী নহীন্ होगी।)—আমার কাল দেরী হবে না।

**प्रश्नवाचक न-कारात्मक वाक्य (প্রশ্নবাচক ন-কারাত্মক বাক্য)**

आज् ज्यादा जाड़ा है, क्या नहীন् है ? (आज् ज्यादा जाड़ा हाय,

কায়্য নহী হায়) — আজ শীত খুব বেশী — কি নয় ?

বে ভারতীয় হৈ, ক্য্য নহী হৈ ? (ওয়ে ভারতীয় হায়, কায়্য নহী হায় ?)  
— তারা ভারতীয় — কি নয় ?

তুম খুশ নহী থে, ক্য্য খুশ থে ? (তুম খুশ নহী থে, কায়্য খুশ থে ?) — তুমি খুশী ছিলে — কি ছিলে না ?

পরসোঁ এতবার হোগা, ক্য্য নহী হোগা ? (পরসোঁ এতওয়ার হোগা, কায়্য নহী হোগা ?) — পরশু রবিবার হবে, কি হবে না ?

মুন্সকো আভি জানা হোগা, নহী হোগা ক্য্য ? (মুন্সকো আভি জানা হোগা, নহী হোগা কায়্য ?) — আমাকে এখনি যেতে হবে — কি হবে না ?

কল ৩০ জনবরী নহী হোগী, হোগী ক্য্য ? (কল ৩০ জনওয়ারী নহী হোগী, হোগী কায়্য ?) — কাল ৩০শে জানুয়ারী হবে না — কি হবে ?

কল মৈঁ ফুটবাল খেলুংগা, ক্য্য মৈঁ নহী খেলুংগা ? (কল মায় ফুটবাল খেলুংগা, কায়্য মায় নহী খেলুংগা ?) — আমি কি কাল ফুটবল খেলবো — কি খেলবো না ?

তুমনে রামচরিত মানস পড়া হৈ ক্য্য নহী পড়া হৈ ? (তুমনে রামচরিত মানস পড়া হায়, কায়্য নহী পড়া হায় ?) — তুমি রামচরিত মানস পড়েছ — কি পড়নি ?

তুমনে अपना काम कर चुका था, नहीँ कर चुका था क्य्य ? (তুমনে আপনা কাম কর চুকা থা, নহীঁ কর চুকা থা কায়্য ?) — তুমি নিজের কাজ শেষ করেছিলে — কি শেষ করনি ?

তুম मेरे कलम ठूँड़ा था, नहीँ ठूँड़ा था क्य्य ? (তুম মোরে কলম টুঁটা থা, নহীঁ টুঁটা থা কায়্য ?) — তুমি আমার কলম খুঁজেছিলে — কি খোঁজনি ?

### सर्वनाम प्रयोग (সর্বনাম প্রয়োগ)

यह अनिल है । (ইয়হ অনিল হায়।) — এ অনিল।

वह सुनील है । (ওয়হ সুনীল হায়।) — সে সুনীল।

यह मेरा कलम है । (ইয়হ মেরা কলম হায়।) — এটি আমার কলম।

वह उसका कापी है । (ওয়হ উস্কা কাপী হায়।) — ওটি ওর খাতা।

यह एक लड़का है । (ইয়হ এক লড়কা হায়।) — এটি একটি বালক।



वह एक लड़की है । (ওয়হ্ এক্ লড়কী হায়।)—সে একটি বালিকা।  
 यह एक कटहल है । (ইয়হ্ এক্ কট্‌হল হায়।)—এটি একটি কাঁঠাল।  
 वह एक अमरुद है । (ওয়হ্ এক্ অমরুদ হায়।)—ওটি একটি পেয়ারা।  
 वह गाय है । वह मेरी है । (ওয়হ্ গায় হায়। ওয়হ্ মেরী হায়।)  
 —ওটি গাভী। ওটি আমার।

यह एक भैंसा है । यह तुम्हारा है । (ইয়হ্ এক্ ভ্যায়সা হায়।  
 ইয়হ্ তুমহার হায়।)—এটি একটি মহিষ। এটি তোমার।

ये मेरा किताबों हैं । ये मेज पर है । (ইয়ে মেরা কিতাবৌ হাঁয়।  
 ইয়ে মেজ পর হায়।)—এগুলি আমার বই। এগুলি টেবিলের ওপর।

भारत हमारा देश है । हम भारतवासी हैं । (ভারত হমারা দেশ  
 হায়। হম্ ভারতওয়াসী হাঁয়।)—ভারত আমাদের দেশ। আমরা ভারতবাসী।

रमा और श्यामा बहनें हैं । उनकी पिताजी शिक्षक है ।  
 (রমা অওর শ্যামা বহনৈঁ হাঁয়। উনকী পিতাজী শিক্ষক্ হায়।)—রমা ও শ্যামা  
 বোন হয়। ওদের বাবা শিক্ষক।

वह कौन है ?—वह आपका भाई है । (ওয়হ্ কওন্ হায়?—ওয়হ্  
 আপকা ভাই হায়।)—ওটি কে?—ওটি তোমার ভাই।

वे क्या है?—वे कापियाँ हैं । (ওয়ে ক্যাহ হায়?—ওয়ে কাপিয়াঁ হাঁয়।)  
 —ওগুলি কি?—ওগুলি খাতা।

जो कोई सबसे अच्छा रहेगा, उसे पुरस्कार मिलेगा । (জো কোই  
 সবসে অচ্ছা রহেগা, উসে পুরস্কার মিলেগা।)—যে কেউ সবচেয়ে ভালো থাকবে,  
 সে পুরস্কার পাবে।

ये दुकानें उनकी हैं । (ইয়ে দুকানৈঁ উনকী হায়।)—এই দোকানগুলি  
 তাদের।

यह दाच मेरा है । (ইয়হ্ ওয়াচ মেরা হায়।)—এই রিষ্টওয়াচ আমার।

वह एक संतरा है । (ওয়হ্ এক্ সন্তরা হায়।)—ওটি একটি কমলা লেবু।

यह तेरा सेब है । (ইয়হ্ তেরা সেব্ হায়।)—এটি তোর আপেল।

वह हमारा पालतु सुग्गा है । (ওয়হ্ হমারা পালতু সুগ্গা হায়।)—

ওটি আমাদের পোষা টিয়াপাখী।

यह आपका कमरा है । (ইয়হ্ আপকা কমরা হায়।)—এটি আপনার কক্ষ।

वह आपलोगोंका मकानों है । (ওয়হ্ আপলোগৌকা মকানৌ হাঁয়।)—  
ওগুলি আপনাদের বাড়ী।

## सम्बन्ध बोधक अव्यय का वाक्य

### সম্বন্ধ বোধক অব্যয়ের বাক্য

किताब मेज के ऊपर है । (কিতাব্ মেজ কে উপর হায়।)—বই  
টেবিলের উপর।

किताब कुर्सी पर है । (কিতাব্ কুর্সী পর হায়।)—বই চেয়ারের ওপর।

वह आदमी कुर्सी पर बैठा है । (ওয়হ্ আদমী কুর্সী পর ওয়ায়ঠা হায়।)

—ঐ লোকটি চেয়ারে বসে আছে।

दरवाजे पर गुलाबी रंग है । (দরওয়াজে পর্ গুলাবী রং হায়।)—

দরজার ওপর গোলাপী রং আছে।

माताजी दरवाजे पर खड़ी है । (মাতাজী দরওয়াজে পর্ খড়ী হাঁয়।)

—মা দরজায় দাঁড়িয়ে আছেন।

मिः रय अब कमरे में हैं। (মিঃ রয় অব্ কম্‌রে ম়েঁ হাঁয়।)—মিঃ রায়

এখন ঘরে আছেন।

सुराही में थोड़ा पानी है । (সুরাহী ম়েঁ থোড়া পানী হায়।)—কুঁজোতে

অল্প জল আছে।

मैं सुराही में थोड़ा-सा और पानी डालता हूं । (মাঁয় সুরাহী ম়েঁ  
থোড়া-সা অওর্ পানী ডালতা হুঁ।)—আমি কুঁজোতে সামান্য আরও জল ঢালছি।

मैं आपसे दफ्तर पर मिलुंगा । (মাঁয় আপ্ সে দফতর পর্ মিলুংগা।)

—আমি আপনার সঙ্গে অফিসে দেখা করবো।

दीपा तालाब में स्नान करती है । (দীপা তালাব্ ম়েঁ স্নান করতী হায়।)

—দীপা পুকুরে স্নান করছে।

लोग नदी में तैरता है । (লোগ্ নদী ম়েঁ ত্যায়র্ তা হায়।)—লোকগুলি  
নদীতে সাঁতার দিচ্ছে।

आप फर्स पर क्यों नहीं बैठते ? (আপ ফর্স পর্ কিউ নহী  
ওয়ায়ঠতে?)—আপনি ফরাসে বসেননি কেন?



বাচ দরাজ কে অন্দর হৈ । (ওয়াচ দরাজ কে অন্দর হায়।)—রিষ্টওয়াচটি দেবরাজের মধ্যে আছে।

সমাচার ডাক দ্বারা ভেজা गया । (সমাচার ডাক দওয়ারা ভেজা गया।)—সংবাদ ডাকের সাহায্যে পাঠানো হয়েছে।

नार्वे पुल के नीचे है । (নাওয়েঁ পুল কে নীচে হায়।)—নৌকাগুলি পুলের নীচে আছে।

रामबाबु कमरा के अन्दर बैठा था । (রামবাবু কমরা কে অন্দর ওয়ায়ঠা থা।)—রামবাবু ঘরের মধ্যে বসেছিলেন।

अमिताभ छत पर सैर करता था । (অমিতাভ ছত্ পর স্যায়র্ করতা থা।)—অমিতাভ ছাদে বেড়াচ্ছিল।

इसे बंगला से हिन्दी में अनुवाद कीजिए । (ইসে বংগলা সে হিন্দী মেঁ অনুবাদ কীজিএ।)—একে বাংলা থেকে হিন্দীতে অনুবাদ করুন।

हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत में है । (হিমাচল প্রদেশ উত্তর ভারত মেঁ হায়।)—হিমাচল প্রদেশ উত্তর ভারতে অবস্থিত।

मद्राज भारत के दक्षिण की ओर है । (মদ্রাজ ভারত কে দক্ষিণ্ কী ওর্ হায়।)—মাদ্রাজ ভারতের দক্ষিণ দিকে অবস্থিত।

वह अपने पिताजी के पास खड़ा हुआ । (ওয়হ্ আপনে পিতাজী কে পাস খড়া হুআ।)—সে তার বাবার পাশে দাঁড়িয়ে আছে।

रसगुल्ला को गोपाल और नेपाल के बीच बाँट दो । (রসগুল্লা কো গোপাল অওর নেপাল কে বীচ্ বাঁট্ দো।)—রসগোল্লাকে গোপাল এবং নেপালের মধ্যে ভাগ করে দাও।

पैसा मेरी जेब में है । (প্যাসা মেঁরী জেব মেঁ হায়।)—পয়সা আমার পকেটে আছে।

बसें सड़क पर चलती है । (বসেঁঁ সড়ক পর চল্তী হায়।)—বাসগুলি রাস্তার ওপর দিয়ে চলছে।

**कुछ परिपूरक वाक्य (कुछ परिपूरक उदाहरण)**

**কতকগুলি পরিপূরক বাক্য**

हम अभी स्कूल पहुंचे ही थे कि घंटी बज गई । (হম্ অজী স্কুল

পাঁছহে হী থে কি ঘণ্টী বজ গজ্জি।)—আমরা স্কুলে পৌঁছাতেই ঘণ্টা বেজে গেল।

जब तक आप तेज न दौड़ेंगे, गाड़ी को नहीं पकड़ सकेंगे। (জব তক আপ তেজ ন দওড়েন্গে, গাড়ী-কো নহী পকড় সকেংগে।)—যতক্ষণ পর্যন্ত আপনি জোরে না দৌড়াচ্ছেন, গাড়ীকে ধরতে পারবেন না।

जैसे ही हम स्टेशन पर पहुंचे गाड़ी चल दी। (জ্যাসে হী হম স্টেশন পর পহঁচে, গাড়ী চল দী।)—যেমনই আমি স্টেশনে পৌঁছলাম, গাড়ী চলতে লাগলো (ছেড়ে দিল)।

जहाँ तक मुझे याद है, वह कल यहाँ पर था। (জহাঁ তক মুঝে ইয়াদ হায়, ওয়হ্ কল ইয়হাঁ পর থা।)—যতদূর পর্যন্ত আমার স্মরণ হয়, সে কাল এখানে ছিল।

वह इतना बीमार है कि बिस्तर से उठ नहीं सकता। (ওয়হ্ ইত্না বীমার হায় কি বিস্তর সে উঠ নহী সক্তা।)—সে এত অসুস্থ যে বিছানা থেকে উঠতে পারে না।

वह इतनी कमजोर है कि चल नहीं सकती। (ওয়হ্ ইত্নী কমজোর হায় কি চল নহী সক্তী।)—তিনি এত দুর্বল যে চলতে পারেন না।

मैं सिर्फ बंगला ही नहीं, हिन्दी भी पढ़ता हूँ। (মায়্ সির্ফ বংগলা হী নহী, হিন্দী ভী পঢ়তা হুঁ।)—আমি শুধু বাংলাই নয়, হিন্দীও পড়ি।

वह अभी घर से निकला ही था कि बारिश शुरू हो गई। (ওয়হ্ অভী ঘর সে নিকলা হী থা কি বারিশ শুরু হো গজ্জি।)—সে এখনি ঘর থেকে বেরোতেই বর্ষা (বৃষ্টি) শুরু হয়ে গেল।

वह असफल हो जाएगा परन्तु नकल नहीं करेगा। (ওয়হ্ অসফল হো জাএগা পরন্তু নকল নহী করেগা।)—সে অসফল হবে কিন্তু নকল করবে না।

मेरे लिए यह दूध बहुत ज्यादा है। (মেরে লিএ ইয়হ্ দূধ বহুত জ্ইয়াদা হায়।)—আমার পক্ষে এই দূধ খুব বেশী।

जितना ऊँचा चढ़े, उतनी ठंडा बढ़ती जाती है। (জিতনা উঁচা চড়ে, উত্নী ঠন্ডা বড়তী জাতী হায়।)—যত উঁচুতে চড়বে ততই ঠাণ্ডা বেড়ে যেতে থাকবে।

यद्यपि वह गरीब है परन्तु ईमानदार है। (ইয়দইয়পি ওয়হ্ গরীব্



হায় পরন্তু ঈমানদার হায়।)—যদিও সে গরীব কিন্তু সৎ।

न तपन और न उसका भाई इस पार्क में खेलता है । (ন তপন  
অওর ন উসকা ভাই ইস পার্ক মেন্ খেলতা হায়।)—না তপন আর না তার ভাই  
এই বাগানে খেলা করে।

समयसूचक कुछ वाक्य समयसूचक কিছু বাক্য

अब अगस्त उन्नीस सौ नब्बे (1990) है । वह अक्तुबर में आएगा ।  
(अब अगस्त उन्नीस सौ नब्बे हय। ओयह् अक्तुबर मैन आएगा।)—এখন আগস্ট  
উনিশ শো নব্বই। তিনি অক্টোবরে আসবেন।

आपको उसका पत्र एक हफ्ता में मिलेगा । (आपको उसका पत्र  
এক হফতা মেন্ মিলেগা।)—তার পত্র আপনি এক সপ্তাহের মধ্যে পাবেন।

तुम कल दो बजे आओ । (तुम कल दो बजे आओ।)—তুমি কাল দুটোর  
সময় এসো।

वह आज दस बजे आये । (ओयह् आज दस बजे आये।)—সে আজ  
দশটার সময় এসেছে।

मैं पूजा के छुट्टी से सिमला जाऊंगा । (मैं पूजा के छुट्टी से सिमला  
জাউঙ্গা।)—অমি পূজার ছুটিতে সিমলা যাবো।

वह कल सबेरे उठकर सैर करने गया था । (ओयह্ কল সবেরে  
উঠকর স্যায়র করনে গয়া থা।)—সে কাল ভোরে উঠে বেড়াতে গিয়েছিল।

हम दस मई को कलकत्ता रबाना हुए । (हम् दस् मई को कलकत्ता  
রওয়ানা হুএ।)—আমরা ১০ই মে কলকাতা রওনা হয়েছি।

आप ग्यारह बजे रात को रानीगंज पहुंचेंगे । (आप ग्यारह बजे  
রাত কো রানীগঞ্জ পহুঁচেন্গে।)—আপনি রাত্রি এগারোটোর সময় রানীগঞ্জ পৌঁছাবেন।

वह कल यहां एक बजे तक था । (ओयह् कल इयहाँ एक बजे तक  
থা।)—সে কাল এখানে বেলা একটা পর্যন্ত ছিল।

रमैन हररोज एक घंटा पढ़ते हैं । (रमैन हररोज एक घंटा पढ़ते  
হায়।)—রমেন প্রতিহ এক ঘন্টা পড়ে।

वह अभी नहीं आया । (ओयह् अभी नहीं आया।)—সে এখনও আসেনি।  
मैं अपना काम अगले सोमवार तक समाप्त कर लूंगा । (मैं अपना

কাম্ অগ্লে সোমবার তক্ সমাপ্ত কর্ লুঙ্গা।)—আমি নিজের কাজ আগামী সোমবার নাগাদ শেষ করে ফেলবো।

मैं उसे शुक्रवार को मिलूंगा । (মায়় উসে শুক্রবার কো মিলুঙ্গা।)—আমি তার সঙ্গে শুক্রবার দিন দেখা করবো।

वह कल यहाँ रहेगा । (ওয়হ্ কল্ ইয়হাঁ রহেগা।)—সে কাল এখানে থাকবে।

नलिनीबाबु कल से यहाँ रहा है । (নলিনীবাবু কল সে ইয়হাঁ রহা হায়।)—নলিনীবাবু কাল থেকে এখানে আছেন।

मैंने उसे पहले ही लिख दिया है । (মায়নে উসে পহ্লে হী লিখ্ দিয়া হায়।)—আমি তাকে প্রথমেই লিখে দিয়েছিলাম।

वह कल यहाँ आयेगा । (ওয়হ্ কল্ ইয়হাঁ আয়েগা।)—সে কাল এখানে আসবে।

रमला अभी नहीं आई । (রমলা অভী নহী আই।)—রমলা এখনও আসেনি।

जब हम आया तो मीरा चली गई । (জব্ হম্ আয়া তো মীরা চলী গঈ।)—যখন আমি এলাম তখন মীরা চলে গেল।

हम अपना काम लगभग तीन घंटों में समाप्त कर लेगा । (হম্ আপনা কাম লগভগ তীন ঘন্টৌ মৈ সমাপ্ত কর্ লেগা।)—আমরা নিজেদের কাজ প্রায় তিন ঘন্টার মধ্যে শেষ করে নেব।

### कुछ विविध वाक्य (কুছ ওয়িওয়িধ ওয়াক্‌ইয়)

#### किछु बिबिध शब्द

लड़कियाँ विद्यालय में हाजिर थीं । (লড়কিয়াঁ ওয়িদইয়ালয় মৈ হাজির থী।)—মেয়েরা বিদ্যালয়ে উপস্থিত ছিল।

वह मुझे वहाँ जाने से रोकता है । (ওয়হ্ মুঝে ওয়হাঁ জানে সে রোকতা হায়।)—সে আমাকে সেখানে যেতে বাধা দিচ্ছে।

मेरा बात सुनकर उसका बहुत आनन्द हुआ । (মেরা বাত্ সুন্‌কর্ উস্‌কা বহুত আনন্দ হুআ।)—আমার কথা শুনে তার খুব আনন্দ হয়েছে।



তুম রিস্তোদারসে ব্যবহার करना नहीं जानते । (তুম রিস্তোদারসে বওহার करना नहीं जानते।)—তুমি আত্মীয়ের সঙ্গে ব্যবহার করতে জান না।

मेरी माताजी मेरी साथ थी । (मेरी माताजी मेरी साथ थी।)—আমার মা আমার সঙ্গে ছিলেন।

नरेश पिताजी के साथ रायगंज गया । (नरेश पितार्जी के साथ रायगंज गया।)—नरेश बाबा के साथ रायगंज गेहे।

इस खबर से चंपा बहुत खुश हुई । (इस खबर से चंपा बहुत खुश हुई।)—এই সংবাদে চাঁপা খুব খুশী হয়েছে।

मैंने पुरानी किताब देकर नई ले ली । (मैंने पुरानी किताब देकर नई ले ली।)—আমি পুরাতন বই দিয়ে নতুন নিয়ে নিয়েছি।

मैं तुमहारी समाचार सुनकर प्रसन्न हूँ । (मैं तुमहारी समाचार सुनकर प्रसन्न हूँ।)—আমি তোমার সংবাদ শুনে প্রসন্ন হয়েছি।

वह एक कान से बहरा है । (वह एक कान से बहरा है।)—সে এক কানে কালা।

यह काम के परिणाम स्वरूप झगड़ा होगा । (यह काम के परिणाम स्वरूप झगड़ा होगा।)—এই কাজের পরিণাম স্বরূপ ঝগড়া হবে।

उसे सफलता का पूरा भरोसा था । (उसे सफलता का पूरा भरोसा था।)—তার সাফল্যের উপর সম্পূর্ণ ভরসা ছিল।

क्या आप आपनी सफलता के विषय में निश्चित हैं ? (क्या आप आपनी सफलता के विषय में निश्चित हैं?)—আপনি কি সফলতা সম্পর্কে নিশ্চিত আছেন?

झमेला करना ठिक नहीं है । (झमेला करना ठिक नहीं है।)—ঝামেলা করা ঠিক নয়।

उसे रुपैया का हिसाब देना होगा । (उसे रुपया का हिसाब देना होगा।)—তাকে টাকার হিসাব দিতে হবে।

कुछ आदमी स्वास्थ्य की हानि करके रुपया कमाते हैं । (कुछ आदमी सवास्थ की हानि करके रुपया कमाते हैं।)—কিছু আদমী সওয়াস্থ কী হানি করকে রূপয়া কমাতে হয়।—কিছু ব্যক্তি স্বাস্থ্যহানি করে টাকা রোজগার করে।

उसे प्रेसिडेन्सी कालेज में भर्ती किया गया । (উসে প্রেসিডেন্সী কলেজে মেন্ ভর্তী কিয়া গয়া।)—তাকে প্রেসিডেন্সী কলেজে ভর্তি করা হয়েছে।

हम तुम्हारे बात पर भरोसा नहीं कर सकते । (হম্ তুমহারে বাত পর্ ভরোসা নহীন্ কর্ সক্তে।)—আমরা তোমার কথায় ভরসা করতে পারি না।

मैं ज्यादा मैहनत करके सफल हुआ । (মায়্ জ্যাদা ম্যায়হ্নত কর্কে সফল হুআ।)—আমি অত্যন্ত পরিশ্রম করে সফল হয়েছি।

हमें जीने के लिए काम करना होगा । (হমেন্ জীনে কে লিএ কাম করনা হোগা।)—আমাদের বাঁচার জন্য কাজ করতে হবে।

### पाठ-१४ (पाठ—१४)

#### कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य (कर्तृवाचा ও কর্মবাচ্য)

##### कर्तृवाच्य (कर्तृवाचा)

वह पढ़ता है । (ওয়হ্ পড়তা হ্যায়।)—সে পড়ছে।

कृष्ण ने कंस को मारा । (কৃষ্ণ্ নে কন্স কো মারান্)—কৃষ্ণ কংসকে বধ করেছিলেন।

क्या तुम हिसाब लिख रहे हो ? (ক্যায়্ তুম্ হিসাব লিখ্ রহে হো?)  
—তুমি কি হিসাব লিখছো?

मजदूरों ने नहर में काम करते थे । (মজদুরৌ নে নহর মেন্ কাম করতেন্ থে।)—শ্রমিকগণ খালে কাজ করছিল।

क्या तुम खाना खा लिया है ? (ক্যায়্ তুম্ খানা খা লিয়া হ্যায়?)  
—তুমি কি খাবার খেয়ে নিয়েছ?

राम चार रोज विद्यालय में हाजिर नहीं थे । (রাম চার রোজ ওয়িদ্যায়লয় মেন্ হাজির নহীন্ থে।)—রাম চারদিন বিদ্যালয়ে উপস্থিত ছিল না।

##### कर्मवाच्य (कर्मवाचा)

उससे पढ़ा जाता है । (উস্‌সে পড়া জাতা হ্যায়।)—তার দ্বারা পড়া হচ্ছে।



কৃষ্ণ দ্বারা কংস মারা गया । (কৃষ্ণ দওয়ারা কংস মারা गया)।—  
কৃষ্ণের দ্বারা কংস বধ হয়েছিল।

क्या तुमसे हिसाब लिखा जा रहा है ? (ক্যা তুমসে হিসাব লিখা  
জা রহা হ্যায়?)—তোমার দ্বারা কি হিসাব লিখা হচ্ছে?

मजदूरों द्वारा नहर में काम होता था । (মজদুরৌ দওয়ারা নহর মেঁ  
কাম হোতা থা।)—শ্রমিকদের দ্বারা খালে কাজ হচ্ছিল।

ताजमहल बहुत खर्च करके बनवाया गया था । (তাজমহল বহুত  
খর্চ করকে বনবায়া गया था।)—অনেক খরচ করে তাজমহল তৈরী করা হয়েছিল।

कलकत्ता से कई दैनिक समाचार पत्र प्रकाशित होते हैं । (কলকত্তা  
সে कई দ্যায়নিক সমাচার পত্র প্রকাশিত হোতে হাঁয়।)—কলকাতা থেকে কয়েকটি  
সংবাদপত্র প্রকাশিত হয়।

उस पर चोरी का दोष लगाया गया था । (উস পর চোরী কা দোষ  
লগায়া गया था।)—তার ওপর চুরির দোষারোপ করা হয়েছিল।

वह काम होने दो । (ওয়হ্ কাম হোনে দো।)—ও কাজ হতে দাও।  
कहा जाता है कि, स्वामी विवेकानन्द भगवान शिव के अवतार  
थे । (কহা জাতা হ্যায় কি, সওয়ামী ওয়িওয়েকানন্দ ভগওয়ান শিওয় কে অওতার  
থে।)—বলা হয় স্বামী বিবেকানন্দ ভগবান শিবের অবতার ছিলেন।

आपको आपकी लापरवाही की सजा दी जाएगी । (আপকো আপকী  
লাপরবাহী কী সজা দী জাএগী।)—আপনাকে আপনার অবহেলার জন্য শাস্তি  
দেওয়া হবে।

### कुछ विविध वाक्य (কুছ ওয়িবিধ ওয়াকইয়)

#### किछु विविध वाक्य

यहां के प्राकृतिक दृश्य कितना सुन्दर था । (ইয়হাঁ কা প্রাকৃতিক দৃশ্যইয়  
কিতনা সুন্দর থা।)—এখানকার প্রাকৃতিক দৃশ্য কত সুন্দর ছিল।

कोई आदमी इतना अपमान नहीं सह सकता । (কোই আদমী  
ইতনা অপমান নহী সহ সক্তা।)—কোনও লোক তে অপমান সহ করতে  
পারে না।

रात को कितनी ठन्डा है । (रात को कितनी ठन्डा हाय।)—रात्रे कि ठण्डा।

हम बड़ा कठिन जीवन व्यतीत करते हैं । (हम बड़ा कठिन जीवन् व्यतीत करते हैं।)—আমরা খুব কঠিন জীবন যাপন করছি।

कलकत्ता हमारे देश के बहुत से नगरों की अपेक्षा बड़ा शहर है । (कलकत्ता हमारे देश के बहुत से नगरों की अपेक्षा बड़ा शहर हाय।)—কলকাতা আমাদের দেশের অনেক শহরের অপেক্ষা বড় শহর।

कृपया दरवाजा खोलिए । (कृपया दरवाजा खोलिए।)—দয়া করে দরজা খুলুন।

आप और एक रोटी लेंगे ? (आप और एक रोटी लेंगे?)—आपनि आर एकटा रूटि लेबेन?

क्या आप क्यों चुप रहे हो ? (क्या आप किंउ चुप रहे हो?)—आपनि केन चुप करे आछेन?

राजेन शैलेन की अपेक्षा बड़ा नहीं । (राजेन शायलेन की अपेक्षा बड़ा नहीं।)—राजेन शैलेन के चेये बड़ नय।

भीम दुर्योधन से अपेक्षा शक्तिशाली थे । (भीम दुर्योधन से अपेक्षा शक्तिशाली थे।)—भीम दुर्योधन के चेये शक्तिशाली छिलेन।

रमला कक्षा में सबसे अच्छी लड़की है । (रमला कक्षा में सबसे अच्छी लड़की हाय।)—रमला श्रेणीते (श्रेणी के मध्ये) सबचेये ভাল मेये।

बहुत कम भारतीय संत थे जो विवेकानंद जैसे लोकप्रिय थे । (बहुत कम भारतीय संत थे जो वियेकेनन्द ज्यैसे लोकप्रिय थे।)—अनेक अल्प भारतीय संन्यासी छिलेन यिनि विवेकानन्द के मते लोकप्रिय छिलेन।

नेताजी सुभाषचन्द्र लोकप्रिय नेता थे । (नेताजी सुभाषचन्द्र लोकप्रिय नेता थे।)—नेताजी सुभाषचन्द्र लोकप्रिय नेता छिलेन।

हमारा भारतवर्ष सबसे महान देश है । (हमारा भारतवर्ष सब से महान देश हाय।)—आमাদের ভারতবর্ষ সবচেয়ে মহান দেশ।

मनुष्य नाशवान है । (मनुष्य नाशवान हाय।)—মানুষ মরণশীল।



वह अपने रोज के काम की कभी उपेक्षा नहीं करती । (ওয়েহ্‌ अपने रोज के काम की कभी उपेक्षा नहीं करती।) — से निजेर रोजेर (প্রতিদিনের) কাজকে কখনও অবহেলা করে না।

पोलिश आनेका पहले ही चोर भाग गया । (पोलिश आनेका पहले ही चोर भाग गया।) — पुलिश आसार आगेई चोर पालियेछिन।

मैं स्टेशन पर पहुंचाने के पहले ही गाड़ी छुट गयी । (मैं स्टेशन पर पहुंचाने के पहले ही गाड़ी छुट गयी।) — आम्नि स्टेशने पৌछानेर आगेई गाड़ी छेड़े गेल।

कक्षा में कितना छात्र है ? (कक्षा में कितना छात्र है?) — श्रेणीते कत छात्र आछे?

बगीचा में कोई न था (बगीचा में कोई न था।) — बागाने केउ छिल ना।

लड़कों में से बहुत-से कल स्कूल नहीं आये । (लड़कों में से बहुत-से कल स्कूल नहीं आये।) — छेलेदेर मध्ये अनेके काल स्कूले आसेनि।

उस किताब में इस किताब की अपेक्षा ज्यादा पृष्ठ है । (उस किताब में इस किताब की अपेक्षा ज्यादा पृष्ठ है।) — ऐ बईटिर चेये ऐई बईटि ते बेसी पृष्ठा आछे।

दोनों व्यक्तियों में से कोई नहीं आया । (दोनों व्यक्तियों में से कोई नहीं आया।) — दू-टि लोकेर मध्ये केउ आसेनि।

क्या गिलास में पानी नहीं है ? (क्या गिलास में पानी नहीं है?) — गेलासे कि जल नेई?

कड़ाही में थोड़ा सा दूध है । (कड़ाही में थोड़ा सा दूध है।) — कड़ाहि ते अल्ल दूध आछे।

नदी में बहुत पानी था । (नदी में बहुत पानी था।) — नदीते अनेक जल छिल।

गया महिनो में नदी में बाढ़ आया था । गया महिनो में नदी में बाढ़ आया था।) — गत मासे नदीते बन्या एसेछिल।

क्या आप यह समाचार सुनकर खुश है ? (क्या आप इस समाचार

স্নকর খুশ্ হায়?)—আপনি কি এই খবর শুনে খুশী হয়েছেন?

ক্যা আপকা ভোজন হো চুকা কি নহী। (ক্যায়া আপকা ভোজন হো চুকা কি নহী)—আপনার অহার সমাপ্ত হয়েছে কি হয়নি?

ক্যা তুম वह सब दोगे जो कुछ मैं चाहूँ ? (ক্যায়া তুম্ ওয়হ্ সব্ দোগে জো কুছ্ মাঁয় চাহ্?)—তুমি কি সেই সব দেবে যা কিছু আমি চাইবো?

### कुछ प्रश्नोत्तर (কুছ্ প্রশ্নোত্তর)

आप कौन है ? (आप् कण् हय?)—आपनि के?  
मैं नितार्ई के मित्र है। (माँय नितार्ई के मित्र हय।)—आमि नितार्ইয়ের বন্ধু।

कौन सा जानवर हमें दूध देता है ? (कण् सा जान्‌वयर् हमें दूध् देता हय?)—কোন্ পশু আমাদের দুধ দেয়?

गाय हमें दूध देता है। (गाय हमें दूध् देता हय।)—গাভী আমাদের দুধ দেয়।

कौन सा जानवर भौंकता है ? (कण् सा जान्‌वयर् ভৌঁকতা হয়?)  
—কোন্ পশু ঘেউ ঘেউ করে?

कुत्ता भौंकता है। (कुत्ता ভৌঁকতা হয়।)—কুকুর ঘেউ ঘেউ করে।

किस पशु के सींग होते हैं ? (किस् पशु के सींग् होते हय?)—  
কোন্ পশুর শিং হয়?

गाय के सींग होते हैं। (गाय के सींग् होते हय।)—গুরুর শিং হয়।

कौन कौन सा पशु गाड़ी खींचता है ? (कण् কণ্ সা পশু গাড়ী খীঁচতা হয়?)—কোন্ কোন্ পশু গাড়ী টানে?

बैल और टट्टू गाड़ी खींचता है। (ब्यायल অওর্ টট্টূ গাড়ী খীঁচতা হয়।)—বলদ ও টাটু ঘোড়া গাড়ী টানে।

गदहे किस काम में आते है ? (गदहे किस् काम में आते हय?)  
—গাধা কি কাজে আসে?

गदहे भारवाही पशु है। (गदहे भारवाही पशु हय।)—গাধা ভারবাহী পশু।



कौन-से पशु के पीठ पर कुबड़ होता है और उसकी दूसरा नाम क्या है ? (कउन्-से पशु के पीठ पर कुबड़ होता हाय अउर् उसकी दूसरा नाम काया हाय?)—कौन् पशुर् पीठेर उपर कुँज हय ओ तार द्वितीय नाम कि?

ऊँठ की पीठ पर कुबड़ होता है और उसकी दूसरी नाम रेगीस्तान का जहाज है । (ऊँठ की पीठ पर कुबड़ होता हाय अउर् उसकी दूसरी नाम रेगीस्तान का जहाज हाय।)—ऊँठेर पीठे कुँज हय एवं ओदेर द्वितीय नाम मरूभूमिर् जहाज।

शहद की मक्खियाँ कहाँ रहती हैं ? (शहद की मक्खियाँ कहाँ रहती हाय।)—मोमाछिरा कोथाय থাকे?

शहद की मक्खियाँ छत्ते में रहता हैं । (शहद की मक्खियाँ छत्ते में रहता हाँय।)—मोमाछि मोचाके থাকे।

शिकारी पशु कौन कौन है ? (शिकारी पशु कउन् कउन् हाय?)—शिकारी पशु कि कि?

सिंह, शेर, चीता, नेकड़े आदि शिकारी पशु है । (सिंह, शेर, चीता, नेकड़े आदि शिकारी पशु हाय।)—सिंह, बाघ, चिता, नेकड़े आदि शिकारी पशु।

कौन सा जीव जाला बुनती है ? (कउन् सा जीव जाला बुनती हाय?)—कौन् जीव जाल बाने?

मकड़ी जाला बुनती है । (मकड़ी जाला बुनती हाय।)—मकड़सा जाल बाने।

कौन सा पशु हमें ऊन देता है ? (कउन् सा पशु हमें ऊन् देता हाय?)—कौन् पशु आमामेर् उल देय?

भेड़ हमें ऊन देता है । (भेड़ हमें ऊन् देता हाय।)—भेड़ा आमामेर् उल देय।

### प्रश्नसूचक वाक्य (प्रश्नसूचक वाक्य)

आपका शुभ नाम क्या है ? (आपका शुभ नाम काया हाय?)—आपनार (पोषाकी वा ভাল) नाम कि?

आपका परिचय क्या है ? (आपका परिचय क्या है?)—आपনার परिচয় কি?

क्या आप मूँझसे बड़े है ? (क्या आप मुँहसे बड़े है?)—आপনি কি আমার চেয়ে বড়?

आपके पिता का नाम क्या है ? (आपके पिताका नाम क्या है?)—আপনার পিতার নাম কি?

वह क्या करते है ? (वह क्या करते है?)—তিনি কি করেন?

आपकी क्या उम्र है ? (आपकी क्या उम्र है?)—आपনার বয়স কত?

आप कितने भाई है ? (आप कितने भाई है?)—आपনার কয়টি ভাই?

आपकी कितनी बहनें हैं ? (आपकी कितनी बहनें हैं?)—आपনার কতগুলি বোন?

तुम कौन से खेल खेलते हो ? (तुम कौन से खेल खेलते हो?)

—তুমি কোন খেলা খেল?

क्या तुम्हें लाठी चलानी आती है ? (क्या तुम्हें लाठी चलानी आती है?)—তুমি কি লাঠি খেলতে জানো?

क्या तुम्हारे स्कूल में व्यायाम सिखाते हैं ? (क्या तुम्हारे स्कूल में व्यायाम सिखाते हैं?)—তোমাদের স্কুলে কি ব্যায়াম শেখানো হয়?

आपको अधिक चोट तो नहीं आयी ? (आपको अधिक चोट तो नहीं आयी?)—आपনার বেশী আঘাত লাগেনি তো?

आपको तकलीफ क्या है ? (आपको तकलीफ क्या है?)—आपনার কষ্ট কি?

डक्टर साहब, क्या मैं चावल खा सकता हूँ ? (डॉक्टर साहब, क्या मैं चावल खा सकता हूँ?)—ডাক্তার বাবু, আমি কি ভাত খেতে পারি?

क्या कोई फालतु कापी आपके पास है ? (क्या कोई फालतु कापी आपके पास है?)—आपনার কাছে কি কোন বাজে খাতা আছে?

यह पर्चा किसने बनाया है ? (इयह पर्चा किसने बनाया है?)—এই



हर्द के तैरी करेछे?

आपका ध्यान किस ओर है ? (अपका ध्यान किस ओर हाय?)—

आपनार मनोयोग कौनदिके?

तुम्हारा पढ़ाई कैसी चल रही है ? (तुम्हारा पढ़ाई कायसी चल रही हाय?)—तोमार लेखापड़ा केमन चलछे?

इसका अर्थ क्या है ? (इस्का अर्थ काया हाय?)—एर अर्थ कि?

मुझे पढ़ने क्यों नहीं देते ? (मुझे पढ़ने किंउ नहीं देते?)—आमाके केन पढ़ते दिछ ना?

तुम किस कालेज में पढ़ते हो ? (तुम् किस कालेज में पढ़ते हो?)—तुमि कौन् कलेजे पढ़े?

उसकी परीक्षा कब से है ? (उस्की परीक्षा कब से हाय?)—तार परीक्षा कबे थेके?

यहां से बाजार कितनी दूर है ? (इयहाँ से बाजार कितनी दूर हाय?)—एथान थेके बाजार कत दूर?

आप उस दिन क्यों नहीं आये ? (आप् उस् दिन किंउ नहीं आये?)—आपनि सेदिन केन एलेन ना?

देखो लड़का क्यों रो रहा है ? (देखो लड़का किंउ रो रहा हाय?)—देख, छेले केन काँदछे?

आपका क्या हाल-चाल है ? (आप्का काया हाल चल हाय?)—आपनार केमन चलछे?

यह सड़क किधर जाती है ? (इयह सड़क किधर जाती हाय?)—एई रास्ता कौनदिके गेछे?

क्या यहां कोई किराये की मकान मिल सकती है ? (काया इयहाँ कौई किराये की मकान मिल सकती हाय?)—एथाने कि कौन भाड़ाटे बाड़ी पाओया यावे?

দরজা কখন খটখটা रहा है ? (দরওয়াজা কওন্ খটখটা रहा है ?)  
—কে दरजाय खटखटाछे (कड़ा नाड़छे)।

अमिताभ कहाँ है ? (अमिताभ कहाँ है ?)—अमिताभ कोथाय ?  
क्या है ? (क्या है ?)—कि হয়েছে ?

कौन है ? (कौन है ?)—কে ?

आज नई बस्तु क्या पकी है ? (आज नई वस्तु क्या पकी है ?)  
—आज नतून जिनिस कि रान्ना হয়েছে ?

आप नाराज हो गये ? (आप नाराज हो गये ?)—आपनि राग  
करेछे ?

आप मेरी बात को क्यों काटते हो ? (आप मेरी बात को किंউ  
काटते हो ?)—आपनि आमार কথা কেন बाद दिछेछे ?

मैं किसका विश्वास करूं ? (मैं किसका विश्वास करूं ?)—आमि काके  
विश्वास करबो ?

आप मेरी ओर क्यों घूरते हैं ? (आप मेरी ओर किंউ घूरते हैं ?)  
—आपनि आमार पिछने কেন घूरछे ?

तुम्हें चिन्ता किस बात की है ? (तुम्हें चिन्ता किस् बात की है ?)  
—तोमार किसের চিন্তা ?

क्या हम यहां थोड़ा सुस्ता लें ? (क्या हम थोड़ा सुस्ता लें ?)  
—आमि कि एथाने सामान्य विश्राम करबो ?

क्या मैं थोड़ी देर के लिए आपकी साईकल ले सकता हूँ ?  
(क्या मैं थोड़ी देर के लिए आपकी साईकल ले सकता हूँ ?)—आमि कि  
किछुक्कणेर जन्य आपनार साईकलটি নিতে পারি ?

क्या मैं इस कमरे में ठहर सकता हूँ ? (क्या मैं इस कमरे में  
ठहर सकता हूँ ?)—आमि कि এই कमরায় থাকতে পারি ?

मैं भी चलूं ? (मैं भी चलूं ?)—आमिও যাবো ?

क्या मैं टेलीफोन कर लूं ? (क्या मैं टेलीफोन कर लूं ?)—आमि  
कि টেলিফোন করে নেবো ?



क्या मैं आपके कमरे के अन्दर आ सकता हूँ ? (क्या मैं आपसे कमरे के अन्दर आ सकता हूँ?)—आमि कि आपनार कायमार मध्ये आसते पारि?

तुम्हारा जन्मदिन कब होता है ? (तुम्हारा जन्मदिन कब होता है?)  
—तोमार जन्मदिन कबे हये थाके?

आप घर में कितने बजे तक आ जाते हैं ? (आप घर में कितने बजे तक आ जाते हैं?)—आपनि घरे कटा नागाद आसेन?

आज क्या तारीख है ? (आज क्या तारीख है?)—आज कत तारीख?

आपकी घड़ी में क्या बजा है ? (आपकी घड़ी में क्या बजा है?)  
—आपनार घड़िते कटा बेजेछे?

### पाठ—१५ (पाठ—१६)

और कुछ विभिन्न प्रकार वाक्य

(आरओ किछु विभिन्न प्रकार वाक्य)

गुस्सा करना कमजोरी की निशानी है । (गुस्सा करना कमजोरी की निशानी है।)—राग करा दुर्बलतार छिह।

यह कपड़ पन्द्रह रुपये मीटर है । (इयह कपड़ा पन्द्रह रूपये मीटर है।)—एई कापड़ पनेर टाका मिटर।

गीले कपड़े मत पहनो । (गीले कापड़े मत पहनो।)—भिजे कापड़ परो ना।

इसमें कोई तकलीफ नहीं । (इसमें कोई तकलीफ नहीं।)—एते कोनओ कष्ट नेई।

यह नैशनल बैंक का चैक है । (इयह नेशनल बैंक का चेक है।)—एटि न्याशनल ब्यांकेर चेक।

मेरी अर्जी मंजूर हो गयी । (मेरी अर्जी मंजूर हो गयी।)—आमार

আবেদন মঞ্জুর হয়ে গেছে।

आप जो कुछ कर रहे हैं, मैं सब समझ रहा हूँ । (आप जो कुछ कर रहे हैं, मैं सब समझ रहा हूँ।)—आपनि या किछु करছেন, আমি সবই বুঝতে পারছি।

यहाँ दस्तखत कीजिए । (ইয়হাঁ দস্তখত কীজিএ।)—এখানে সই করুন।  
वह तो एक साधारण आदमी है । (ওয়হ্ তো এক সাধারন্ আদমী হায়।)—সে তো একজন সাধারণ লোক।

मुझे ट्रंककाल करना है । (মুঝে ট্রংককাল করনা হায়।)—আমাকে ট্রংককাল করতে হবে।

आलसी आदमी अधमरे के समान है । (আলসী আদমী অধমরে কে সমান হায়।)—কুঁড়ে লোক অধর্মতের সমান।

यह कपड़ा बहुत गर्म है । (ইয়হ্ কপড়া বহুত গর্ম হায়।)—এই কাপড় খুব গরম।

ऊसने अपने पाप का प्रायश्चित्त कर डाला । (উসনে অপ্নে পাপ কা প্রায়শ্চিত্ত কর ডালা।)—তিনি নিজের পাপের প্রায়শ্চিত্ত করেছেন।

तुम्हें सच बात बतानी चाहिए । (তুম্হেঁ সচ ওয়াত বতা দেনী চাহিএ।)—তোমার সত্য কথা বলে দেওয়া উচিত।

आजकल काम का तेज है । (আজকল্ কাম কা তেজ হায়।)—আজকাল কাজের খুব জোর।

उसे चेत्तावनी दे दी गई है । (উসে চেতাওয়নী দে দী গঈ হায়।)—তাকে ভবিষ্যৎ বাণী দিয়ে দিয়েছি।

न उधार दो, न लो । (ন উধার দো, ন লো।)—ধার দিও না; ধার নিও না।

न धोखा दो, न खाओ । (ন ধোখা দো, ন খাও।)—প্রতারণা করো না, প্রতারণায় পড়ো না।

आपके-पास कमोजों का कपड़ा है ? (আপ্কে-পাস্ কমীজৌঁ কা কপড়া হায়?)—আপনার কাছে শার্টের কাপড় আছে?

इतना काफी है । (ইত্না কাফী হায়।)—এই যথেষ্ট।

आपकी कृपा है । (আপকী কৃপা হায়।)—আপনার দয়া।



बुरा न मानियेगा । (বুরা ন মানিয়েগা।)—থারাপ মনে করবেন না।

बायीं ओर रहिये । (বারীং ওর রহিয়ে।)—বাঁদিকে থাকুন।

इस दफ्तर में हैड क्लर्क ही सब कुछ है । (ইস্ দফতর্ মেঁ হেড্ ক্লর্ক্ হী সব কুছ্ হায়।)—এই অফিসে হেড্ ক্লার্কই সব কিছু।

यह बड़ी अच्छी तस्वीर है । (ইয়হ্ বড়ী অচ্ছী তস্বীর হায়।)—এটি খুব ভালো ছবি।

यह कपड़ा मजबूत लगता है । (ইয়হ্ কপড়া মজবুত লগতা হায়।)—এই কাপড় শক্ত মনে হচ্ছে।

सिर्फ नेक आदमी ही सुखी है । (সির্ফ নেক আদমী হী সুখী হায়।)—শুধু ধার্মিক ব্যক্তিই সুখী হন।

पुराना कमीज पहनों, नई घोती खरीदो । (পুরানা কমীজ পহনোঁ, নঈ ধোতী খরীদো।)—পুরাতন শার্ট পর, নতুন ধুতি কেন।

आपका सहायता के लिए धन्यवाद । (আপকা সহায়তা কে লিএ ধনইয়ওয়াদ।)—আপনার সাহায্যের জন্য ধন্যবাদ।

बिना आज्ञा अन्दर नहीं आ सकते । (ওয়িনা আগ্যা অন্দর নহী আ সক্তে।)—হুকুম ছাড়া ভিতরে আসতে পারবে না।

क्या मेरे लिए कोई फोन है ? (ক্যা মেরে লিএ কোই ফোন হায়?)—আমার কি কোনও ফোন এসেছে?

कृपया यह सामान मेरे कमरे में पहुंचा दीजिए । (কৃপয়া ইয়হ্ সামান মেরে কমরে মেঁ পহুঁচা দীজিএ।)—দয়া করে এই জিনিসপত্র আমার ঘরে পৌঁছে দিন।

यह सन्दूक बड़ा भारी है । (ইয়হ্ সন্দুক বড়া ভারী হায়।)—এই সিন্দুকটি খুব ভারী।

खाली दिमाग शैतान की दुकान । (খালী দিমাগ শায়তান কী দুকান।)—খালি মস্তিষ্ক শয়তানের ভাণ্ডার।

आराम हराम है । (আরাম হরাম হায়।)—আরামই দুঃখের মূল।

जिन्दगी सेवा के लिए है । (জিন্দগী সেবা কে লিএ হায়।)—জীবনটাই তো পরের উপকারের জন্য।

आजकाल नई उम्र के लोग नये फैशन के कपड़े पहनते हैं ।  
(आजकाल नई उम्र के लोग नये फैशन के कपड़े पहनते हैं।) — आजकाल  
युवक नतून फ्याशानेर पोषाक परे।

पाठ—१६ (पाठ—१७)

कानून, रेडियो, डाकखाना और भ्रमण

आईन, रेडियो, पोस्टाफिस एवंग भ्रमण

उस पर डाकाइती का आरोप लगाया गया । (उस पर डाकाइती  
का आरोप लगाया गया।) — तार उपर डाकातीर अतिथोग करा हयैछे।

तुमने गैर-कानुनी काम की है । (तुमने गायर-कानुनी काम की हयै।)  
—तुमि बे-आईनी काज करैछ।

वह तीन दिन हवालात में रहा । (वह तीन दिन हवालात में  
रहा।) — से तिन दिन हाजते छिल।

आप मेरे गवाह है । (आप मेरे गवाह हयै।) — आपनि आमार साक्षी।

उसको मृत्यु-दंड मिला । (उसको मृत्यु-दंड मिला।) — तार मृत्युदण्ड  
हयैछे।

वह फरार हो गया । (वह फरार हो गया।) — स फेरारी हयै गेछे।

मैंने उसको विरुद्ध अभियोग किया । (मैंने उसको वीरुद्ध  
अतिथोग किया।) — आमि तार वीरुद्ध अतिथोग करैछि।

ये कानून के खिलाफ है । (ये कानून के खिलाफ हयै।) — एटि  
आईनेर वीरुद्ध।

पुलिस इस विषय में तफतीश कर रही है । (पुलिस इस वीसय  
में तफतीश कर रही हयै।) — पुलिश एई विषये अनुसन्धान करछे।

बकीलों ने गवाहों पर दमन किए । (वकीलों ने गवाहों पर दमन  
किए।) — वकीलरा साक्षीदेर दमन करैछे।



জুরী নে अभियुक्त के पक्ष में निर्णय दिया । (জুরী নে অভিযুক্ত  
কে পক্ষ में নিরুঁয় दिया।)—জুরীরা অভিযুক্তের পক্ষে রায় দিয়েছেন।

हमारा रेडियो खराब हो गया । (হমারা রেডিয়ো খরাব হো गया।)  
—আমাদের রেডিও খারাপ হয়ে গেছে।

मैं रेडियो सुनने का बड़ा शौकीन हूँ । (মায় রেডিয়ো সুননে কা বড়া  
শওকীন হুঁ।)—আমার রেডিও শোনার খুব সখ।

समाचार सब स्टेशनों पर फौला गया । (সমাচার সব স্টেশনৌ পর  
ফায়লা गया।)—সংবাদ সব স্টেশনগুলিতে ছড়িয়ে গেছে।

तुम्हारा रेडियो बन्द है । (তুমহারা রেডিও বন্দ হায়।)—তোমার রেডিও  
বন্ধ আছে।

इयाम का रेडियो चल रहा है । (ইয়াম্ কা রেডিয়ো চল্ রহা হায়।)  
—শ্যামের রেডিওটি চলছে।

रजिस्टर्ड पत्रों पर पुरे टिकट दे दिया । (রজিস্টর্ড পত্রৌ পর্ পুরে  
টিক্ট দে दिया।)—রেজিস্টর্ড পত্রগুলির ওপর পুরা টিকিট দিয়েছি।

क्या आपने पार्सल का तोल कर लिया है ? (क्या आपने पार्सल  
का तोल कर लिया हय?)—आपनि कि पार्सेल ओजन करे निरेखेन?

डाकिया चिट्ठी बिलाता था । (डाकिया चिट्ठी बिलाता था।)—पिओन  
चिट्ठी बितरण करछिल।

मैंने गोपाल को सौ रूपये मनीअर्डर द्वारा भेज दिया । (मयने  
गोपाल को सौ रूपये मनीअर्डर दयारा भेज दिया।)—आमि एकश टाका  
गोपालके मनि अर्डर साहायो पाठियेछि।

कृपया मनीअर्डर की रसीद भेजना । (कृपया मनीअर्डर की रसीद  
भेजना।)—दया करे मनिअर्डरेर रसीद पाठाबेन।

डाक हररोज तीन समय बँटती है । (डाक हररोज् तीन समय बँटती  
हय।)—डाक प्रतिदिन तिन समय (बार) बिलि हय।

हम रास्ता भूल गये । (हम् रास्ता भूल गये।)—आमरा रास्ता भूले গেছি।

हम साथ साथ चलेंगे । (हम साथ साथ चलेंगे।)—आमरा सङ्गे सङ्गे  
यावो।

मुझे जलपाईगुड़ी जाना है । (मुझे जलपाईगुड़ी जाना हाय।)—आमाके  
जलपाईगुड़ी যেতে হবে।

आप कहाँ ठहरेगा ? (आप कहाँ ठहरेगा?)—आपनि कोथाय থাকবেন?  
तुम पैदल चलोगे या ट्रेन से ? (तुम् प्याय्दल् চলোঙ্গে ইয়া ট্রেন সে?)  
—তুম হেঁটে যাবে অথবা ট্রেনে যাবে?

बोम्बार्ड मेल किस समय छूटता है ? (बोम्बार्ड मेल किस समय छूटता  
हाय?)—বোম্বাই মেল কখন ছাড়ে?

हावड़ा स्टेशन यहाँ से कितनी दूर है ? (हावड़ा स्टेशन इयहाँ से  
कितनी दूर हाय?)—হাওড়া স্টেশন এখান থেকে কতদূর?

यहाँ से केवल दस मिनट का रास्ता है । (इयहाँ से केवल दस  
मिनट का रास्ता हाय।)—এখান থেকে মাত্র দশ মিনিটের রাস্তা।

हम समय पर पहुंच जाएंगे । (हम समय पर पहुँच जायेंगे।)—আমরা  
ঠিক সময়ে পৌঁছে যাবো।

जल्दी चलिए, हमें साढ़े नौ बजे की गाड़ी पकड़ना होगा । (जल्दी  
चलिए, हमें साढ़े नौ बजे की गाड़ी पकड़ना होगा।)—তাড়াতাড়ি চলুন,  
আমাদের সাড়ে নটার গাড়ী ধরতে হবে।

मैं अपने लड़का को स्टेशन पर बिदा करने जा रहा हूँ । (मैं  
आपने लड़का को स्टेशन पर बिदा करने जा रहा हूँ।)—আমি নিজের ছেলেকে  
বিদায় জানাতে স্টেশনে যাচ্ছি।

गाड़ी अब दिखाई नहीं देती । (गाड़ी अब दिखाई नहीं देती।)—গাড়ী  
তো এখনও দেখা যাচ্ছে না।

सड़क मरम्मत के लिए बन्द है । (सड़क मरम्मत के निम्ने बन्द हाय।)  
—মেরামতের জন্য রাস্তা বন্ধ আছে।

कुली जहाज से सामान उतार रहे हैं । (कुली जहाज से सामान उतार  
रहे हैं।)—কুলী জাহাজ থেকে মাল নামাচ্ছে।



## পাঠ—১৩ (পাঠ—১৭)

चावल का क्या भाव है ? (चावल का क्या भाव है?)—চালের দর কত?

उसने अपना घन व्यापार में लगा दिया । (उसने अपना घन व्यापार में लगा दिया।)—তিনি নিজের অর্থ ব্যবসায় লাগিয়ে দিয়েছেন।

पैसे गिन लीजिए । (पैसे गिन लीजिए।)—পরিসা গুণে নিন।

मजदूरी ठहरा लो । (मजदूरी ठहरा लो।)—মজুরী ঠিক করে নাও।

तुम्हारी मजदूरी मिल गयी ? (तुम्हारी मजदूरी मिल गयी?)—তোমার মজুরী মিলেছে?

आप मेरे लिए कितना रूपैया दे सकते हैं ? (आप मेरे लिए कितना रूपैया दे सकते हैं।)—আপনি আমার জন্য কত টাকা দিতে পারেন?

पेशगी रूपैया देना होगा । (पेशगी रूपैया देना होगा।)—আগাম টাকা দিতে হবে।

क्या उसने आपका वेतन दे दिया ? (क्या उसने आपका वेतन दे दिया?)—তিনি কি আপনার বেতন দিয়ে দিয়েছেন?

मेरे पास नकद रूपैया नहीं है । (मेरे पास नकद रूपैया नहीं है।)—আমার কাছে নগদ টাকা নাই।

मुझे कई बिलों का पैसा चुकाना है । (मुझे कई बिलों का पैसा चुकाना है।)—আমাকে কিছু বিলের পরিসা মেটাতে হবে।

दूसरों से झगड़ा मत करो । (दूसरों से झगड़ा मत करो।)—অপরের সঙ্গে ঝগড়া করো না।

दूसरों की बुराई मत करो । (दूसरों की बुराई मत करो।)—অপরের মন্দ করিও না।

दूसरो पर भरोसा मत करो । (दूसरो पर भरोसा मत करो।)—অপরের উপর নির্ভর করো না।

जितना हो सके, साफ लिखो । (जितना हो सके, साफ लिखो।)—যতটা পারো পরিষ্কার করে লেখো।

बड़ों के साथ सम्मानपूर्वक बात करो । (बड़ों के साथ सम्मानपूर्वक बात करो।)—বড়ো কে সাথে সম্মানপূর্ণভাবে কথা

বাত করো)—বড়োদের সঙ্গে সম্মানপূর্বক কথা বলো।

क्या उनसे आपका कोई लेन-देन है ? (क्याा उन्से आप्का कोई लेन-देन हाय?)—तार সঙ্গে आपनार কোনओ लेन-देन आछे नाकि?

धनसे धन कमाया जाता है । (धनसे धन् कमाया जाता हाय।)—अर्थे अर्थ উপার্জন करा याय।

ये चिट्ठियाँ लेटर बक्स में डालो । (इये चिट्ठीयाँ लेटर बक्ख मे डालो।)—এই চিঠিগুলি লেটার বক্সে ফেলে দাও।

राम का काम कैसे चल रहा है ? (राम का काम क्वायसे चल रहा हाय?)—रामेर काज-कर्म केमन चलछे?

सच्ची बात सबकी कड़वी लगती है । (सच्ची बात सब्को कड़वी लगती हाय।)—सत्य कथा सकलैरই कटू लागे।

सदा सच की विजय होती है । (सदा सच् की व्जियजय होती हाय।)—सर्वदा सত্যের জয় হয়।

हर गधे को अपनी आवाज सुरीली लगती है । (हर गधे को अपनी आवाज सुरीली लगती हाय।)—सब गाधारई निजेर आवाज सुरेला लागे।

आदमी पेट का दास है । (आदमी पेट का दास हाय।)—মানুষ পেটের দাস।

परिश्रम ही सबसे बड़ा धन है । (परिश्रम ही सब्से बड़ा धन् हाय।)—परिश্রমই সবচেয়ে বড় অর্থ।

ईमानदारी सबसे अच्छी नीति है । (ईमानदारी सब्से अच्छी नीति हाय।)—সত্যতা সব চেয়ে উত্তম নীতি।

स्टेशन से पार्सल छुड़ा लाओ । (स्टेशन से पार्सल छुड़ा लाओ।)—स्टेशन থেকে পার্সেল ছাড়িয়ে আনো।

क्या तुम कोई व्यापार करते हो ? (क्याा तूम् कोई व्यापार करते हो?)—তুমি কি কোন ব্যবসা করছো?

हम आड़ती है । (हम् आड़ती हाय।)—আমরা আড়তদার।

पाँचो उंगलियाँ बराबर नहीं होती । (पाँचो उंगलियाँ बराबर नहीं होती।)



হোতী।) — পাঁচটি আঙুল সমান হয় না।

ফিল্ম কিস সময় শুরু होगी ? (ফিল্ম কিস সময় শুরু হোগী?)

ফিল্ম কখন আরম্ভ হবে?

आपको कौन से खेल पसंद है । (আপকো কওন্ সে খেল পসন্দ হায়।)

— আপনার কোন খেলা পছন্দ?

दिल्ली जाने के लिए रेल ठीक होगी या बस ? (দিল্লী জানে কে লিএ রেল ঠিক হোগী ইয়া বস?) — দিল্লী যাবার জন্য রেল ঠিক হবে, না বাস?

### पाठ—१८ (पाठ—१८)

#### नौकर से बातचीत (नौकर से बातचीत)

চাকরের সঙ্গে কথাবার্তা

मोदी से मसला लाओ । (মোদী সে মসলা নাও।) — মুদীর কাছ থেকে মশলা আনো।

कपड़ा भुवनेश्वरी वस्त्रालय से लाना । (কপড়া ভুবনেশ্বরী ওয়স্ত্রালয় সে লানা।) — কাপড় ভুবনেশ্বরী বস্ত্রালয় থেকে আনবে।

मुझे सबेरे जगा देना । (মুঝে সবেরে জগা দেনা।) — আমাকে সকালে জাগিয়ে দিও।

मुझे एक प्याला चाय बना दो । (মুঝে এক প্যায়ালা চায় বনা দো।) — আমাকে এক কাপ চা তৈরী করে দাও।

खाना जल्दी बनाओ । (খানা জল্দী বনাও।) — তাড়াতাড়ি খাবার প্রস্তুত কর।

मैला कामिज धोबी को दे देना । (ময়লা কামিজ ধোবী কো দে দেনা।) — ময়লা জামা ধোপাকে দিয়ে দেবে।

चार बजे से पहले कमरा साफ कर लेना । (চার বজে সে পহলে কমরা সাফ কর লেনা।) — চারটে বাজার আগে ঘর পরিষ্কার করে নেবে।

### होटल में (होटल में) — होटल

नमस्ते, मैनेजर साहब । (নমস্ते, ম্যানেজর সাহেব।) — নমস্কে, ম্যানেজর সাহেব।

नमस्ते जी । मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ । (नमस्ते जी। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ।) —नमस्कार महशय। আমি আপনার জন্য কি করতে পারি?

आपका होटल में कोई कमरा खाली होगा ? (आपका होटल में कोई कमरा খালী হোگا?) —আপনার হোটেলে কোন ঘর খালি আছে?

जरूर होगा जी । (जरूर होगा जी।) —নিশ্চয়ই হবে মহাশয়।

मुझे यहां कुछ दिनों के लिए ठहरना हैं । (मुझे इयहाँ कुछ दिनों के लिए ठहरना हाय।) —আমাকে এখানে কিছুদিনের জন্যে থাকতে হবে।

बहुत खूशी के बात है । आपका शुभ नाम ? (बहुत खूशी के बात हाय। आपका शुभ नाम?) —খুবই আনন্দের কথা। আপনার শুভ নাম?

मेरा नाम आनन्द मोहन रय । (मेरा नाम आनन्द मोहन रय।) —আমার নাম আনন্দমোহন রায়।

आप कहाँ से आए हैं ? (आप कहाँ से आए हाँय?) —আপনি কোথা থেকে আসছেন?

नागपुर से आता है । (नागपुर से आता हाय।) —নাগপুর থেকে আসছি।

आप क्या काम करते हैं ? (आप क्याया काम करते हाँय।) —আপনি কি কাজ করেন?

मैं एक कॉपानी का एजेंट हूँ । (मैं एक कोम्पानी का एजेंट हूँ।) —আমি একটি কোম্পানীর এজেন্ট।

आपका कैसा कमरा चाहिए ? (आपका क्याया कमरा चाहिए?) —আপনার কি রকম ঘর চাই?

मुझे सिंगल बेड के कमरे का जरूरत है । (मुझे सिंगल बेड के कमरे का जरूरत हाय।) —আমার সিঙ্গেল বেডের কামরার দরকার।

ठिक है मिल जायेगा । (ठिक हाय मिल जाएगा।) —ঠিক আছে, পাবেন।

सिंगल बेड के कमरे का क्या किराया होगा ? (सिंगल बेड के कमरे का क्याया किराया होगा?) —সিঙ্গেল বেডের কামরার ভাড়া কত হবে?



सिर्फ दस रुपैया । खाना पीना अलग लगेगा । (सिर्फ दस रुपयाय्या । खाना पीना अलग लगेगा ।) — मात्र दश টাকা । खाওয়ার খরচ পৃথক লাগবে ।

ठिक है, वही होगा । (ठिक शाय, ओयही होगी) — ठिक আছে, তাই হবে ।  
रामु ! बाबुका सामान कमरा नम्बर चार में ले जाओ । (रामू ! बाबूका सामान कायरा नम्बर चार में ले जाओ ।) — रामू ! বাবুর জিনিসপত্র কাयরা নম্বর চারে নিয়ে যাও ।

कोई मिलने आए तो कमरे में भेज दें । (कोई मिलने आए तो कमरे में भेज दें) — কেউ দেখা করতে এলে ঘরে পাঠিয়ে দেবেন ।

टैक्सी ड्राइवर के साथ (टेक्सी ड्राइवर के साथ)

ট্যাক্সী ড্রাইভারের সঙ্গে

ड्राइवर, मुझे शहर का सबसे बढ़िया होटल में ले चलो । (ड्राइवर, मुझे शहर का सबसे बढ़िया होटल में ले चलो ।) — ড্রাইভার, আমাকে শহরের সবচেয়ে ভালো হোটেলে নিয়ে চলো ।

आइए बैठिए श्रीमानजी । (आइए ब्याठिये श्रीमानजी) — दया करे उठे बसून महशर ।

बससे बढ़िया होटल का नाम क्या है ? (सबसे बढ़िया होटल का नाम क्या है ?) — सबচেये ভালো होटেলের নাম কি ?

सो बिउ होटल । (सो बिउ होटल) — সো ভিউ হোটেল ।

वां होटल यहां से कितनी दूर है ? (यंय होटल इयहां से कितनी दूर है ?) — ঐ হোটেল এখান থেকে কত দূর ?

लगभग तीन किलोमीटर । (लगभग तीन किलोमीटर) — প্রায় তিন কিলোমিটার ।

तुम मेरा सामान कहाँ रखोगे ? (तुम मेरा सामान कहाँ रखोगे ?) — তুমি আমার মালপত্র কোথায় রাখবে ?

मैं इसे गाड़ी की कैरियर में रख दूंगा । (मैं इसे गाड़ी की कैरियर में रख दूंगा) — আমি একে গাড়ীর কেরিয়ারে রেখে দেব ।

एक घंटे वेटिंग का क्या किराया है ? (एक घंटे वेटिंग का क्या किराया है ?)



কিরায়া হায়?)—এক ঘণ্টা ওয়োটিং-এর ভাড়া কত?

তিন রুপয়, শ্রীমান জী। (তিন রুপয়ে, শ্রীমান জী।)—তিন টাকা মহশয়।

তিন কিলোমিটার কে लिए तुम कितने किराया लोगे ? (তিন কিলোমিটার কে लिए তুমি কতনে কিরায়া লোগে?)—তিন কিলোমিটারের জন্য তুমি কত ভাড়া নেবে?

दस रूपये। (দশ রুপয়ে।)—দশ টাকা।

तुम सामान का कितना लेते हो ? (তুমি সামান্ কা কিতনা লেতে হো?)—তুমি মালপত্রের জন্য কত নাও?

एक रूपया प्रति नग। (এক রুপয়া প্রতি নগ।)—এক টাকা প্রতি ব্যাগ।

क्या तुम रेटलिस्ट के हिसाब से किराया लेते हो ? (ক্যা তুম রোটলিস্ট কে হিসাব সে কিরায়া লেতে হো?)—তুমি কি রোটলিস্ট অনুযায়ী ভাড়া নাও?

जी, जनाव ! (জী, জনাব।)—হ্যাঁ, মহশয়।

तुम्हारे रेटलिस्ट दिखाईए। (তুমহারে রোটলিস্ট দিখাইএ।)—তোমার রোটলিস্ট দেখাও।

यह देख लीजिए। (ইয়হ্ দেখ লীজিএ।)—এই দেখে নিন।

किसने इसे पास किया है ? (কিসনে ইসে পাস কিয়া হ্যায়।)—এটি কে পাস করেছে?

उत्तर प्रदेश नगर निगम ने। (উত্তর প্রদেশ নগর নিগম নে।)—উত্তরপ্রদেশ মিউনিসিপ্যালিটি।

तब तो ठिक है, ले चलो। (তব তো ঠিক হ্যায়, লে চলো।)—তাহলে তো ঠিক আছে, নিয়ে চলো।

रेलवे स्टेशन पर (रेलवे स्टेशन पर) रेल स्टेशन

बोम्बार्ड जानेवाली गाड़ी कब आती है ? (বোম্বাই জানেওয়ালী গাড়ী কব্ আতী হ্যায়?)—বোম্বাই যাবার গাড়ী কখন আসে?

ढाई बजे। (ঢাই বজে।)—আড়াইটার সময়।

किस प्लेटफार्म से छुटती है और किस समय ? (কিস প্লেটফার্ম সে ছুটতী হৈ অর কিস সময় ?)



से छुटती हाय अउर किस समय?)—कौन् प्लॉटफर्म थेके छाड़े एवं कौन् समय?

प्लॉटफर्म नं० ३ से सवा चार बजे । (प्लॉटफर्म नं० ३ से सওয়া चार बजे।)—प्लॉटफर्म नं० ३ थेके सওয়া चारटेर समय।

मुझे टिकट कहाँ से मिलेगा ? (मुझे टिकट कहाँ से मिलेगा?)—आमि टिकिट कोथाय पावो?

खिड़की नं० २ से । (खिड़की नं० २ से।)—जानाला नं० २ थेके।

गाड़ी यहां कितनी देर ठहरती है ? (गाड़ी ईहाँ कितनी देर ठहरती हाय।)—गाड़ी एथाने कतक्कण थामे?

यह यहाँ एक घंटा ठहरती है । (इयह् इयहाँ एक घंटा ठहरती हाय।)—एटि एथाने एक घंटा थामे।

क्या आप जानते हो, बोम्बार्ड का किराया कितना है ? (क्या आप जानते हो, बोम्बार्ड का किराया कितना हाय?)—आपनि कि जानेन, बोम्बार्डियेर भाड़ा कत?

मालूम नहीं, अभी तो किराया बढ़ गया । (मालूम नहीं, अभी तो किराया बढ़ गया।)—जानि ना, एथन तो भाड़ा बेड़े गेछे।

कूली, मेरा सामान तीन नं० प्लॉटफर्म पर ले चलो । (कूली, मेरा सामान तीन नम्बर प्लॉटफर्म पर ले चलो।)—कूली, आमार मालपत्र तिन नम्बर प्लॉटफर्मे निये चलो।

ले जाते हैं श्रीमान । (ले जाते हाय श्रीमान्।)—निये याछि बाबू।

तुम्हारा कूलीयाना कितना है ? (तुम्हारा कूलीयाना कितना हाय?)—तोमार कूलीभाड़ा कत?

सवा रूपैया फी नग श्रीमानजी । (सওয়া रूपय्या फी नग् श्रीमान्जी।)—सওয়া एक टाका प्रति ब्याग महशय।

चार नग के लिए कितना होता है ? (चार नग् के लिए कितना होत हाय?)—चारटि ब्यागे कत हछे?

पाँच रूपैया श्रीमानजी । (पाँच रूपैया श्रीमान्जी।)—पाँच टाका महशय।

यह तो पाँच रूपये । (इयह् लो पाँच रूपये।)—एई नाओ पाँच टाका।

आइए अपना डिब्बा तलाश कर लें । (আইএ আপনা ডিব্বা তলাশ কর লেঁ।)—আসুন আপনার কামরা খোঁজ করে নিন।

यह रहा मेरा डिब्बा । (ইয়হ্ রহা মেরা ডিব্বা।)—এই যে আমার কামরা।

क्या आप थोड़ा सा खिसकेंगे ? (ক্যায়া আপ থোড়া সা খিস্-কেঙ্গে?)—আপনি কি অল্প সরে বসবেন?

अवश्य, जो थोड़ी-सी जगह है उसका उपयोग कीजिए । (অওয়শ্ইয়, জো থোড়ী-সী জগহ্ হ্যায় উস্কা উপযোগ কীজিএ।)—অবশ্য, যে সামান্য স্থান আছে তার উপযোগ করুন।

बस स्टॉप पर (বস স্টাঁপ পর) बस स्टपेजे

कृपया आप बताने सकेगा कि आरामबाग जाने की बस कहां से मिलेगी ? (কৃপয়া আপ বতানে সকেগা কি আরামবাগ জানে কী বস্ কহাঁ সে মিলেগী?)—আপনি কি দয়া করে বলতে পারেন আরামবাগ যাবার বাস কোথা থেকে পাওয়া যাবে?

यहां से सब बसें वहीं जाती हैं । (ইয়হাঁ সে সব বসেঁ ওয়হীঁ জাতী হ্যায়।)—এখান থেকে সব বাসগুলিই ওখানে যায়।

मैं लाइन में कहां खड़ा हीऊँ ? (ম্যৈ লাইন মৈঁ কহাঁ খড়া হোউঁ?)—আমি লাইনে কোথায় দাঁড়াবো?

मेरा पीछे खड़ा हो जाइए । (মেরা পীছে খড়া হো জাইএ।)—আমার পিছনে দাঁড়ান।

धन्यवाद ! आरामबाग पहुंचने में कितना समय लगता है ? (ধন্যইয়ওয়াদ্! আরামবাগ পহুঁচনে মৈঁ কিতনা সময় লগতা হ্যায়?)—ধন্যবাদ!

আরামবাগ পৌঁছাতে কত সময় লাগে?

लगभग टाई तीन घंटे लग जाएगा । (লগ্ভগ্ টাই তিন ঘণ্টে লগ জাজাএগা।)—প্রায় আড়াই তিন ঘণ্টা লেগে যাবে।

अगली बस कब आएगी ? (অগলী বস্ কব্ আএগী?)—পরের বাস কখন আসবে?



यह कहना मुश्किल है । दस मिनट में भी आ सकती है और आधा घंटा भी ले सकती है । (इयह कहना मुश्किल हय। दस मिनट में भी आ सकती हय अओर आधा घंटा भी ले सकती हय।)—एटा बना मुश्किल। दस मिनटों के मध्येओ आसते पारे आबार आध घंटाओ निते पारे।

यह देखिए, आपकी बस आ गयी । जल्दी से चढ़ जाईए । (इयह देखिये, आपकी बस् आ गयी। जल्दी से चढ़ जाईए।)—ऐ देखुन, आपनार बास एसे गेछे। ताड़ताड़ि उठे पडुन।

धन्यवाद ! नमस्ते । (धन्यवाद! नमस्ते।)—धन्यवाद! नमस्कार।

टेलीफोन (टेलीफोन)—टेलिफोन

हैलो, आप कौन बोलते हैं ? (हालो, आप् कउन् बोलते हैं?)  
—हालो, आपनि के कथा बलछेन?

मैं मि: चौधुरी बोल रहा है । (माँय मि: चउधुरी बोल रहा हय।)  
—आमि मि: चौधुरी बलछि।

कहिए, क्या समाचार है ? (कहिए, कय्या समाचार हय?)—बलुन, कि खबर ?

कृपया मि: सेन को बुला दीजिए (कृपया मि: सेन को बुला दीजिए।)  
—दया करे मि: सेनके डेके दिन।

मि: सेन बाहर गए हुए है । (मि: सेन बाहर गए हए हय।)—मि: सेन बाहरे गेछेन।

वह कब तक लौटेंगे ? (उयह कब तक लउटेंगे?)—तिनि कबे नागाद फिरबेन?

वह कल लौटेंगे ? (उयह कल लउटेंगे?)—तिनि काल फिरबेन?

मि: सेन कल दफ्तर में आनेसे आप उन्हें बता देंगे कि मि: चौधुरी का फोन आया था । (मि: सेन् कल् दफ्तर में आनेसे आप उन्हें बता देसे कि मि: चउधुरी का फोन आया था।)—मि: सेन काल अफिसे एले आपनि ताँके बले देबेन ये मि: चौधुरीर फोन एसेछिल।

मैं उन्हें आपका संदेश जरूर दे दूंगा । (माँय उन्हें आपका सन्देश



জরুর দে দুস্কা।) —আমি তাঁকে অবশ্যই আপনার খবর জানাবো।

आप कौन बोल रहा है ? (आप कौन बोल रहा है?) —आपनि  
কে কথা বলছেন?

मैं मि: घोष बोल रहा है । (मैं मि: घोष बोल रहा है।) —আমি  
মিঃ ঘোষ বলছি।

क्या मैं मैनेजर साहब से बात कर सकता हूँ ? (क्या मैं  
मैनेजर साहब से बात कर सकता हूँ?) —আমি কি ম্যানেজার সাহেবের সঙ্গে  
কথা বলতে পারি?

जरूरी हो तो चार बजे के बाद आईए ? (जरूरी हो तो चार  
बजे के बाद आईए?) —প্রয়োজন হলে চারটের পর আসুন।

धन्यवाद । (धन्यवाद।) —ধন্যবাদ।

ट्रंककॉल बुक करना (ट्रंककॉल बुक करना)

ট্রাংককল বুক করা

हैलो, एक्सचेंज । (हैलो, एक्सचेंज।) —হ্যালো, এক্সচেঞ্জ!

हाँ, एक्सचेंज से बोल रहे हैं । (हाँ, एक्सचेंज से बोल रहे  
हैं।) —হ্যাঁ, এক্সচেঞ্জ থেকে বলছি।

कृपा करके एक आर्डिनरी ट्रंककॉल बुक कर दें । (कृपा करके एक  
आर्डिनरी ट्रंककॉल बुक कर दें।) —দয়া করে একটি সাধারণ ট্রাংককল বুক করে  
দেবেন।

कौन शहर के लिए जी ? (कौन शहर के लिए जी?) —কোন শহরের  
জন্য মহাশয়?

कलकत्ता के लिए । (कलकत्ता के लिए।) —কলকাতার জন্য।

कृपया नम्बर बताइए । (कृपया नम्बर बताइए।) —দয়া করে নম্বরটা  
বলুন?

३२५५९४ । (३२५५९४।) —৩২৫৫৯৪।

क्या यह व्यक्ति के नाम से कॉल है । (क्या यह व्यक्ति के नाम  
से कॉल है?) —এটি কি কোন ব্যক্তির নামের কল?



जी हाँ, पी पी कॉल है, अनिमेष का नाम से। (जी हाँ, पी पी कॉल है, अनिमेष का नाम से।)—आज्जे हाँ, पि पि कॉल, अनिमेषेर नामे।

ओ० के०, आपका अपना नम्बर बताइए। (ओ, के, आपका अपना नम्बर बताइए।)—ठिक আছে। আপনার নম্বর বলুন?

मेरा नम्बर कुच्छबिहार ३४४५९२। (मेरा नम्बर कुच्छबिहार ३४४५९२।)—आमार नम्बर कुच्छबिहार ३४४५९२।

अच्छा, थोड़ा प्रतीक्षा करें। (अच्छा, थोड़ा प्रतीक्षा करें।)—आच्छा, একটু অপেক্ষা করুন।

मेरा रेजिस्ट्रेशन नम्बर क्या है? (मेरा रेजिस्ट्रेशन नम्बर क्या है?)—आमार रेजिस्ट्रेशन नम्बर कत?

डि फोर कुच्छबिहार ३१२। (डी फोर कुच्छबिहार ३१२।)—डि फोर कुच्छबिहार ३१२।

धन्यवाद। (धन्यवाद।)—धन्यवाद।

डाकखाने में (डाकखाने में)—डाकघरे।

कृपया मुझे कुछ पोस्टकार्ड दे दें। (कृपया मुझे कुछ पोस्टकार्ड दे दें।)—दया करे आमाके किछु पोस्टकार्ड दिन।

आपको कितने चाहिए? (आपको कितने चाहिए?)—आपनार कति चाहै? मुझे दस पोस्टकार्ड और दस इन्लैंड लेटर चाहिए। (मुझे दस पोस्टकार्ड और दस इन्लैंड लेटर चाहिए।)—आमार दशति पोस्टकार्ड एवं दशति इन्लैंड लेटर चाहै।

यह लीजिए। (इयत् लीजिए।)—एह निन।

आपके पास एयरोग्राम लेटर के फार्म भी हैं? (आपके पास एयरोग्राम लेटर के फार्म भी हैं?)—आपनार काछे एरोग्राम लेटरओ আছে?

जी हाँ, है। (जी हाँ, हाय।)—आज्जे हाँ, আছে।

ठिक है, दे दीजिए। (ठिक हाय, दे दीजिए।)—ठिक আছে, दिन।

पार्सलों के लिए खिड़की नम्बर कितना है ? (पार्सलोंके लिए खिड़की नम्बर कितना हाय ?) — पार्सलें केर जन्म कत नम्बर जानाला ?

खिड़की नं० पाँच । (खिड़की नम्बर पाँच) — जानाला नं० पाँच ।

इस रजिस्टर्ड खत को कहाँ दे सकता हूँ ? (इस रजिस्टर्ड खत को कहाँ दे सकता हूँ ?) — एह रजिस्टर्ड लेटराटि कोथाय देबो ?

खिड़की नं० तीन पर । (खिड़की नम्बर तीन पर) — तीन नम्बर जानालाय ।

आपको बहुत धन्यवाद । (आपको बहुत धन्यवाद) — आपनाके अनेक धन्यवाद ।

डाक्टर के पास (डाक्टर के पास) — डाक्टर केर काहे ।

नमस्ते, डाक्टर साहब । (नमस्ते, डाक्टर साहब) — नमस्कार, डाक्टर साहब ।

नमस्ते, आपको क्या हुआ है ? (नमस्ते, आपको क्या हुआ हाय ?) — नमस्कार ! आपनार कि हयैछे ?

मेरी तबियत ठीक नहीं लग रही है । (मेरी तबियत ठीक नहीं लग रही हाय) — आमार शरीरटा ভাল लागछे ना ।

आपको क्या परेशानी है ? (आपको क्या परेशानी हाय ?) — आपनार कि कष्ट हयैछे ?

कल मुझे रात को ठंड लगी है और तभी से मुझे छाती में बाँई ओर बहुत दर्द है । (कल मुझे रात को ठंड लगी हाय अओर तभी से मुझे छाती में बाँई ओर बहुत दर्द हाय) — काल आमार राते ठाण्डा लेगेछिल आर तखन थेके आमार बुकेर बाँदिके खुब ब्याथा हयैछे ।

मैं आपकी जाँच कर लूँ । जरा लेट जाइए । (मैं आपको जाँच कर लूँ । जरा लेट जाइए) — आमी आपनाके परीक्षा करे नेबो । एकटू शुये पडून ।

साँस लम्बे लम्बे लीजिए । (साँस लम्बे लम्बे लीजिए) — लम्बा लम्बा स्वास निन ।



আপকী আর क्या परेशान होती है ? (आपकी ओर काया परेशान होती है?)—आपनार आर कि कष्ट হচ্ছে?

मुझे धकान महसूस होती है । (मुझे धकान महसूस होती है।)—आमार খুব ক্লান্ত লাগছে।

और क्या है ? (आओर काया है?)—आर कि হয়েছে?

मैं ठीक से सो नहीं पा रहा हूँ । (मैं ठीक से सो नहीं पा रहा हूँ।)—আমি ভালোভাবে শুতে পারছি না।

आपकी इंजेक्शन लेने होंगे । यदि इंजेक्शन अनुकूल न पड़े तो कैपसूल दूंगा । (आपकी इंजेक्शन लेने होंगे। यदि इंजेक्शन अनुकूल ना पड़े तो कापসুল দুংগা।)—আপনাকে ইঞ্জেকশন নিতে হবে। যদি ইঞ্জেকশন আপনার পক্ষে অনুকূল না হয়, কাপসুল দেবো।

क्या होगा डाक्टर साहब ? (काया होगा डाक्टर साहब?)—কি হবে ডাক্তার বাবু?

घबड़ाईए मत । एह एकदम साध्य रोग है । इलाज जारी रखिए आप जल्दी ठीक हो जाएंगे । (घबड़ाईए मत। एह एकदम साध्य रोग है। इलाज जारी रखिए आप जल्दी ठीक हो जाएंगे।)—ভয় পাবেন না। এতো খুব সহজ রোগ। চিকিৎসা চালিয়ে যান। আপনি তাড়াতাড়ি সেরে যাবেন।

डैक मैं (वेयरंक मैं)—ব্যাক্সে

नमस्ते । मैं मैनेजर साहब के साथ मिलना चाहता हूँ । (नमस्ते। मैं मैनेजर साहब के साथ मिलना चाहता हूँ।)—নমস্কার। আমি ম্যানেজার সাহেবের সঙ্গে দেখা করতে চাই।

कहिए, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ? (कहिए, मैं आपकी काया सेवा कर सकता हूँ?)—বলুন, আমি আপনার কি উপকার করতে পারি?

मैं एक बन्त खाता खोलना चाहता हूँ । (मैं एक बन्त खाता खोलना चाहता हूँ।)—আমি একটি সেভিংস ব্যাংকাউন্ট খুলতে চাই।

ठीक है, खोल लीजिए । (ठीक है, खोल लीजिए।)—ঠিক আছে, খুলে ফেলুন।



यह खाता खोलने के लिए पहले कितने रुपये के आवश्यकता होगी ? (इयह खाता खोलने के लिए पहले कितने रुपये के आवश्यकता होगी?)—एह आकाउन्ट खुलते कत टाकार प्रयोजन हवे?

पहले तो कम से कम पाँच रुपये जमा करना होंगे । (पहले तो कम से कम पाँच रुपये जमा करना होगा।)—प्रथमे तो कमपक्षे पाँच टाका जमा दिते हय।

हम रुपये कितनी बार निकाल सकते हैं ? (हम रुपये कितनी बार निकाल सकते हैं?)—आमि टाका कतबार तुलते पारि?

एक महीने में पाँचबार निकल सकते। (एक महीने में पाँचबार निकल सकते।)—मासे पाँचबार तुलते पारबेन।

एक दफे कितना रुपैया उठाना जा सकता है ? (एक दफे कितना रुपैया उठाना जा सकता है?)—एकबारे कत टाका तोला याय?

सामान्यतः एक हजार से अधिक नहीं । (सामान्यतः एक हजार से अधिक नहीं।)—साधारणतः एक हजारेर वेशी नय।

मैं बैंक बुक लेना चाहता । (मैं बैंक बुक लेना चाहता।)—आमि के बई निते चाहै।

वह हम आपको दे देंगे और उसके साथ एक पास बुक भी । (उयह हम आपको दे देसे अउर उसके साथ एक पास बुक भी।)—ओ आमि आपनाके दिसे देव एवंग सेह ससे एकटि पास बईओ देव।

ठीक है, मैं बचत बैंक खाता खोलना चाहता हूँ । क्या मैं पत्नी के साथ संयुक्त खाता खोल सकता हूँ ? (ठीक है, मैं बचत बैंक खाता खोलना चाहता हूँ। क्या मैं पत्नी के साथ संयुक्त खाता खोल सकता हूँ?)—ठाक आछे, आमि सेभिङ आकाउन्ट खुलते चाहै। आमि कि स्त्रीर ससे ज्द आकाउन्ट खुलते पारि?

जरूर सकेंगे । (जरूर सकेसे।)—निश्चयई पारबेन।

मुझे क्या करना है ? (मुझे क्या करना है?)—आमाके कि करते हवे?

आपको इन फार्मों पर हस्ताक्षर करना होगा और साथ ही आरम्भिक रुपैया जमा करना होगा । (आपको इन फार्मों पर हस्ताक्षर करना होगा और साथ ही आरम्भिक रुपैया जमा करना होगा।)—आपनाके



এই ফর্মের ওপর সই করতে হবে এবং সেই সঙ্গে প্রাথমিক টাকা জমা করতে হবে।

यह बात ठीक है । (ইয়হ্ বাত ঠীক হায়)—সে কথা ঠিক।

ये लीजिए फार्म । इन्हें भर दीजिए और हम आपका खाता खोल देंगे और आपको पास बुक और बैंक बुक भी दे देंगे । (ইয়ে লীজিএ ফার্ম। ইন্হেঁ ভর দীজিএ অওর্ হম্ আপকা খাতা খোল দেংগে অওর্ আপকো পাস বুক অওর্ চেক বুক ভী দে দেংগে।)—এই নিন ফর্ম । এটা ভর্তি করে দিন, আমি আপনার অ্যাকাউন্ট খুলে দেব এবং আপনাকে পাস বই ও চেক বই দিয়ে দেব।

बाड़ी भाड़ा के बारेमें (বাড়ী ভাড়া কে বারেমেঁ)

बाड़ी भाड़ा सम्पर्के

नमस्ते जी । (নমস্তে জী।)—নমস্কার মহাশয়।

नमस्ते । (নমস্তে।)—নমস্কার।

आपके नाम मि: सुनील सरकार है ? (আপকে নাম সুনীল সরকার হায়?)—আপনার নাম সুনীল সরকার?

जी हाँ, कहिए क्या जरूरत है ? (জী হাঁ, কহিএ ক্যার জরুরত হায়?)—আজ্ঞে হ্যাঁ, বলুন কি দরকার?

अखबार में विज्ञापन देखा कि आपके यहाँ किराए के लिए फ्लट खाली है ? (অখবারে মেন্ ওয়িগ্যাপন দেখা কি আপকে ইয়হাঁ কিরাএ কে লিএ ফ্লট খালী হায়?)—খবরের কাগজে বিজ্ঞাপন দেখলাম, আপনার এখানে ভাড়ার জন্য ফ্ল্যাট খালি আছে?

जी हाँ, आपका क्या चाहिए ? (জী হাঁ, আপকা ক্যার চাহিএ?)—আজ্ঞে হ্যাঁ, আপনার কি চাই?

मैं तीन कमरे के एक फ्लट चाहता हूँ । (মায় তীন কমরে কে এক ফ্লট চাহতা হুঁ।)—আমি তিন কামরার একটি ফ্ল্যাট চাইছি।

ठीक है, आइए मैं आपको दिखाता हूँ । (ঠীক হায়, আইএ মায় আপকো দিখাতা হুঁ।)—ঠিক আছে, আসুন আমি আপনাকে দেখাচ্ছি।

बैठक बड़ा है, लेकिन रसीई घर छोटा है । (ब्यायठक् बड़ा हाय, लेकिन रसेई घर छोटा हाय) — बैठकखाना बड़ किन्तु रान्ना घर छोटे ।

इधर देखिए सोने का कमरा (इधर देखिए सोने का कम्रा) — এদিকে দেখুন শোবার ঘর ।

ये घर तो बड़ा है । (इये घर तो बड़ा हाय) — এই ঘরগুলি তো বড় ।

जी हाँ । सोने का कमरा बड़ा और हवादार है । (जी हाँ, सोने का कमरा बड़ा अण्ठ् हवादार हाय) — आखे हाँ, शোবার ঘর বড় এবং বাতাস আসে ।

लेकिन दीवालों का चूना झड़ गया है । (लेकिन दीवालौ का चूना बाड़ गया हाय) — किन्तु দেওয়ালগুলির চুন ঝরে গেছে ।

यह हम फिर से चूना कलई करवा दुंगा । (इयह् हम् फिर से चूना कलई करवा दुंगा) — ও আমি আবার চুনকাম করে দেব ।

किराया कितना देना होगा ? (किराया कितना देना होगा ?) — ভাড়া কত দিতে হবে ?

साढ़े तीन सौ रुपये । (साढ़े तीन शब्द रूपये) — সাড়ে তিনশো টাকা ।

क्या बाजार नजदीक है — न दूर हैं ? (क्या बाजार नजदीक हाय — न दूर हाय ?) — বাজার কাছে — না দূরে ?

बाजार, बस स्टॉप और स्कूल नजदीक हैं । (बाजार, बस् स्टॉप अण्ठ् स्कूल नजदीक हाँ) — বাজার, বাস স্টপেজ এবং স্কুল কাছেই ।

और कोई किरायेदार हैं ? (अण्ठ् कोई किरायेदार हाय ?) — আরও কি ভাড়াটে আছে ?

जी हाँ, और तीन किरायेदार हैं । (जी हाँ, अण्ठ् तीन किरायेदार हाँ) — আখ্লে হাঁ, আরও তিনজন ভাড়াটে আছে ।

वह सब कैसा आदमी हैं ? (उयह् सब् कायसा आदमी हाँ) — তারা সব কেমন লোক ?

सभी अच्छा आदमी हैं । (सभी अच्छा आदमी हाँ) — সবাই ভালো লোক ।



अभी हमको कितना रुपैया देना होगा ? (अभी हमको कितना रूपया देना होगा?)—एখন আমাকে কত টাকা দিতে হবে?

एक माह का किराया जमा और एक माह का किराया । (एक माह का किराया जमा और एक माह का किराया।)—এক মাসের ভাড়া জমা এবং এক মাসের ভাড়া।

ठीक है, रुपैया लीजिए । (ठीक शाय, रूपया लीजिए।)—ঠিক আছে, টাকা নিন।

यह लीजिए किराये का रसिद । (इयह लीजिए किराये का रसिद।)—এই নিন ভাড়ার রসিদ।

धन्यवाद । (धन्यवाद।)—ধন্যবাদ।

उपहार खरीदना (উপহার খরীদনা) উপহার কেনা

कहिए आपको क्या दिखाऊँ ? (कहिए आपको क्या दिखाऊँ?)—বলুন আপনাকে কি দেখাবো?

मूझे एक रिस्टवाच दिखाईये उपहार के लिए । (मूझे एक रिस्टवाच दिखाईये उपहार के लिए।)—আমাকে একটি রিস্টওয়াচ দেখান উপহারের জন্য।

जनानी या मर्दानी ? (जनानी और मर्दानी?)—মেয়েদের অথবা ছেলেদের?

मूझे जनानी चाहिए । (मूझे जनानी चाहिए।)—আমার মেয়েদের চাই।

कृपया इस तरफ देखिए । हर किस्म की जनानी घड़ियाँ इस केस में सजी हैं । (कृपया इस तरफ देखिए। हर किस्म की जनानी घड़ियाँ इस केस में सजी हैं।)—দয়া করে এদিকে দেখুন। নানান ধরনের মেয়েদের ঘড়ি এই কেসে সাজানো আছে।

धन्यवाद ! कृपया क्या वह तीसरी वाच दिखाइयेगा ? (धन्यवाद। कृपया क्या वह तीसरी वाच दिखाइयेगा?)—ধন্যবাদ! দয়া করে ঐ তৃতীয় ঘড়িটি দেখাবেন কি?

जरूर दिखायेंगे । हम आप लोगों की सेवा को ही यहाँ है । यह लीजिए । (जरूर दिखायेंगे। हम आप लोगों की सेवा को ही है। यह लीजिए।)—জরুর দেখিয়ে দেবো। हम आप लोगों को सेवा को ही है। यह लीजिए।

ইয়হী হায়। ইয়হ লীজিএ।) — নিশ্চয়ই দেখাবো। আমরা আপনাদের সেবার জন্যই এখানে আছি। এই নিন।

क्या कीमत है इसकी ? (ক্যায়া কীমত হায় ইস্কী?) — এর মূল্য কত? তিন সৌ পচাস রুপैया। (তীন সও পচাস রুপ্যায়্যা।) — তিন শো পঞ্চাশ টাকা।

তিন সৌ পচাস ! बहुत ज्यादा है। (তীন সও পচাস! বহুত জ্যাদা হায়।) — তিন শো পঞ্চাশ! অনেক বেশী হচ্ছে।

बिल्कुल नहीं। यह स्वित्जरलैंड की बनी है। नकली नहीं है। (বিল্কুল নহী। ইয়হ স্টিজরল্যান্ড কী বনী হায়। নকলী নহী হায়।) — একবারে নয়। এটি সুইজারল্যান্ডের তৈরী। নকল নয়।

कुछ सस्ता कर देगा क्या ? (কুছ সস্তা কর দেগা ক্যায়া?) — কিছু সস্তা করে দেবেন কি?

कहिए कितना देंगे आप ? (কহিএ কিতনা দেঙ্গে আপ?) — বলুন কত দেবেন আপনি?

मैं तीन सौ रुपैया देंगे। (মায় তীন সও রুপ্যায়্যা দেঙ্গে।) — আমি তিন শো টাকা দেব।

अच्छा एक काम करना, तीन सौ तीस रुपैया दे देना। (অচ্ছা এক কাম করনা, তীন সও তীস রুপ্যায়্যা দে দেনা।) — আচ্ছা এক কাজ করুন, তিন শো ত্রিশ টাকা দিন।

ঠিক है, यह एक पैक कर दीजिए। (ঠিক হায়, ইয়হ এক পেক কর দীজিএ।) — ঠিক আছে, একে একটি প্যাক করে দিন।

### बुर्घटना (দুর্ঘটনা) — দুর্ঘটনা

रहिम; आज तुम्हारा इतनी देर क्यों हुआ ? (রহিম, আজ তুম্হারা ইতনী দের কিউ হুআ?) — রহিম, আজ তোমার এতো দেরী হলো কেন?

दुर्घटना हो गई थी अब्बाजान। (দুর্ঘটনা হো গই থী অব্বাজান!) — দুর্ঘটনা হয়ে গেছলো বাবা।



কहाँ বেটা ? (কহাঁ বেটা?)—কোথায় বেটা?

আমীর অলী এৱনিউ মেন । (অমীর অলী এৱনিউ মেন)।—আমীর অলী এভিনিউতে।

হায় অল্লা! কীর্ই মরা তো নহী ? (হায় অল্লা, কোঈ মরা তো নহী?)

—হায় অল্লা! কেউ মরেনি তো?

নহী অল্লাজান । অল্লা কী দোয়া সে সব ঠিক হৈ । (নহী অল্লাজান। অল্লা কী দোয়া সে সব ঠিক হায়)।—না বাবা, আল্লার দয়ায় সব ঠিক আছে।

लेकिन यह दुर्घटना हुई कैसे ? (लेकिन इयह दुर्घटना हूँ कायसे?)

—किन्तु এই দুর্ঘটনা হলো কি করে?

एक कार एक मोटर साईकिल पर चढ़ गई और दो लड़कों को अपने नीचे ले लिया । (एक कार एक मोटर साईकिल पर चढ़ गई और दो लड़कों को अपने नीचे ले लिया)।—एकটি कार (প্রাইভেট কার) একটি মোটর সাইকেলের উপরে উঠে গিয়েছিল আর দু'টি ছেলেকে তলায় নিয়ে নিয়েছিল।

क्या वे एक ही मोटर साईकिल पर जा रहै थे ? (क्याां ओये एक ही मोटर साईकिल पर जा रहै थे?)—তারা কি একই মোটর সাইকেলে যাচ্ছিল?

हां, वे एक ही मोटर साईकिल पर जा रहे थे । (हाँ, ओये এক ही মোটর সাইকিল পর জা রহৈ থে)।—হ্যাঁ, তারা একই মোটর সাইকেলে যাচ্ছিল।

इसलिए मैं डबल सवारी कभी पसन्द नहीं करता । (इसलिए मैं डबल सवारी कभी पसन्द नहीं करता)।—এইজন্য আমি দু'জন আরোহী পছন্দ করি না।

कार पुरा तेज से जा रही थी । ड्राइवर उसे नियंत्रण नहीं कर सका । (कार पूरा तेज से जा रही थी। ड्राइवर उसे नियंत्रण नहीं कर सका)।—কারটি পূর্ণ বেগে যাচ্ছিল। ড্রাইভার তাকে নিয়ন্ত্রণ করতে পারেনি।

दोनों लड़कों को आखिर क्या हुआ : (दोनों लड़कों को आखिर

কায় হুআ?)—ছেলে দুটির শেষ পর্যন্ত কি হলো?

एक लडके का तो पैर का एक हड्डी टूट गया और दूसरे के सिर में गहरा चोट लगा। (एक लडके का तो पायर का एक हड्डी टूट गया और दूसरे के सिर में गहरा चोट लगा।)—एकটি ছেলের পায়ের হাড় ভেঙ্গে গেছে আর অপরটির মাথায় গভীর আঘাত লেগেছে।

अब वे कहाँ है ? (अब ওয়ে कहाँ हाय?)—এখন তারা কোথায়? অস্পাতাল में। (অস্পাতাল में)—হাসপাতালে।

पाठ—१९ (पाठ—१९)

अनुबाद (अनुबाद)—बांग्ला থেকে हिन्दी

बांग्ला

एक जंगले एक शियाल ছিল। সে খুব বুদ্ধিমান ছিল। একদিন সে বন থেকে বাইরে বেরোলো। পথে এক ভাল বাগান ছিল। বাগানে অনেক কাঁঠাল গাছ ছিল। গাছে ভালো ভালো কাঁঠাল ঝুলছিল। কাঁঠাল দেখে শিয়ালের মুখে জল ভরে এলো। ফল পাড়ার জন্য সে খুব লাফ বাঁপ দিল কিন্তু সব ব্যর্থ হলো।

কাঁঠাল উঁচুতে ছিল। অতএব একটিও ফল পেলো না। কিন্তু শিয়াল চালাক ও শক্তিম্যান ছিল। সে বন থেকে নিজের দুটি সঙ্গীকে ডেকে নিয়ে এলো।

বড় শিয়ালটি গাছের নীচে দাঁড়িয়ে গেল। দ্বিতীয়টি তার পিঠের উপর চড়ে গেল। তৃতীয় শিয়াল দ্বিতীয়টির পিঠের উপর চড়ে গেল আর সবই কাঁঠাল পেড়ে মিলে মিশে খুব খেল।

हिन्दी

एक जंगल में एक सियार रहता था। वह बहुत बुद्धिमान था। एक दिन वह जंगल से बाहर निकला। मार्ग में एक अच्छा बाग था। जिसमें कटहल का पेड़ देखा। पेड़ पर अच्छे अच्छे कटहल लटक रहे थे। कटहल देखकर सियार के मुँह में पानी भर आया। फल तोड़ने के लिए वह बहुत उछला कूदा परन्तु



सब व्यर्थ हुआ ।

कटहल ऊँचाई पर था । अतः एक भी फल न पा सका । किन्तु सियार चतुर और पराक्रमी था । वह जंगल से अपने दो साथियों को बुला लाया ।

बड़ा सियार पेड़ के नीचे खड़ा हो गया । दूसरा उसका पीठ पर चढ़ गया । तीसरा सियार दूसरे के पीठ पर चढ़ गया और सभी कटहल तोड़कर आपस में खूब खाये ।

### हिन्दी शब्दक बाश्ला

बहुत दिन पहले एक कौवा अपनी चाँच में एक मांस का टुकड़ा दबाये जा रहा था । वह एक पेड़ की डाल पर बैठा और अपनी चमकीली आँखों से मांस का टुकड़ा देखने लगा । वह बहुत खुश था । उसी समय एक लोमड़ी जो पास ही के एक बाग में छुपी हुई थी । कौवे को चाँच में मांस का टुकड़ा लिए हुए देखी । लोमड़ी बहुत भूखी थी । उसने कुछ साँचकर हसते हुए जिस पेड़ पर कौवा बैठा था ; उसके नीचे आई ।

ओ मेरे प्यारे कौवे ! इस बाग के तमाम पक्षी कहते हैं कि तुम हम सभी से सबसे मधुर गाते हो ; क्या तुम मुझे अपना गाना सुना सकते हो ? नादान कौवा लोमड़ी की चिकनी चुपड़ी बातों में आ करके अपना मुँह खोलकर काँव काँव चिल्लाने लगा । मांस का टुकड़ा घरती पर गिर पड़ा और लोमड़ी उसे मुँह में लेकर चली गयी ।

कौवा बहुत उदास हो गया लेकिन धूर्त लोमड़ी ने हसते हुए कहा कि कुछ भी हो भाई कौवा तुम्हारी आवाज इतनी अच्छा नहीं जितना कि तुम्हारा मांस का टुकड़ा ।

### बाश्ला अनुवाद

अनेक दिन आगे एक काक निजेर ठौंटे एक मांस के टुकड़े को छेपे धरे था छिन्न । से एकटि गाछेर डालेर ओपर बसलौ आर निजेर उज्जुल चोख दूटिरे द्वारा मांस के टुकड़े देखते लागलौ । से खूब खुशी छिल । सेई समय एक खैकशियाल से पाशेरई एक बागाने लूकियेछिल । काकेर ठौंटे मांस के टुकड़े

নেওয়া দেখেছিল। খেঁকশিয়ালটি খুব ক্ষুধার্ত ছিল, সে কিছু চিন্তা করে হাসতে হাসতে যে গাছের উপর কাক বসেছিল, তার নীচে এলো।

ও আমার প্রিয় কাক! এই বাগানের সকল পাখী বলে কি তুমি আমাদের সকলের চেয়ে মধুর গান কর, তুমি কি আমাকে নিজের গান শোনাতে পারো? বেচারী কাক খেঁকশিয়ালীর তোষামোদি কথায় ভুলে নিজের মুখ খুলে কাঁ কাঁ চিৎকার করতে লাগলো। মাংসের টুকরো মাটিতে পড়ে গেল ও খেঁকশিয়াল সেটা মুখে নিয়ে চলে গেল।

কাক দুঃখিত হয়ে গেল, কিন্তু ধূর্ত খেঁকশিয়াল হাসতে হাসতে বললে—যা হোক ভাই কাক, তোমার কণ্ঠস্বর এত সুন্দর নয় যতটা তোমার মাংসের টুকরো।

## বাংলা থেকে হিন্দী অনুবাদ

### বাংলা

রেলগাড়ী আজকাল খুবই লাভদায়ক। গাড়ীর আগে বড় এবং মজবুত ইঞ্জিন থাকে। চালক তাকে খুব মনোযোগ সহকারে চালায়। প্রত্যেকটি গাড়ীতে গার্ড থাকে। সে নিজের কামরায় থাকে। এই কামরাকে গার্ডের কামরা বলা হয়। যখন গাড়ী স্টেশনে থাকে, সেই সময় এর কাজ যাত্রীদের গাড়ী থেকে নামা ও নতুন যাত্রীদের গাড়ীতে বসা দেখা। দিনের বেলা গার্ডের সবুজ পতাকা এবং রাত্রে সবুজ বাতি দেখালে চালক গাড়ী চালায়। অনেক লোক রেলওয়ে লাইনের ওপর কাজ করে। তাদের কাজ হলো লাইনকে সর্বদা ঠিক রাখা।

### হিন্দী অনুবাদ

রেলগাড়ী আজকাল बहुत लाभदायक है। गাড়ी के आगे बड़ा और मजबूत इंजन होता है। ड्राइवर उसको बड़े ध्यान से चलाता है। हर एक गাড়ी में गार्ड होता है, जो अपने डिब्बे में रहता है। यह डिब्बा गार्ड का कमरा कहलाता है। जब गাড়ी स्टेशन पर ठहरती है तो उस वक्त इसका काम यात्रियों को गাড়ी से निकलते और नये यात्रियों को गাড়ी में बैठते हुए हेखना है। दिन के समय गार्ड की हरी झण्डी और रात के समय हरी बत्ती दिखाने से ड्राइवर गাড়ी चलाता है। बहुत से आदमी रेलवे लाइन पर काम करते



हैं । उनका काम लाइन को हमेशा ठीक रखने का है ।

हिन्दी থেকে বাংলা অনুবাদ

हिन्दी

तुम्हारा नाम क्या है ?

मेरा नाम जयंत गुह ।

तुम क्या करते हो ?

मैं एक दफ्तर में काम करता हूँ ।

तुम्हारे पिता क्या काम करते हैं ?

वह एक प्राइवेट सर्विस में हैं ।

तुम्हारे छोटा भाई क्या करते हैं ?

वह कालेज में पढ़ता है ।

तुम्हारे घर से कालेज कितनी दूर है ?

लगभग दो किलोमीटर ।

तुम्हारा भाई का नाम क्या है ?

उसका नाम गोपाल है ।

अब तुम कहाँ जाता है ?

मैं दूकान पर जाता हूँ ।

दूकान से क्या खरीदोगे ?

सिर्फ दो टिकिया साबुन ।

বাংলা অনুবাদ

তোমার নাম কি?

আমার নাম জয়ন্ত গুহ।

তুমি কি করছো?

আমি এক অফিসে কাজ করি।

তোমার বাবা কি কাজ করেন?

তিনি একটি প্রাইভেট চাকরীতে আছেন।

তোমার ছোট ভাই কি করে?

সে কলেজে পড়ে।

তোমাদের ঘর থেকে কলেজ কতদূর?

প্রায় দুই কিলোমিটার।

তোমার ভাইয়ের নাম কি?

তার নাম গোপাল।

এখন তুমি কোথায় যাচ্ছ?

আমি দোকানে যাচ্ছি।

দোকানে কি কিনবে?

মাত্র দু' পিস্ সাবান।

## বাংলা থেকে হিন্দী অনুবাদ

### প্রভু-ভৃত্যের কথাবার্তা

#### বাংলা

হরি! এদিকে এসো!

বলুন, মালিক।

আমাকে স্টেশনে যেতে হবে।

বলুন, আমাকে কি করতে হবে?

একটা ট্যাক্সী ডেকে আনো।

ট্যাক্সী স্ট্যান্ড কোথায় হজুর?

বিডন স্ট্রীটের মোড়ে।

আমি এখনি যাচ্ছি।

ঠিক আছে। একটু তাড়াতাড়ি আসবে।

ট্যাক্সী এসে গেছে হজুর।

আমার জিনিস-পত্র ট্যাক্সীতে রাখো।

ঠিক আছে। আর কি কাজ আছে?

না, আর কিছু নয়। আমার অনুপস্থিতিতে সাবধান থাকবে।

আপনি করে ফিরবেন?



এক সপ্তাহ পরে ফিরবো? তোমার কিছু চাই?

আজ্ঞে..... আমার.....

হ্যাঁ, খুলে বলো, সঙ্কোচ করো না।

ধন্যবাদ! আমি কি আপনার সঙ্গে যেতে পারি?

আচ্ছা, সেখানে তোমার কি দরকার?

আমার বাবা মা সেখানে থাকেন। আমি তাঁদের সঙ্গে দেখা করে নেব।

আচ্ছা, এটা আমার মনে ছিল না।

আজ্ঞে হ্যাঁ।

আচ্ছা, তুমি তাড়াতাড়ি প্রস্তুত হয়ে নাও।

ধন্যবাদ প্রভু! আপনার অনেক দয়া।

### হিন্দী অনুবাদ

हरि ! यहाँ आओ ।

कहिए, मालिक ।

मुझे स्टेशन जाना है ।

कहिए, मुझे क्या करना है ?

एक टैक्सी बुला लाओ ।

टैक्सी स्टैन्ड कहाँ है, हुजूर ।

विडन स्ट्रीट के मोड़ पर ।

मैं अभी जाता है ।

ठीक है । जरा जल्दी आना ।

टैक्सी हाजिर है हुजूर ।

मेरा सामान टैक्सी में रखो ।

ठीक है । और कुछ काम है ?

नहीं और कुछ नहीं । मेरा अनुपस्थिति में होशियार रहना ।

आप कब लौटेंगे ?

एक हफ्ता बाद लौटेंगे । तुम्हें कुछ चाहिए ?

जी ..... मुझे .....

हाँ खुलकर कहो । संकोच मत करो ।

धन्यवाद ! क्या मैं भी आपके साथ चल सकता हूँ ?

अच्छा वहाँ तुम्हारा क्या काम है ?

मेरे माता-पिता वहाँ रहते हैं । मैं उन्हें मिल लूंगा ।

अच्छा, मुझे यह मालूम नहीं था ।

जी हाँ ।

अच्छा तुम जल्दी से तैयार हो जाओ !

धन्यवाद मालिक । आपकी बड़ी मेहरबानी ।

### पाठ—२० (पाठ—२०)

मित्र से बातचीत (मित्र से बातचीत)

बच्चों के साथ कथावार्ता

कल तुम कहाँ गया था ? (कल तुम कहाँ गया था ?)—गतकाल तुम  
कोथाय गये थे ?

मैं अपने बड़ा भाई से मिलने गया था (मैं अपने बड़ा भाई से  
मिलने गया था)।—आमि আমার বড় ভাইয়ের সঙ্গে দেখা করতে গিয়েছিলাম।

तुमसे दीपक के साथ मूलाकात हुआ ? (तुमसे दीपक से साथ  
मूलाकात हुआ ?)—তোমার সঙ্গে दीपक के साथ मिले थे ?

उसके साथ इतवार को मूलाकात हुआ । (उसके साथ इतवार को  
मूलाकात हुआ)।—তার সঙ্গে रविवारे দেখा হয়েছে।

उससे तुमने क्या बोला ? (उससे तुमने क्या बोला ?)—से तोमাকে  
कि बले ?

हमसे बहुत सी विषयों पर बातचीत हुई । (हमसे बहुत सी  
विषयों पर बातचीत हुई)।—আমার সঙ্গে অনেক বিষয়ে কথাবার্তা হয়েছে।

तुम उससे क्या पूछा ? (तुम उससे क्या पूछा ?)—তুমি তাকে কি  
জিজ্ঞাসা করলে ?

मैंने उससे पूछा कि वह नागपुर में कहाँ ठहरेगा ? (मैंने उससे



পূছা কি ওয়হ্ নাগপুর মেন্ কহাঁ ঠহরেগা?)—আমি তাকে জিজ্ঞাসা করেছিলাম সে নাগপুরে কোথায় থাকবে?

বহ ক্যা বোলা ? (ওয়হ্ ক্যায়া বোলা?)—সে কি বললে?

उसने बताया कि वहां होटल में ठहरेगा । (উসনে बताया কি ওয়হাঁ হোটেল মেন্ ঠহরেগা।)—সে বললে সেখানে হোটেলে থাকবে।

आप यहां कहाँ रहते हैं ? (আপ ইয়হাঁ কহাঁ রহতে হাঁয়?)—আপনি এখানে কোথায় থাকেন?

मैं महात्मा गांधी रोड पर एक होटल में रहता है । (মায় মহাত্মা গান্ধী রোড পর এক হোটেল মেন্ রহতা হায়।)—আমি মহাত্মা গান্ধী রোডের ওপর এক হোটেলে থাকি।

मैं भी पहले यहाँ आकर एक होटल में था । (মায় ভী পহেলে ইয়হাঁ আকর এক হোটেল মেন্ থা।)—আমিও প্রথমে এখানে এসে একটি হোটেলে ছিলাম।

कितना दिन पहले ? (কিতনা দিন পহেলে?)—কত দিন আগে?

लगभग एक साल ही गया । (লগভগ্ এক সাল হো গয়া।)—প্রায় এক বছর হয়ে গেছে।

अब कहाँ रहते है ? (অব্ কহাঁ রহতে হায়?)—এখন কোথায় থাকেন?

अब तो सन्ट লেক में एक फ्लट ले लिया । (অব্ তো সন্ট লেক মেন্ এক ফ্লট্ লে লিয়া।)—এখন তো সন্ট লেকে একটি ফ্ল্যাট নিয়েছি।

आप कितना किराया देता ? (আপ্ কিতনা কিরায় দেতা?)—আপনি কত ভাড়া দেন?

ढाई सौ रुपये महीनों में । (ঢাঈ সও রুপইয়ে মহীনোঁ মেন্।)—আড়াই শ' টাকা মাসে।

क्या आप वहां अकेला रहता ? (ক্যায়া আপ্ ওয়হাঁ অকেলা রহতা?)—আপনি কি সেখানে একা থাকেন?

नहीं, हमारा परिवारवर्ग भी रहते हैं । (নহী, হমারা পরিওয়ার-ওয়র্গ ভী রহতে হাঁয়।)—না, আমার পরিবারবর্গও থাকে।

वहाँ आप कितने दिनों से रहता है ? (ওয়হাঁ আপ কিতনে দিনৌ সে রহতা হাঁয়?)—ওখানে আপনি কতদিন থেকে আছেন?

लगभग नौ महिनों हो गया । (लगभग नौ महिनों हो गया।)—প্রায় ন' মাস হয়ে গেছে।

कलकत्ते में रहाइश के दौरान मुझे अनेक मित्र मिले । (कलकत्ते में रहाइश के दौरान मुझे अनेक मित्र मिले।)—কলকাতায় থাকাকালীন আমার অনেক বন্ধুর সঙ্গে দেখা হয়েছিল।

आप यहां कुछदिन रहेगा तो ? (आप इयहाँ कुछदिन रहेगा तो?)—আপনি এখানে কিছুদিন থাকবেন তো?

एक महीना रहने का निश्चय किया । (एक महीना रहने का निश्चय किया।)—এক মাস থাকবো বলে স্থির করেছি।

तब तो हमेशा मूलाकात होगा । (तब तो हमेशा मूलाकात होगा।)—তাহলে তো প্রায়ই দেখা হবে।

जरूर होगा, लेकिन अब मुझे जाना होगा । (जरूर होगा, लेकिन अब मुझे जाना होगा।)—নিশ্চয়ই হবে, কিন্তু এখন আমাকে যেতে হবে।

इतनी जल्दी कहां जाना है ? (इतनी जल्दी कहां जाना है?)—এত তাড়াতাড়ি কোথায় যেতে হবে?

बहुत जरूरी काम है । (बहुत जरूरी काम है।)—খুব দরকারী কাজ আছে।

कहाँ पर ? (कहाँ पर?)—কোথায়?

कालेज स्ट्रीट में जाना है । (कालेज स्ट्रीट में जाना है।)—কলেজ স্ট্রীটে যেতে হবে।

वहाँ क्या जरूरत है ? (ওয়হাঁ ক্যারা জরুরত হাঁয়?)—ওখানে কি দরকার?

एक किताब खरीदना होगा । (एक किताब खरीदना होगा।)—একটা বই কিনতে হবে।

किताब की नाम क्या है ? (किताब की नाम क्या है?)—বইয়ের নাম কি?



হিন্দী বংগলা শিক্ষা । (হিন্দী বংগলা শিক্ষা)।—হিন্দী বাংলা  
মুझे भी ऐसी किताब की जरूरत है । लेकिन कहाँ मि  
(মুঝে ভী এয়াসী কিতাব কী জরুরত হায়। लेकिन कहाँ मिलेगा?)—अ  
रकम बইয়ের दरকার। কিন্তু কোথায় পাওয়া যাবে?

अक्षय लाइव्रेरी में । (अक्षय लाइव्रेरी में)।—अक्षय लाइव्रेरी  
यह दुकान कहाँ है ? (इयह दुकान कहाँ हय?)—এই দোকানটি  
महात्मा गांधी रोड पर सजी हुई बड़ा दुकान है । (মহা  
রোড পর সজী হুই বড়া দুকান হায়।)—মহাত্মা গান্ধী রোডের ওপর সা  
দোকান।

चलिए, मैं भी चले । (चलिए, मैं भी चले।)—চলুন, আমি  
আই। (আইয়ে।)—আসুন।

कैसे जावेगा ? (क्यासे जाओयेगा?)—কি করে যাবেন?  
ट्राम से जावेगा । (ट्राम से जाओयेगा।)—ট্রামে যাবো।